जबलपुर

मंगलवार 10 फरवरी 2026

फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष-9

वर्ष : 20, अंक : 282

पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम

अधि. 25

न्यून. 10

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

जवानों को सम्मानित करते सीएम डॉ. यादव

नक्सल मुठभेड़ में अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया

60 'जांबाज' जवानों को ऑउट ऑफ टर्न पदोन्नति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट में नक्सल मुठभेड़ में अदम्य साहस और वीरता का परिचय देने वाले 60 जांबाज जवानों को क्रम से पूर्व (आउट ऑफ टर्न) पदोन्नति प्रदान की। उन्होंने कहा कि बालाघाट में कभी नक्सली खून की होली खेलते थे। परंतु जवानों को वीरता, पुलिस की दृढ़ इच्छाशक्ति और जनता के विश्वास ने क्षेत्र को नक्सल आतंक की जंजीरों से मुक्त किया।

- बालाघाट जिले के 32 पुलिस स्टेशन एवं शासकीय कार्यालयों को मिला आईएसओ सर्टिफिकेशन
- मध्यप्रदेश की धरती अब नक्सलियों से मुक्त

'परीक्षा पे चर्चा' में पीएम मोदी ने 2026 के दूसरे एपिसोड में देशभर के छात्रों से किया सीधा संवाद

खुद की तुलना दूसरों से बिल्कुल न करें और 'अपनी क्षमताओं' पर भरोसा रखें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 'परीक्षा पे चर्चा' 2026 के दूसरे एपिसोड में देशभर के छात्रों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने बोर्ड और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को परीक्षा के तनाव से निपटने, आत्मविश्वास बनाए रखने और पढ़ाई को बोझ नहीं बल्कि उत्सव की तरह लेने की सीख दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि परीक्षा जीवन का अंत नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया का एक हिस्सा है। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे खुद की तुलना दूसरों से न करें और अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखें। पीएम मोदी ने यह भी स्पष्ट किया कि दबाव में पढ़ाई करने से परिणाम बेहतर नहीं होते, बल्कि संतुलित दिनचर्या और सकारात्मक सोच ज्यादा जरूरी है। पीएम मोदी ने कहा कि परीक्षा पे चर्चा का उद्देश्य परीक्षा को डर का कारण नहीं, बल्कि एक अवसर के रूप में देखना है।

स्टूडेंट्स के साथ पेरेंट्स और टीचर्स को भी दी सलाह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बच्चों से संवाद करते हुए

यह भी दी नसीहतें

- पढ़ाई के साथ स्किल डेवलपमेंट जरूरी
- आंसर राइटिंग का रोज अभ्यास करें
- सुबह जल्दी उठें और सूर्योदय देखें
- गहरी सांस लेने का अभ्यास करें
- छोटी उपलब्धियों का जश्न मनाएं
- स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, आत्मविश्वास बनाए रखें
- अपनी ताकतों को पहचानें- हर छात्र की क्षमता अलग होती है
- धैर्य और आत्म-जागरुकता बनाए रखें
- छात्रों को एआई या मोबाइल फोन से डरना नहीं चाहिए बल्कि इसे सही तरीके से उपयोग करना सीखना चाहिए

inh

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

हरिभूमि सहेली

आज के अंक के साथ

खबर संक्षेप

शरद पवार की तबीयत खराब, इलाज जारी

पुणे। राज्यसभा सांसद शरद पवार की तबीयत खराब हो गई। उन्हें पुणे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें बुखार, खांसी की समस्या है। शरद पवार के कार्यालय की ओर से यह जानकारी दी गई है। शरद पवार का पहले बारामती में इलाज चल रहा था, लेकिन तबीयत में सुधार न होने पर उन्हें पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक ले जाया गया, जहां अभी उनका इलाज चल रहा है। बारामती तालुका के काठेवाड़ी में सोमवार को दिवंगत नेता अजित पवार का तेरहवीं संस्कार हुआ।

भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.4% रहने का अनुमान

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने रिपोर्ट जारी की है। जिसमें कहा गया है कि अगले वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी 6.4% की दर से बढ़ेगी।

मंत्री विजय शाह मामले की सुनवाई टली

नई दिल्ली। मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया पर बयान के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। जैसे ही सुनवाई का समय आया, कोर्ट का समय समाप्त हो गया।

स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष कर रहा 'अविश्वास प्रस्ताव' लाने की तैयारी

लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी पर हमले के 'कथित डर' पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा

हमले का सवाल ही नहीं, यदि सरकार को डर था तो 'एफआईआर' करानी थी

विपक्षी नेताओं ने स्पीकर से गतिरोध खत्म करने के लिए लोकसभा के आठ विपक्षी सांसदों का निलंबन रद्द करने का आग्रह किया। लोकसभा में 3 फरवरी से ही हंगामा हो रहा है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद का बजट सत्र 2026 लगातार राजनीतिक घमासान का केंद्र बना हुआ है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण से उठा बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। विपक्ष जल्द ही लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है। विपक्ष का आरोप है कि स्पीकर निष्पक्ष नहीं हैं।

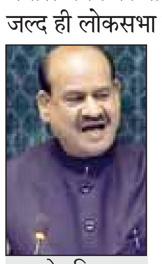

ओम बिरला

हालांकि, संसद का गतिरोध तोड़ने के लिए सोमवार को राहुल गांधी कुछ सांसदों के साथ बिरला से मिले और अपना पक्ष रखा। माना जा रहा है कि इस मुलाकात के बाद राहुल संसद का गतिरोध समाप्त करने के लिए राजी हो गए हैं। अखिलेश यादव ने भी इस पर सहमति जताई है। हालांकि, पीएम नरेंद्र मोदी पर लोकसभा में हमले के कथित डर पर राहुल गांधी ने कहा है कि पीएम पर हमले का सवाल ही नहीं था।

बिरला से राहुल की मुलाकात के बाद संसद चलने देने पर सहमति बनी आज से व्यवधान नहीं

विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन, पोस्टर में लिखा 'आप हमें खामोश नहीं कर सकते'

राहुल ने कहा- पीएम सदन में आने से डर रहे, सच्चाई का सामना नहीं कर सकते

सोमवार को हंगामे के बाद सदन की कार्यवाही को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया

आरोप :रक्षा मंत्री ने झूठ कहा कि किताब पब्लिश नहीं हुई

राहुल गांधी ने कहा कि हाल ही में संसद में जो घटनाएं हुईं, वे पूरी तरह असंवैधानिक और पक्षपातपूर्ण थीं। उन्होंने बताया कि विवाद तब शुरू हुआ जब उन्होंने नरवणे की किताब का मुद्दा उठाया। सरकार चाहती थी कि वह इस पर चर्चा न करें। राहुल गांधी सोमवार को जनरल नरवणे की किताब पर अपनी बात रखना चाहते थे।

राहुल की ओम बिरला से मुलाकात

राहुल गांधी ने सोमवार को कुछ विपक्षी नेताओं के साथ लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की और उन्हें उन मुद्दों के बारे में बताया जिन्हें वह सदन में उठाना चाहते हैं।

आप पूरे विपक्ष को कैसे चुप करा सकते हैं?

स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के विपक्ष के कदम पर, अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि पिछले 18 वर्षों में, मैंने इस सदन को इस तरह से चलते हुए नहीं देखा जैसा आज चल रहा है। मैं सरकार और स्पीकर से अपील करती हूं कि यहां के सांसदों को लोगों ने चुनकर भेजा है।

निजी बाइक-कार के कमर्शियल इस्तेमाल पर रोक

कहा- इसका पब्लिक ट्रांसपोर्ट के रूप में उपयोग गैरकानूनी

निजी वाहनों का इस्तेमाल कर रही ओला, उबर और रैपिडो जैसी कंपनियां

फाइल फोटो

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

मप्र हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने प्रदेशभर में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के रूप में बाइक और टैक्सी के इस्तेमाल पर रोक लगाने के आदेश जारी किया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि निजी दो पहिया वाहनों और चार पहिया वाहनों का पब्लिक ट्रांसपोर्ट के रूप में व्यवसायिक उपयोग करना पूरी तरह से गैरकानूनी है। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने कहा कि ओला, उबर और रैपिडो जैसी कंपनियां निजी वाहनों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट की तरह इस्तेमाल कर रही हैं।

मंदिर की छत गिरी

प्रसाद लेने पहुंची 3 बच्चियों की मौत, दंपती-बेटी समेत 6 घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुरैना

जिले के अहरौली गांव में चामड़ माता के मंदिर की छत गिर गई। मलबे में दबकर 3 बच्चियों की मौत हो गई। 4 अन्य बच्चियां और एक दंपती घायल हैं।

- मृतकों में दो सगी बहनें

हादसा सोमवार दोपहर करीब दो बजे मंदिर में गुंबद निर्माण के लिए पुरानी छत तोड़ते वक्त हुआ। गांव में ही रहने वाले सतीश गौड पत्नी पृथ्वी के साथ मंदिर में प्रसाद चढ़ाने आए थे। उन्होंने प्रसाद देने के लिए कुछ बच्चियों को भी मंदिर के भीतर बुला लिया। इसी दौरान पुरानी छत की पटिया गिर गई।

घायल अवस्था में बच्चे

तरनतारन में छात्रा की हत्या

क्लासमेट ने छात्रा को मारी गोली, फिर खुद की ली जान

एजेंसी ▶▶ तरनतारन

संदीप कौर(मृतक)

- सगाई से नाराज था, एकतरफा प्रेम का मामला

पंजाब के तरनतारन स्थित लॉ कॉलेज में सोमवार को छात्र ने क्लासरूम में घुसकर छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने वहीं पर खुद को भी गोली मारकर सुसाइड कर लिया। मृतक छात्रा संदीप कौर (20) है, वह लॉ कॉलेज में फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट थी। वहीं, आरोपी छात्र तरनतारन का प्रिंसराज सिंह है, वह भी छात्रा के साथ पढ़ता था। पुलिस ने लॉ कॉलेज को सील कर दिया है, साथ ही हत्या के कारणों की जांच कर रही है। लड़की की मां ने आरोप लगाया कि कॉलेज से उन्हें कहा गया कि छोटा सा झगड़ा हुआ और उनकी बेटी को चोट लगी है।

महाशिवरात्रि से पहले विवाद

महिलाओं के हल्दी लगाकर नाचने गाने को लेकर आपत्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

- पुजारियों ने कहा शिवपुराण में उल्लेख नहीं

महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि को लेकर हल्दी खेला पर विवाद खड़ा हो गया है। मंदिर के पुजारियों ने महिलाओं के हल्दी लगाकर नाचने गाने को लेकर आपत्ति जताई है। पुजारियों का कहना है कि शिव नवरात्रि में केवल पूजा, आराधना और संकल्प की परंपरा है जो पंचमी से शुरू होता है। शिव पुराण और अन्य शास्त्रों में महाशिवरात्रि पर शिव विवाह इस प्रकार मनाने का जिक्र नहीं है। पुजारियों का कहना है कि आजकल लोग इसे शिव विवाह के रूप में मानते हैं इस पर्व पर हल्दी खेलना सनातन परंपरा के विपरीत है।

कानपुर में लैंबोर्गिनी का कहर

रईसजादे ने 12 करोड़ रु. की गाड़ी से 6 को रौंदा

एजेंसी ▶▶ कानपुर

- दबाव पड़ा तो एफआईआर में नाम दर्ज

कानपुर के वीआईपी रोड पर रविवार को तंबाकू कारोबारी के बेटे की 12 करोड़ की मॉडिफाइड लैंबोर्गिनी कार तेज रफ्तार में ऑटो और बुलेट से टकरा गई। टक्कर के बाद कार बेकाबू होकर फुटपाथ पर चढ़ गई जिससे गाड़ी में बैठे लोगों के साथ-साथ चार अन्य लोग घायल हो गए। लेम्बोर्गिनी कार हादसे को लेकर पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और पुलिस ने लैंबोर्गिनी कार को भी जब्त कर लिया है। हादसे के वक्त शिवम मिश्रा ही कार चला रहा था।

प्रदेशभर में बनाए 3856 परीक्षा केंद्र

आज से माशिमं की परीक्षाएं शुरू 12वीं का पहला पेपर अंग्रेजी का

हर जिले में चार-चार फ्लाइंग स्क्वाड गठित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा मंडल की मुख्य परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो जाएंगी। कक्षा 12वीं का पहला पेपर 10 फरवरी को अग्रेजी का होगा।

वहीं, कक्षा 10वीं का पहला पेपर 13 फरवरी को उर्दू का रहेगा। हालांकि, मुख्य पेपर अग्रेजी का 17 फरवरी को आयोजित होगा। इस परीक्षा में दोनो कक्षाओं में प्रदेशभर के 16 लाख से अधिक विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं।

फाइल फोटो

12वीं में सात लाख विद्यार्थी

इसमें करीब 7 लाख विद्यार्थी 12वीं की बोर्ड परीक्षा में बैठेंगे। वहीं 9 लाख 7 हजार विद्यार्थी कक्षा 10वीं की परीक्षा देंगे। जिसके लिए 3856 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। नकल रोकने के लिए लाइंग स्क्वाड, सीसीटीवी निगरानी और थानों से प्रश्न-पत्र निकालने तक वीडियोग्राफी की व्यवस्था की गई है।

जबलपुर: मामूली विवाद में वारदात

बाइक में टक्कर लगी तो बदमाशों ने क्रेटा चालक की चाकू घोंपकर हत्या

पुलिस आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

रांझी थाना अंतर्गत गोकलपुर में रविवार देर रात एक मामूली सड़क दुर्घटना ने खौफनाक रूप ले लिया। दुर्गा मंदिर के पास क्रेटा कार और बाइक की टक्कर के बाद शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि 34 वर्षीय युवक एकांश साहू की सीने में चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार अधारताल सब्जी मंडी निवासी एकांत साहू उम्र 35 फर्नीचर का कारोबारी था।

आरोपी ने दोस्तों को बुला लिया

वह गत रात अपनी क्रेटा कार से रांझी होते हुए गोकलपुर दुर्गा मंदिर के पास पहुंचा था। युवक अपनी कार को सड़क के किनारे लगा रहा था। तभी सामने से आ रही मोटरसाइकिल से उसकी टक्कर हो गयी।

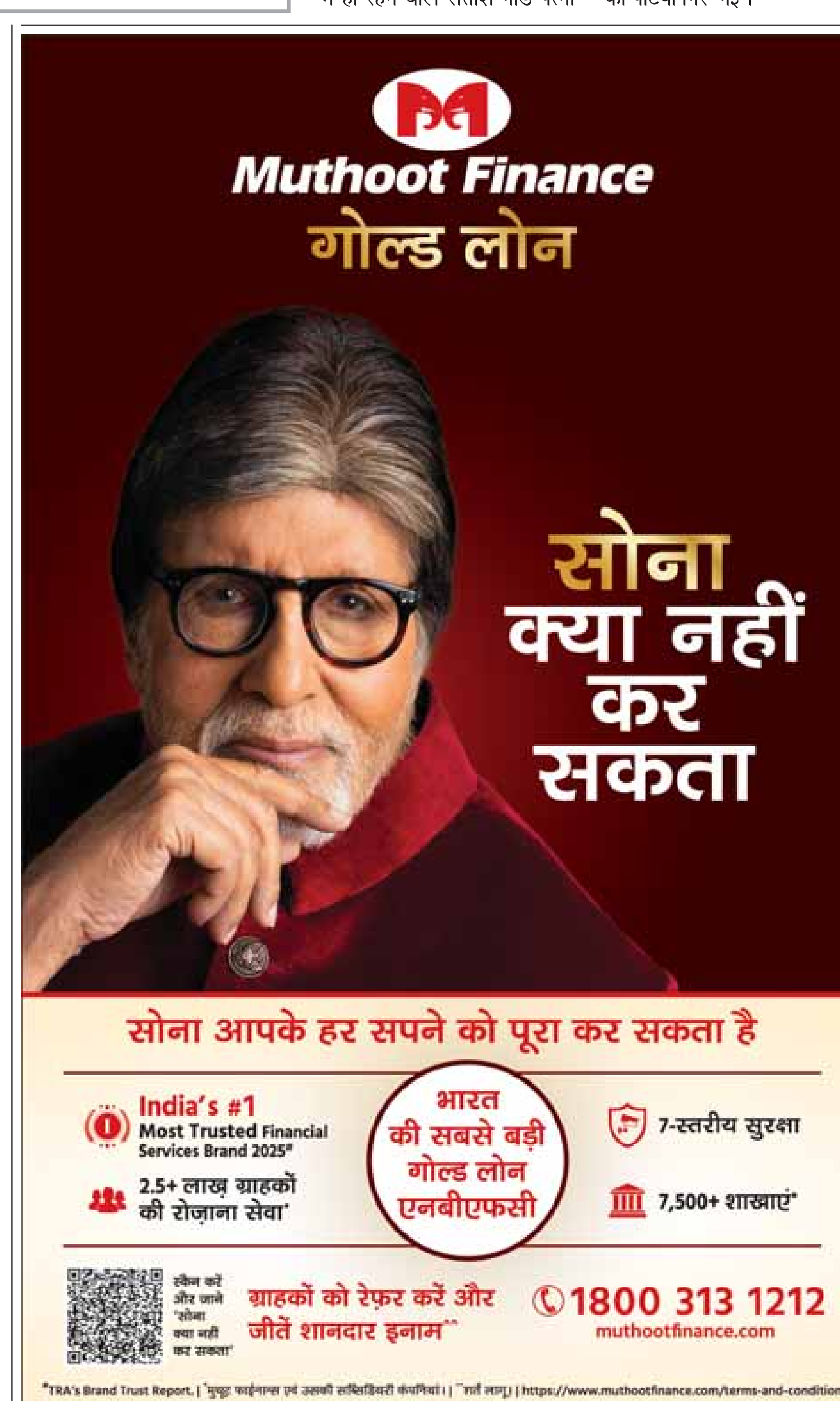

मध्यप्रदेश पुलिस के प्रभावशाली अभियान से संभव हुआ लाल सलाम को आखिरी सलाम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बालाघाट के आत्मबल ने कठिन नक्सल समस्या को खत्म करके दिखाया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बालाघाट के नाम में ही बल है। इस जिले ने अपने आत्मबल के आधार पर ही हिमालय जैसी कठिन चुनौती का अंत करके दिखाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में देशभर में नक्सल उन्मूलन का माहौल बना। मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रभावशाली अभियान चलाकर नक्सलियों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और प्रदेश में लाल सलाम को आखरी सलाम किया। नक्सल उन्मूलन में हॉक फोर्स के वीर जवानों की भूमिका अभिनंदन के योग्य है। यहां कभी खून की होली खेली गई, परंतु जवानों की वीरता, पुलिस की दृढ़ इच्छाशक्ति और जनता के विश्वास ने क्षेत्र को नक्सल आतंक की जंजीरों से मुक्त किया। राज्य सरकार वीर शहीद जवानों को अमर जवान ज्योति के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित कर रही है। हम गर्व से कह सकते हैं कि मध्यप्रदेश की धरती अब नक्सलियों से मुक्त है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट में आयोजित कार्यक्रम में नक्सल मुठभेड़ में अदम्य साहस और वीरता का परिचय देने वाले 60 जांबाज जवानों को क्रम से पूर्व पदोन्नति प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बालाघाट पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचने पर सलामी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमर जवान ज्योति पर पुष्प चक्र अर्पित कर प्रदेश की शांति और सुरक्षा के लिए शहीद होने वाले जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बालाघाट जिले के 32 पुलिस स्टेशन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आईएसओ मानकों के अनुसार तैयार बालाघाट जिले के 32 पुलिस स्टेशनों और अन्य शासकीय कार्यालयों का सिंगल क्लिक्स से लोकार्पण किया, इससे संबंधित प्रमाण पत्र भी मंच से प्रदान किए गए। इस अवसर पर पुलिस जवानों ने "वो बांके अलबेले- जो वापस न लौटे- इस मिट्टी के बेटे" गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने "नक्सल संस्मरण" पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका अभिवादन किया गया।कार्यक्रम में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, सांसद श्रीमती भारती पारधी ,पूर्व मंत्री श्री गौरी शंकर बिसेन, एडीजी नक्सल विरोधी अभियान श्री वेंकटेश्वर राव, पुलिस अधीक्षक बालाघाट श्री आदित्य मिश्रा सहित विधायक गण तथा जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित थे।

नक्सल प्रभावित 250 स्कूलों का नवीनीकरण किया गया: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भविष्य में नक्सलियों को इस स्थान पर अपने पैर जमाने के लिए कोई मौका न मिले, इसके लिए राज्य सरकार हर तरह से समुचित प्रबंध कर रही है। बालाघाट जिले में नक्सल प्रभावित 250 स्कूलों का नवीनीकरण किया गया है। स्थानीय नागरिकों के लिए एकल सुविधा केंद्र, जनजातीय समुदायों को वन अधिकार पट्टे, जाति प्रमाण पत्र और रोजगार के लिए शिविरों की शुरुआत की गई है। यह वर्ष कृषि कल्याण के लिए है। अब महाकौशल के बालाघाट में कृषि कैबिनेट आयोजित की जाएगी। नक्सल समस्या के निपटारे के साथ हमने पूर्व मंत्री स्व. श्री लिखीराम कावरे जी की हत्या का बदला लिया है। बालाघाट में अमर जवान ज्योति नक्सल मुक्त अभियान का स्मारक बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस जवानों को नक्सल विरोधी अभियान की सफलता के लिए बधाई दी।

नक्सलियों को खदेड़ा और 4 दुर्दांत नक्सलियों को मार गिराया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह खेद का विषय है कि बालाघाट में कभी तत्कालीन सरकार के मंत्री स्व. लिखीराम कावरे की सरेआम हत्या कर दी गई थी। हमारे लिए यह बड़ी चुनौती थी, क्योंकि मध्यप्रदेश की 836 किलोमीटर लंबी सीमा छत्तीसगढ़ से लगती है। मध्यप्रदेश ने 38 पुलिस जवान और 27 आम नागरिक को खोया है। बाबा महाकाल के आशीर्वाद से राज्य सरकार ने नक्सलवादियों को जड़ से खत्म करने में सफलता प्राप्त की है। सघन जंगल के चुनौतीपूर्ण वातावरण में भी हॉक फोर्स ने मेगाकासो रणनीति बनाकर नक्सलियों को खदेड़ा और 4 दुर्दांत नक्सलियों को मार गिराया गया। पिछले वर्ष की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक 4104 नक्सल विरोधी अभियान संचालित किए गए, मानसून और जंगली जानवरों की चुनौतियों के बावजूद भी अभियान जारी रहे। हमारी फोर्स ने 2025 में अब तक के 10 सर्वाधिक हार्ड कोर नक्सलियों को ढेर किया है। नक्सलियों से कहा गया था कि सरेंडर करो या मारे जाओगे, पुलिस ने राज्य सरकार की इस चेतावनी को सार्थक कर दिखाया।

बालाघाट जिले के गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ा

स्कूल शिक्षा, परिवहन एवं जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि आज बालाघाट जिले के लिए ऐतिहासिक और अविस्मरणीय दिन है, मध्यप्रदेश की धरती नक्सल समस्या से मुक्त हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में सरकार, पुलिस और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने एक साथ मिलकर कार्य किया। इसी का परिणाम है कि नक्सल अभियान को पूर्णाहूति दी जा रही है। बालाघाट जिले के गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ा जा रहा है। जिले में विकास के अनेकों कार्य हुए हैं। लगभग 3 दशकों तक संघर्षशील रहने वाले पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को नमन है। नक्सल समस्या एक बुरा सपना है, जो कभी लौटकर न आए, इस बात का विशेष ध्यान रखना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए निरंतर सक्रिय हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में आतंकियों के विरुद्ध हुई कार्रवाई के बेहतर परिणाम सामने आए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नक्सलियों से सरेंडर करने का आह्वान किया था। हॉक फोर्स की दृढ़ इच्छा शक्ति से मध्यप्रदेश समय सीमा से पहले नक्सल मुक्त हो चुका है।

हॉक फोर्स ने 882 पदों को स्वीकृत कराया

एडीजी, नक्सल विरोधी अभियान श्री वेंकटेश्वर राव ने कहा कि देश भक्ति और जनसेवा हमारा संकल्प है। नक्सल विरोधी अभियान में अब तक 38 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। उन्होंने पिछले कुछ महीने पहले हुए इंस्पेक्टर आशीष शर्मा के बलिदान को नमन किया। राज्य सरकार ने हॉक फोर्स ने 882 पदों को स्वीकृत कराया है। बालाघाट जिला नक्सल मुक्त हो चुका है। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक बालाघाट के मार्गदर्शन में सामाजिक सहयोग से जिले में शांति बहाली के लिए कार्य जारी हैं।

अब रोजगार-विश्वास और शिक्षा का शंखनाद

पुलिस अधीक्षक बालाघाट श्री आदित्य मिश्रा ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को आवश्वस्त किया कि जहां बंदूक की गोलियां गूंजती थीं वहां अब रोजगार-विश्वास और शिक्षा का शंखनाद होगा। उन्होंने कहा कि आज का दिन गौरव से परिपूर्ण है। पैंतीस वर्ष पुरानी नक्सल चुनौती को 31 मार्च 2026 की डेडलाइन से पहले ही जड़ से खत्म कर दिया गया है। नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में अदम्य साहस का परिचय देने वाले हॉक फोर्स के 60 जवानों को क्रम से पूर्व पदोन्नति प्रदान की। आज नक्सल मुठभेड़ में अदम्य साहस और वीरता का परिचय देने वाले 60 जांबाज जवानों को क्रमोन्नति के रूप में पूर्व पदोन्नति मिली है। नक्सल उन्मूलन की लड़ाई में शामिल युवकों को शासकीय नौकरी प्रदान की जा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा आरंभ विद्यांजलि अभियान के अंतर्गत नक्सल प्रभावित इलाके के 280 से अधिक स्कूलों को सामाजिक सहयोग से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने का काम जारी है।

माननीय मुख्यमंत्री के सोशल मीडिया हैंडल्स

मध्यप्रदेश में नक्सलवाद खत्म, विकास की राह पर चल रहे युवा : मुख्यमंत्री

- *कई नक्सली अब विकास की मुख्यधारा से जुड़कर तरक्की की राह पर चल रहे हैं।*
- *मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस जवानों को नक्सल विरोधी ऑपरेशन की सफलता पर दी बधाई*

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की धरती को नक्सल गतिविधियों से मुक्त करने के लिए राज्य पुलिस बल का अभियान पूर्णतः सफल रहा है । उन्होंने कहा कि मंडला जिले में नक्सली गतिविधियों में संलिप्तों के साथ हुई मुठभेड़ में हमारे हॉकफोर्स के जवानों ने 14-14 लाख रुपए की इनामी 2 महिला नक्सली को मार गिराया है। मृतक नक्सली की शिनाख्त प्रतिमा और ममता नाम से हुई है। इनके कब्जे से हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद भी जब्त किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को दिये संदेश में नक्सलवाद के खात्मे पर पुलिस जवानों का हौसला बढ़ाया और उन्हें बधाई दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हिंसक गतिविधियों के खिलाफ राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति पर प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में नक्सलवाद का जड़ से सफाया हो गया है। मध्यप्रदेश की पावन धरा में नक्सलियों के लिए कोई स्थान नहीं है।

राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ की सख्ती

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि रतलाम जिले में स्पेशल पुलिस फोर्स द्वारा फिरोज नामक एक वांछित आतंकी की गिरफ्तारी की गई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर रही है।

प्रदेश में अब नक्सलवाद नहीं विकास की नई गाथा लिखने में जुटे हैं युवा: मुख्यमंत्री डॉ.यादव

रास्ते से भटकर नक्सलवादी बने,फिर उन्हे सरकार पर भरोसा हुआ और बंदूक छोड़कर विकास में भागीदार बने

भोपाल। मध्यप्रदेश अब नक्सलवाद के कलंक से मुक्त हो गया है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की दूरदृष्टि और उनकी कुशल रणनीती को मप्र में अमलीजामा पहनाकर इसमें कामयाबी मिली है। राज्य के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्री शाह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज उनके मार्गदर्शन के चलते प्रदेश नक्सलवाद से मुक्त हो गया है। आज गर्व के साथ कहते हुए खुशी हो रही है कि अब राज्य रास्ते से भटके युवक अपने रोजगार, शिक्षा और समाज सेवा में भी आगे आ रहे हैं। अब उनका परिवार भी खुश है और बच्चों की शिक्षा में भी भागीदारी बढ़ी है। इस खुशहाली के पीछे उन शहीदों को भी श्रेय दिया जाना चाहिए जिन्होंने नक्सलियों लोहा लेते हुए अपनी जान न्यौछावर कर दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण युवा अब सरकारी प्रयासों की सराहना करते हुए कहते हैं कि भूले थे अब घर लौटे हैं जीवन बदल गया है।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश से लगभग 35 साल पुरानी नक्सलवाद की गंभीर समस्या को जड़ से समाप्त किया
- नक्सलवादियों ने कांग्रेस की सरकार के समय एक मंत्री की भी निर्मम हत्या की थी
- हॉक फोर्स के वीर जवानों की भूमिका अभिनंदन के योग्य
- बालाघाट की अमर जवान ज्योति नक्सल मुक्त अभियान का स्मारक
- कृषि कल्याण वर्ष में बालाघाट में होगी कृषि कैबिनेट
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नक्सल मुठभेड़ में अदम्य साहस और वीरता का परिचय देने वाले 60 जांबाज जवानों को दी क्रम से पूर्व पदोन्नति

- बालाघाट जिले के 32 पुलिस स्टेशन एवं शासकीय कार्यालयों को मिला आईएसओ सर्टिफिकेशन
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया नक्सल संस्मरण पुस्तक का विमोचन
- मध्यप्रदेश ने नक्सल विरोधी अभियान में 38 पुलिस जवान और 27 आम नागरिक को खोया है

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमर जवान ज्योति पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की
- मध्यप्रदेश की जमीन पर नक्सलवादी भविष्य में पैर न जमा पाएं इसके लिए समुचित प्रबंध किए जा रहे हैं

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट पुलिस लाइन में किया कार्यक्रम को संबोधित
- जहां बंदूकें गूंजती थीं, वहां अब रोजगार -विश्वास और शिक्षा का शंखनाद होगा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव को म. प्र. पुलिस की ओर से बालाघाट पुलिस अधीक्षक ने किया आश्वस्त

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संबोधन सुनने के लिए स्कैन करें

D-16159/25

चांद के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में एक बहुत सुरक्षित लैंडिंग की जगह खोज ली है

चंद्रयान-4 के लिए खुशखबरी-चांद पर सबसे सुरक्षित लैंडिंग होगी और मिट्टी के साथ चट्टानों के नमूने भी आएंगे भारत, रिसर्च को लगेंगे पंख

एजेंसी ▶▶ श्रीहरिकोटा

इसरो ने चंद्रयान-4 मिशन के लिए जिस स्थान को चुना है, वह साधारण जगह नहीं बल्कि चंद्र सतह का बेहद महत्वपूर्ण इलाका है। साउथ पोल के निकट स्थित मॉन्स माउटन लगभग 6,000 मीटर ऊंचा पहाड़ है, जिसकी चोटी अपेक्षाकृत सपाट है और यही विशेषता इसे लैंडिंग के लिए उपयुक्त बनाती है। लंबे समय तक सूर्य की रोशनी, अपेक्षाकृत सुरक्षित भूभाग और संभावित वॉटर आइस की मौजूदगी इसे वैज्ञानिकों के लिए और भी आकर्षक बनाती है। लैंडिंग साइट की खोज में चंद्रयान-2 ऑर्बिटर एक बार फिर इसरो के लिए 'आई इन द स्काई' साबित हुआ। ऑर्बिटर हाई रेजोल्यूशन कैमरा द्वारा ली गई 32 सेंटीमीटर प्रति पिक्सल की सूक्ष्म तस्वीरों ने वैज्ञानिकों को छोटे क्रेटर, ढलान, बोल्डर और सतही संरचना को बेहद विस्तार से समझने में मदद की। यही विश्लेषण लैंडिंग साइट के चयन में निर्णायक साबित हुआ। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-4 मिशन के लिए चांद के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में एक बहुत सुरक्षित लैंडिंग जगह खोज ली है।

इस जगह को खोजने के लिए इसरो के स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर से ली गई हाई रिज़ॉल्यूशन तस्वीरों की स्टडी की। मॉन्स मूटन नाम के पहाड़ के पास 1 वर्ग किलोमीटर का एक पैच सबसे अच्छा बताया गया है। यह भारत का पहला लूनर सैंपल रिटर्न मिशन होगा, यानी चांद से मिट्टी और पत्थर लाकर पृथ्वी पर वापस लाना।

पहली बार चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के नमूने पृथ्वी पर लेकर आएगा

हाई-रिजोल्यूशन तस्वीरें गड्ढों, पत्थरों और ढलानों को बहुत साफ दिखाती हैं

लैंडिंग ही नहीं, सैंपल भी लेकर लौटेगा चंद्रयान-4

2104 करोड़ रुपये लागत वाला चंद्रयान-4 केवल चंद्रमा पर उतरकर वैज्ञानिक अध्ययन ही नहीं करेगा, बल्कि पहली बार चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के नमूने पृथ्वी पर लेकर आएगा। यह मिशन इसरो के सबसे जटिल और चुनौतीपूर्ण अभियानों में से एक है। दो अलग-अलग रॉकेट-एलवीएम-3 और पीएसएलवी-अपने अपने मॉड्यूल लेकर प्रक्षेपित होंगे। एक स्टैक उत्खनन और संग्रहण का कार्य करेगा, जबकि दूसरा सैंपल को पृथ्वी तक सुरक्षित वापसी के लिए आवश्यक मॉड्यूल लेकर जाएगा।

भारत के अंतरिक्ष विज्ञान का ऐतिहासिक कदम

चंद्रयान-4 सिर्फ एक मिशन नहीं, बल्कि भारत के अंतरिक्ष विज्ञान की नई उड़ान का प्रतीक है। चंद्र सतह से सैंपल लाकर अध्ययन करना वैज्ञानिक खोजों के बिल्कुल नए क्षितिज खोलेगा। यह मिशन न केवल इसरो की तकनीकी क्षमता का प्रमाण होगा, बल्कि मानवता के चंद्र अध्ययन के इतिहास में भी एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ेगा।

क्या फायदा?

ये हाई-रिजोल्यूशन तस्वीरें गड्ढों, पत्थरों और ढलानों को बहुत साफ दिखाती हैं। इससे सटीक लैंडिंग का फैसला आसान होता है। अगर लैंडिंग साइट सिलेक्शन कमेटी मंजूरी देती है, तो यही जगह चंद्रयान-4 की लैंडिंग के लिए चुनी जाएगी। यह अध्ययन दिखाता है कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम कितना आगे बढ़ चुका है। चंद्रयान-4 सफल हुआ तो भारत चांद के रहस्यों को और करीब से समझ सकेगा। दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ भी हो सकती है, जो भविष्य के मिशनों के लिए जरूरी है। इसरो की यह तैयारी भारत को अंतरिक्ष की महाशक्ति बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

खबर संक्षेप

नाइजीरिया में ट्रक हादसे में 30 लोगों की मौत

कानो (नाइजीरिया)। उत्तरी नाइजीरिया में एक ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। प्राधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

कानो के गवर्नर के कार्यालय के एक बयान के अनुसार, लापरवाही से वाहन चला रहे ट्रक चालक ने कानो के गेजावा स्थानीय सरकारी क्षेत्र के क्वानार बार्डे कस्बे में एक राजमार्ग पर ट्रक से नियंत्रण खो दिया जिससे कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई।

हमास के एक सहयोगी को किया गिरफ्तार

बेरूत। दक्षिणी लेबनान में सोमवार तड़के एक अभियान में इजराइली सेना ने फलस्तीनी चरमपंथी समूह हमास के एक सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया। इजराइली सेना और लेबनान की मीडिया ने यह जानकारी दी।

लेबनान की मीडिया के मुताबिक गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का संबंध एक स्थानीय सुन्नी इस्लामिक समूह से भी था। इजराइली सेना पूछताछ के लिए उसे इजराइल ले गई। इजराइली ड्रोन ने कार पर हमला किया था।

पैकेज से सेशेल्स के विकास को मिलेगी मजबूती

सेशेल्स के लिए भारत ने दिखाया बड़ा दिल 17.5 करोड़ डॉलर के 'पैकेज' का ऐलान

पीएम मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रपति हर्मिनी के साथ व्यापक बातचीत की जिसके बाद भारत ने सहायता के रूप में 17.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर देने की घोषणा की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सेशेल्स के लिए 175 मिलियन अमेरिकी डॉलर के एक स्पेशल इकोनॉमिक पैकेज की घोषणा की, ताकि सोशल हाउसिंग, ई-मोबिलिटी, वोकेशनल ट्रेनिंग, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहित प्रमुख क्षेत्रों में प्रोजेक्ट्स को सपोर्ट किया जा सके। प्रधानमंत्री मोदी ने यह ऐलान दिल्ली में सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकास साझेदारी भारत-सेशेल्स संबंधों का एक मजबूत स्तंभ रहा है, जिसमें सभी पहल सेशेल्स की प्राथमिकताओं और जरूरतों के हिसाब से हैं। उन्होंने कहा कि यह विशेष आर्थिक पैकेज ठोस, लोगों पर केंद्रित प्रोजेक्ट्स को सपोर्ट करेगा और रोजगार और स्किल-ट्रेनिंग के मौके पैदा करेगा, खासकर सेशेल्स के युवाओं के लिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति हर्मिनी की यह यात्रा एक महत्वपूर्ण समय पर हो रही है, क्योंकि भारत और सेशेल्स अपने राजनयिक संबंधों के 50 साल पूरे कर रहे हैं, और उन्होंने विश्वास जताया कि यह मील का पत्थर दोनों देशों को अपनी साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रेरित करेगा। हमारे सभी प्रयास सेशेल्स की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं पर आधारित रहे हैं। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए, आज हम 17.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का एक विशेष आर्थिक पैकेज घोषित करने जा रहे हैं। दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और सेशेल्स न केवल कूटनीति से, बल्कि हिंद महासागर से भी जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार बढ़ा है, संस्कृतियां मिली हैं, और साझा इतिहास, विश्वास और भविष्य के लिए एक साझा दृष्टिकोण के कारण समय के साथ संबंध मजबूत हुए हैं।

भारत-सेशेल्स के राजनयिक संबंधों के 50 साल पूरे | दोनों देशों में समय के साथ संबंध मजबूत हुए हैं

दोनों देशों का रिश्ता जमीन से समुद्र तक

दोनों देशों के लोगों के संबंधों पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सेशेल्स में भारतीय समुदाय ने देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, साथ ही पीढ़ियों से द्विपक्षीय संबंधों को भी मजबूत किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक विश्वसनीय समुद्री पड़ोसी और भारत के महासागर विजन के एक अभिन्न अंग के रूप में सेशेल्स के महत्व पर भी जोर दिया, और कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग जमीन, पानी और समुद्र तक फैला हुआ है।

राष्ट्रपति की पहली भारत यात्रा

राष्ट्रपति हर्मिनी रविवार को चेन्नई और मुंबई में अपने कार्यक्रमों को पूरा करने के बाद नई दिल्ली पहुंचे। अक्टूबर 2025 में पद संभालने के बाद यह उनकी भारत की पहली यात्रा है और यह दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्वर्ण जयंती के साथ हो रही है।

मुंबई और चेन्नई में निवेश पर चर्चा

राष्ट्रपति हर्मिनी का यह दौरा केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि पूरी तरह से बिजनेस सेंट्रिक भी रहा है। दिल्ली पहुंचने से पहले उन्होंने चेन्नई और मुंबई में समय बिताया, जहां उन्होंने गवर्नेंस, इंडस्ट्री और कोस्टल मैनेजमेंट से जुड़े प्रमुख स्टेकहोल्डर्स के साथ मुलाकात की। पिछले साल अक्तूबर में पदभार संभालने के बाद यह उनका पहला भारत दौरा है, जो पांच दिनों तक चलेगा। रविवार को दिल्ली पहुंचने पर उनका औपचारिक स्वागत किया गया था और सोमवार को उन्होंने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बातचीत

इससे पहले, दोनों नेताओं ने हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बातचीत की। अपनी यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति हर्मिनी ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी दी। वहीं एक्स पर जानकारी साझा करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि महात्मा गांधी के सिद्धांत भारत-सेशेल्स साझेदारी का मार्गदर्शन और प्रेरणा देते रहेंगे।

विजन 'सागर' और रणनीतिक महत्व

बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर और विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी मौजूद रहे। सेशेल्स हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के 'विजन सागर' का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। राष्ट्रपति हर्मिनी के साथ बैठक के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि एक समुद्री पड़ोसी के रूप में, सेशेल्स का समर्थन इस क्षेत्र की आर्थिक समृद्धि और सुरक्षा के लिए बेहद मूल्यवान है।

थर्ड पार्टी के जरिए डील, मिलेगी छूट

भारत ने वेनेजुएला को दिया तेल का पहला बड़ा ऑर्डर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका के साथ 'ट्रेड डील' के बाद भारत ने ग्लोबल एनर्जी मार्केट में एक बड़ा दांव खेला है। रिपोर्टस के मुताबिक, भारत की सरकारी रिफाइनरी कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने वेनेजुएला से 20 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदने का सौदा किया है। इसे एक बड़ा फैसला माना जा रहा है। सबसे बड़ी बात तेल पर भारत को बड़ी छूट मिलने की बात कही जा रही है। लेकिन यह डील थर्ड पार्टी के जरिए हुई है ऐसा क्यों है? रिपोर्ट के अनुसार, यह सौदा ट्रेड फर्म ट्रैफिगुरा के जरिए हुआ है। कुल 20 लाख बैरल कच्चे तेल में से आईओसी ने 15 लाख बैरल और एचपीसीएल ने 5 लाख बैरल लिए हैं। यह पहली बार है जब एचपीसीएल ने वेनेजुएला से कच्चा तेल खरीदा है। यह तेल अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में एक वेरी लार्ज क्रूड कैरियर के जरिए भारत के पूर्वी तट पर पहुंचेगा। भारत ने वेनेजुएला से सीधे तेल न खरीदकर ट्रैफिगुरा जैसे ट्रेडर्स के जरिए सौदा कयिा है। इसके पीछे बड़ी वजह बताई जा रही है। एक्सपर्ट का कहना है कि अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के बाद चुनिंदा ट्रेडर्स जैसे विटोल और ट्रैफिगुरा को ही तेल बेचने का विशेष लाइसेंस दिया है। सीधे सौदे में भुगतान और शिपिंग पर अमेरिकी प्रतिबंधों की तलवार लटकी रहती है। मध्यस्थ के जरिए लेनदेन करने पर भारतीय कंपनियों को कानूनी और वित्तीय जोखिम नहीं उठाना पड़ता। सीधे वेनेजुएला को डॉलर में भुगतान करना मुश्किल है, जबकि ग्लोबल ट्रेडर्स के जरिए अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सिस्टम में पैसा देना आसान और सुरक्षित है।

कितना सस्ता कितना महंगा

वेनेजुएला का कच्चा तेल दुबई बेंचमार्क के आधार पर खरीदा गया है। माना जा रहा है कि 6.50 से 7 डॉलर प्रति बैरल की छूट सरकारी कंपनियों को मिल सकती है। तकरीबन इतनी ही छूट भारत को रूसी तेल पर भी मिल रही थी। खास बात यह है कि विटोल और ट्रैफिगुरा को अमेरिका से वेनेजुएला का तेल बेचने का विशेष लाइसेंस मिला हुआ है। भारत ने आधिकारिक तौर पर रूसी तेल बंद करने की घोषणा नहीं की है, लेकिन वेनेजुएला से ये बड़ी खरीद साफ संकेत दे रही है कि भारत अब अमेरिका को नाराज किए बिना अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने का 'प्लान-बी' तैयार कर चुका है।

कश्मीरी कैदी ने नुकीली चीज से किया वार

फरीदाबाद जेल में अयोध्या पर हमले की साजिश रचने वाले आतंकी की हुई हत्या

एजेंसी ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद से एक बड़ी घटना सामने आई है, जहां जिला जेल में बंद आतंकी आरोपी अब्दुल रहमान की हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार, यह हमला रविवार रात उस समय हुआ जब कश्मीर निवासी कैदी अरुण चौधरी ने नुकीली चीज से उसके सिर पर कई वार किए।

हमले के तुरंत बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और घायल अब्दुल रहमान को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक अब्दुल रहमान की उम्र 20 साल थी और वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के

अयोध्या जिले के मिल्कीपुर का रहने वाला था। उसे 2 मार्च 2025 को गुजरात और हरियाणा एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में फरीदाबाद के पाली गांव के पास से गिरफ्तार किया गया था।

उसकी गिरफ्तारी के समय उसके पास से दो हैंड ग्रेनेड बरामद हुए थे, जिन्हें बाद में सुरक्षा एजेंसियों ने सफलतापूर्वक डिफ्यूज़ किया। जांच में यह भी सामने आया था कि अब्दुल रहमान अयोध्या में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में था। उसके फोन से मिले कुछ वीडियो और डेटा में राम मंदिर से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण लोकेशन, रास्ते और गतिविधियों की जानकारी मिलने का दावा किया गया था। जेल प्रशासन ने बताया कि आरोपी अरुण चौधरी और अब्दुल रहमान एक ही बैरक में बंद थे।

दोनों के बीच विवाद कैसे शुरू हुआ, इसे लेकर फिलहाल जांच जारी है। हमले में इस्तेमाल नुकीली चीज कहां से आई, इस पर भी सवाल उठ रहे हैं। फरीदाबाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी अरुण चौधरी से सख्त पूछताछ की जा रही है।

वाटसएप-मेटा गोपनीयता नीति मामला

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई 23 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को वाटसएप-मेटा गोपनीयता नीति मामले की सुनवाई 23 फरवरी, 2026 तक के लिए स्थगित कर दी। यह मामला सोमवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था। पीठ के समक्ष मौखिक सुनवाई के दौरान, एक वकील ने बताया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल अस्वस्थ हैं और उन्होंने पीठ से मामले को स्थगित करने का अनुरोध किया। भारत में मेटा और वॉटसएप को न्यायिक अल्टीमेटम का सामना क्यों करना पड़ रहा है? सुप्रीम कोर्ट तकनीकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों मेटा प्लेटफॉर्म्स और वाटसएप की उन अपीलों पर सुनवाई कर रहा है, जिनमें

सीसीआई के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें उनकी गोपनीयता नीति को लेकर उन पर 213.14 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। 3 फरवरी, 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह इंस्टेंट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म कंपनी मेटा को भारत में लाखों मूक उपभोक्ताओं" के निजता के अधिकार का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं देगा।

एपस्टीन फाइल्स-10 देशों में इस्तीफे, 80 लोगों की जांच

यूएस से यूरोप तक असर, राजनेताओं और अरबपतियों,शाही परिवारों तक पहुंची जांच

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

अमेरिका में यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े सीक्रेट दस्तावेज सामने आते ही दुनिया भर में हड़कंप मच गया है। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने करीब 30 लाख पेज के डॉक्यूमेंट्स 30 जनवरी को जारी किए हैं।

इसके बाद 10 देशों में 15 से ज्यादा बड़े अधिकारियों को पद छोड़ना पड़ा है। 80 से ज्यादा ताकतवर लोगों पर जांच चल रही है। एपस्टीन खुलासे के बाद सबसे ज्यादा हड़कंप यूरोप में है। सबसे ज्यादा ब्रिटेन में 3 अधिकारियों को पद छोड़ना पड़ा। पूर्व राजदूत पीटर मैंडेलसन, सलाहकार एडम पेरी

और पीएम कीर स्टार्मर के चीफ ऑफ स्टाफ मॉर्गन मैकस्वीनी ने इस्तीफा दिया। स्लोवाकिया में पूर्व विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मीरोस्लाव लाइचाक ने 300 से अधिक ईमेल और आपत्तिजनक चैट सामने आने पर इस्तीफा दिया। स्वीडन की सीनियर डिप्लोमेट जोआना रुबिनस्टीन ने पद छोड़ा। नॉर्वे की राजदूत मोना जूल, अमेरिका में लेबर मिनिस्टर एलेक्स एकोस्टा और एमआईटी लैब प्रमुख जोइची इतो ने इस्तीफा दिया।एपस्टीन फाइल्स कई देशों की सरकारों के लिए कूटनीतिक और राजनीतिक शर्मिंदगी का कारण बन गईं। सरकारों ने जांच के आदेश दिए हैं। ब्रिटिश पीएम स्टार्मर को माफी मांगनी पड़ी, जबकि प्रिंस एंड्रयू के खिलाफ ब्रिटिश पुलिस ने नई फाइलों के आधार पर 'फ्रेश रिव्यू' शुरू किया। नॉर्वे में राजदूत मोना जुएल को निलंबित किया गया और पूर्व पीएम थोरबजॉर्न जगलैंड के खिलाफ भ्रष्टाचार जांच शुरू हुई। सीनियर डिप्लोमेट तेर्झे रोड-लार्सन पर भी जांच चल रही है। फ्रांस में पूर्व मंत्री जैक लैंग को आधिकारिक समन जारी हुआ।

दोहरा चेहराः एक तरफ कहते हैं हम डरने वाले नहीं, दूसरी तरफ बंकर में छिप रहे

हमारी नीतियां तय करने वाला अमेरिका कौन?

ईरान ने कहा-हम डरने वाले नहीं, यूरेनियम संवर्धन प्रोग्राम किसी भी हाल में नहीं छोड़ेंगे

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान ने अमेरिका के दबाव को सख्ती से खारिज करते हुए कहा है कि वो अपना यूरेनियम संवर्धन (यूरेनियम इनरिचमेंट) प्रोग्राम किसी भी हाल में नहीं छोड़ेगा, चाहे उसे सैन्य धमकियां मिलें या नए प्रतिबंध लगाए जाएं। तेहरान में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान को डराकर उसकी परमाणु नीति नहीं बदली जा सकती और अमेरिका की मंशा पर हमें भरोसा नहीं है। यह बयान ऐसे समय आया है जब कई सालों बाद ईरान और अमेरिका के बीच ओमान में बातचीत फिर से शुरू हुई है। ईरान चाहता है कि उस पर लगे कड़े आर्थिक प्रतिबंध हटें, जबकि अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर रोक चाहता है।

अराघची ने साफ कहा कि यूरेनियम संवर्धन ईरान के लिए किसी भी हालत में समझौते का मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी देश को यह अधिकार नहीं है कि वह ईरान को बताए कि उसे क्या करना चाहिए, भले ही युद्ध की धमकी क्यों न दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य तैनाती, जैसे कि यूएसएस अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर की मौजूदगी, ईरान को डराने में नाकाम रहेगी।

अराघची

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका पर भरोसा करना मुश्किल है और यह साफ नहीं है कि वाशिंगटन सच में डिप्लोमेटिक हल चाहता भी है या नहीं।

ट्रंप की धमकियों के बीच 37 साल पुरानी परंपरा तोड़ी

अमेरिकी हमले के डर से अंडरग्राउंड होने को मजबूर ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई

अमेरिका ने ईरान पर दबाव बढ़ा दिया है। एक तरफ तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खाड़ी में अमेरिका की सैन्य ताकत को बढ़ा दिया है। वहीं दूसरी तरफ परमाणु वार्ता करने के लिए मजबूर कर दिया है। ऐसे में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने कथित तौर पर ईरानी वायु सेना कमांडरों के साथ हर साल 8 फरवरी को होने वाली बैठक में भाग न लेकर अपनी 37 साल पुरानी परंपरा को तोड़ दिया है।

खामेनेई

माना जा रहा है कि अमेरिकी हमले के डर से खामेनेई अंडरग्राउंड हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, खामेनेई ने 1989 में नेतृत्व संभालने के बाद से हर साल इस वार्षिक बैठक में भाग लिया है। यहां तक कि जब कोरोना महामारी आई थी, उस दौरान भी खामेनेई इसमें शामिल हुए थे। हर साल ईरान में 8 फरवरी को वायु सेना कमांडरों की बैठक होती है। यह दिन 8 फरवरी 1979 की वर्षगांठ का प्रतीक है, जब ईरान वायु सेना अधिकारियों के एक समूह ने पहलवी राजवंश को उखाड़ फेंकने के लिए रुहोल्लाह खुमैनी के प्रति निष्ठा की प्रतिज्ञा की थी। खुमैनी ही इस्लामिक गणराज्य के संस्थापक थे और खामेनेई के पहले ईरान के सुप्रीम लीडर थे। इन चार दशकों में, 8 फरवरी का यह दिन एक प्रतीक बन गया। इसी दिन वायु सेना के कर्मी और कमांडर हर साल ईरान के सुप्रीम लीडर से मिलते थे। इस साल खामेनेई के बजाय सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ अब्दोलरहीम मौसवी ने रविवार को सेना वायु सेना के कमांडरों से मुलाकात की।

दौरे को लेकर भड़का विवाद

बॉन्डी बीच हमले के बाद यहूदियों से मिलने पहुंचे इजराइली राष्ट्रपति

एजेंसी ▶▶ सिडनी

इजराइली के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग सोमवार सुबह ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर पहुंचे। उनका यह चार दिन का दौरा खास तौर पर पिछले साल दिसंबर में बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले के बाद ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले यहूदी समुदाय के प्रति समर्थन दिखाने के लिए है। हालांकि, फलस्तीनियों को लेकर इजराइली की नीतियों के कारण इस यात्रा को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया है। मीडिया से बातचीत में हर्जोग ने कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया के अलग-अलग हिस्सों में यहूदी समुदाय से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका मकसद हमले के बाद समुदाय के साथ एकजुटता दिखाना और उन्हें हौसला देना है।

बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के गवर्नर-जनरल और प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर आए राष्ट्रपति हर्जोग अपने दौरे के दौरान यहूदी समुदाय के नेताओं से मिलेंगे और बड़े सामुदायिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। नकी ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात होने की संभावना है। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया में इस्राइली राष्ट्रपति के दौरे को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया है।

कांग्रेस ने 15 को तो भाजपा ने 16 को बुलाई विधायक दल की बैठक

बजट सत्र से पहले सियासी घमासानः कांग्रेस-भाजपा की रणनीतिक बैठकें जारी, सदन में जनता के मुद्दों पर टकराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र से पहले प्रदेश की राजनीति पूरी तरह गरमा गई है। सत्तारुढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस, दोनों ही दल आगामी सत्र को लेकर अपनी-अपनी रणनीति को धार देने में जुट गए हैं। जनता से जुड़े मुद्दों, खासकर कफ सिरप कांड जैसे संवेदनशील मामलों को लेकर सदन के भीतर तीखी बहस के संकेत पहले ही मिल रहे हैं। कांग्रेस ने बजट सत्र की तैयारी को लेकर 15 फरवरी को विधायक दल की अहम बैठक बुलाई है। यह बैठक नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के नेतृत्व में होगी, जिसमें सभी कांग्रेस विधायक शामिल होंगे।

बैठक में यह तय किया जाएगा कि बजट सत्र के दौरान सरकार को किन मुद्दों पर और किस रणनीति के तहत घेरा जाए। कांग्रेस का स्पष्ट रुख है कि वह महंगाई, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों को प्राथमिकता देगी।

सदन के भीतर मांगेगी कांग्रेस जवाब

विशेष रूप से छिंदवाड़ा कफ सिरप कांड को लेकर कांग्रेस सरकार से सदन के भीतर जवाब मांगेगी। पार्टी का कहना है कि इस मामले में जवाबदेही तय होनी चाहिए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि बजट सत्र जनता की आवाज उठाने का सबसे बड़ा मंच है और इसे पूरी मजबूती से इस्तेमाल किया जाएगा।

फाइल फोटो।

16 फरवरी को भाजपा की मुख्यमंत्री आवास में बैठक

दूसरी ओर, कांग्रेस की आक्रामक तैयारी को देखते हुए भाजपा भी अलर्ट मोड में आ गई है। 16 फरवरी को भाजपा विधायक दल की बैठक मुख्यमंत्री आवास में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में मुख्यमंत्री समेत वरिष्ठ मंत्री और विधायक शामिल होंगे। बैठक में विपक्ष के संभावित सवालों, सरकार की उपलब्धियों और सत्र के दौरान अपनाई जाने वाली रणनीति पर चर्चा की जाएगी। भाजपा की कोशिश रहेगी कि विपक्ष के हमलों का तथ्यों के साथ जवाब दिया जाए और सरकार की योजनाओं को मजबूती से सदन में रखा जाए।

अधिकारी भी रहेंगे करवाई के दौरान मौजूद

इधर, विधानसभा सचिवालय ने भी बजट सत्र को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। सचिवालय ने सभी विभागों को विधायकों के सवालों के संबंध में पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं कि हर सवाल का जवाब समय पर और अनिवार्य रूप से तैयार रखा जाए। सत्र के दौरान सभी संबंधित विभागों के अधिकारी सदन में मौजूद रहेंगे, ताकि किसी भी प्रश्न का तुरंत जवाब दिया जा सके।

खर्च चलाने के लिए आएगा अनूपूरक बजट

बजट सत्र 16 फरवरी से शुरू हो रहा है। शुरुआत में वित्त मंत्री द्वारा अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा, जिसके बाद प्रदेश सरकार का मुख्य बजट सदन के पटल पर रखा जाएगा। ऐसे में साफ है कि यह सत्र सिर्फ आर्थिक नीतियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राजनीतिक रूप से भी काफी गर्म रहने वाला है।

---

20 करोड़ की लागत के वॉटर पार्क का लोकार्पण, विकास कार्यों की लगाई झड़ी

सिंचाई कॉम्पलेक्स के साथ मुख्यमंत्री ने लगाई शहडोल जिले में सौगातों की झड़ी

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शहडोल जिले के धनपुरी में 20 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए वॉटर पार्क के लोकार्पण अवसर पर जिले के लिए सौगातों की झड़ी लगा दी। उन्होंने गीता भवन निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि इसके बन जाने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को लाइब्रेरी और कोचिंग जैसी शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने शहडोल सिंचाई कॉम्पलेक्स निर्माण की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत सोन नदी पर 4 माइक्रो सिंचाई परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। लगभग 2300 करोड़ रुपए की इस योजना से 50 हजार हैक्टेयर सिंचाई का रकबा बढ़ेगा, जिससे 122 गांव को लाभ होगा। डॉ यादव ने जैतपुर को नगर पंचायत बनाने की भी घोषणा की।

उन्होंने कहा कि शहडोल मेडिकल कॉलेज में सीट वृद्धि के संबंध में विभाग से प्रस्ताव प्राप्त होने पर सीट वृद्धि की जाएगी। शहडोल जिले में 160 करोड रुपए लागत से 45 किलोमीटर सड़क निर्माण तथा जैतपुर महाविद्यालय में कला और विज्ञान संकाय के भवन निर्माण की भी उन्होंने घोषणा की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री यादव ने नवीन महाविद्यालय आरंभ करने की घोषणा की। उन्होंने 3 किलोमीटर लंबे मॉडल रोड निर्माण पर भी सहमति प्रदान की।

[जैतपुर बनेगी नगर पंचायत, गीता भवन का निर्माण होगा]

खास बातें

- नए महाविद्यालय और सड़क निर्माण की घोषणा की
- 50 हजार हैक्टेयर सिंचाई का रकबा बढ़ेगा, जिससे 122 गांव को लाभ होगा

योजनाओं का लोकार्पण करते सीएम।

देश-प्रदेश में बह रही विकास की गंगा

कार्यक्रम में मौजूद सांसद हिमाद्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में देश-प्रदेश में विकास की गंगा बह रही है। इसी का परिणाम है कि धनपुरी को मिनी ओलंपिक के मापदंड पर आधारित स्विमिंग पूल की सौगात मिली है। विधायक जय सिंह मरावी ने मुख्यमंत्री डॉ यादव द्वारा क्षेत्र को दी जा रही सौगात के लिए उनका आभार माना। मरावी ने मुख्यमंत्री को क्षेत्र में आवश्यक विकास कार्यों और जन अपेक्षाओं से अवगत कराया। नगर पालिका धनपुरी की अध्यक्ष श्रीमती रविंदर कौर छाबड़ा ने स्वागत भाषण दिया तथा नगर पालिका द्वारा निर्मित वॉटर पार्क और अन्य संचालित गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर नगरीय निकाय तथा पंचायत प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीयजन उपस्थित थे।

माता शबरी की जयंती पर दीं शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सभी को माता शबरी जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि निष्कपट भक्ति, समर्पण और साधना की सर्वोच्च प्रतीक शबरी मैया ने सारा जीवन रघुवर की प्रतीक्षा की। प्रेम में समर्पित इस प्रतीक्षा का फल केवल माता शबरी को ही नहीं मिला बल्कि स्वयं भगवान श्री राम को भी मिला। मनुष्य से मनुष्य का प्रेम ही सनातन संस्कृति की विशेषता है। भगवान श्रीराम और माता शबरी का प्रेम बताता है कि हमारे समाज में जातिवाद के लिए कोई स्थान नहीं है।

माता बहनों के कल्याण के लिए पूरी सरकार समर्पित

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि माता-बहनों के कल्याण के लिए पूरी सरकार समर्पित है इसीलिए लाड़ली बहना योजना सहित महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लखपति दीदी योजना, लखपति ड्रोन दीदी योजना, रजिस्ट्री में माता-बहनों को 2 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। लोकसभा-विधानसभा में भी बहनों को आरक्षण मिलने वाला है। आने वाला समय माता-बहनों का है, हमारी संस्कृति बहनों के आधार पर ही पुष्पित पल्लवित होती रही है।

747.91 करोड़ लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण

भक्तिभाव से शबरी मैया ने बढ़ाया पूरे वनवासी समाज का मानः डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कोल समाज की कुल देवी शबरी मैया हम सबके लिए सदैव आराध्य और वंदनीय हैं। उन्होंने अपने चरित्र एवं सत्कर्मों से पूरे वनवासी और जनजातीय समाज का मान बढ़ाया। भगवान को बेर भी भेंट देने से पहले खुद बेर का मीठापन जांच लेना उनकी भक्ति का उत्कर्ष है।

डॉ यादव रविवार को शहडोल जिले की ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गंधिया स्थित सीतामढ़ी धाम में माता शबरी जयंती पर आयोजित जनजातीय हितग्राही सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सीतामढ़ी परिसर में शबरी मैया की एक सुंदर प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें नमन किया। डॉ यादव ने ग्राम गंधिया से शहडोल जिले के लिए 747 करोड़ 91 लाख रुपए की लागत वाले 139 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया। इसमें 613 करोड़ रुपए से अधिक लागत से 79 कार्यों का लोकार्पण तथा 134 करोड़ रूपए से अधिक लागत के 60 कार्यों का भूमि पूजन शामिल है। मुख्यमंत्री ने यहां विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए।

माता शबरी जयंती पर मौजूद सीएम।

जनजातीय वर्ग का कल्याण हमारी प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग का समग्र कल्याण हमारी प्राथमिकताओं में है। प्रदेश में पीएम जन-मन योजना के अंतर्गत 98 करोड़ 30 लाख रुपए और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 401.56 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया जा चुका है। हमारी सरकार ने जनजातीय समाज के नायकों की गौरव गाथाओं को शैक्षिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। डॉ यादव ने ब्यौहारी में 30 बिस्तरीय अस्पताल का निर्माण कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सीतामढ़ी धाम को धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने तथा वन्य जीव पर्यटन गतिविधियों के विकास-विस्तार के लिए क्षेत्रीय संजय डूबरी टाइगर रिजर्व का एक गेट ब्यौहारी की तरफ भी खोलने की घोषणा की।

गंधिया राम वन गमन पथ विकास योजना में शामिल

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि शबरी माता ने बरसों भगवान श्री राम का इंतजार किया। यह एक भक्त के अपने भगवान पर अटूट विश्वास का परिचायक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्री राम आए, शबरी मैया की भक्ति और स्नेह से अत्यंत भावविभोर हुए और उन्हें नवधा भक्ति का ज्ञान देकर मोक्ष भी प्रदान किया। हमारी सरकार ने शबरी मैया और हम सबके आराध्य भगवान श्रीराम की स्तुति के लिए श्री रामचन्द्र पथ गमन न्यास की स्थापना की है। हम प्रदेश में 1450 किमी लंबे राम वन गमन पथ का निर्माण करने जा रहे हैं। चित्रकूट में उन्होंने 11 वर्ष बिताए। ग्राम गंधिया में भी वे 11 रात रहे। इसीलिए गंधिया को भी राम वन गमन पथ विकास योजना में शामिल कर लिया गया है। औद्योगिक विकास केंद्र खोलने की घोषणा मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि क्षेत्र में महुआ और कटहल बहुतायत से होता है। इसीलिए इन दोनों से बनने वाली औषधियों एवं अन्य उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र में उद्योग, रोजगार एवं निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए मुख्यमंत्री ने यहां एक औद्योगिक विकास केंद्र खोलने की घोषणा की।

दृश्य देखकर लोगों में मंचा हड़कंप, वीडिया वायरल

नाले में फंसे युवक को जेसीबी की सहायता से निकाला बाहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पुराने बस स्टैंड के पास एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। नाले में फंसे एक युवक को घंटों की मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया। युवक के हाथ के नाले के स्लैब के नीचे से बाहर निकलने के दृश्य ने स्थानीय लोगों के बीच हड़कंप मचा दिया।

सूचना मिलते ही नगर निगम और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। बचाव अभियान और युवक की पहचान स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, स्थानीय लोगों ने तुरंत नगर निगम और पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही बचाव दल तुरंत हरकत में आ गया। जेसीबी मशीन की सहायता से नाले की स्लैब को तोड़ा गया। काफी जद्दोजहद के बाद, टीम ने युवक को सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता प्राप्त की। बाहर निकाले जाने पर युवक ने अपना नाम रामकुमार चौहान बताया और खुद को जोंधरा क्षेत्र का निवासी बताया। पुलिस की पूछताछ जारी है। हालांकि, युवक को बचा लिया गया है, लेकिन उसके नाले में फंसने की परिस्थितियां अभी भी रहस्य बनी हुई हैं। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान, रामकुमार के जवाब असंतोषजनक और स्पष्ट नहीं थे।

वह बार-बार अपनी बातों को लेकर उलझता रहा, जिससे यह पता लगाना मुश्किल हो रहा है कि वह किस वजह से और कैसे नाले में फंसा था। पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है और युवक से पूछताछ कर यह जानने का प्रयास कर रही है कि यह घटना कैसे और किन परिस्थितियों में हुई। इस घटना का वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है ताकि इस मामले की पूरी सच्चाई सामने आ सके।

यूजीसी के निर्णय के विरोध में करणी सेना ने निकाला मशाल-जुलूस

प्रदर्शन कर रहे करणी सेना के लोग।

कानून वापस लेने की मांग, पुलिस ने राजभवन जाने से रोका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

यूजीसी के निर्णय के विरोध में रविवार को शाम क्षत्रिय करणी सेना ने मशाल जुलूस निकालकर विरोध दर्ज करवाया। जुलूस भारत माता चौराहा से शुरू होकर राजभवन तक जाना था, लेकिन पुलिस ने रास्ते में ही उसे रोक लिया। राज्यपाल को ज्ञापन देने के लिए सिर्फ पांच लोगों को जाने की अनुमति दी गई। प्रदर्शनकारी काला कानून वापस लेने की मांग कर रहे थे। इस प्रदर्शन में सवर्ण समाज के कई संगठन और आम नागरिक भी इसमें शामिल हुए।

- राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने के लिए प्रदर्शन कर रहे केवल पांच लोगों को ही अनुमति प्रदान की गई

जनजातीय परंपराओं पर आधारित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

बस्तर पंडुम 2026 के समापन अवसर पर लालबाग मैदान पहुंचे केन्द्रीय गृहमंत्री शाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम 2026 के समापन अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लालबाग मैदान में आयोजित जनजातीय परंपराओं और संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर जनजातीय समाज के जीवन में उपयोग होने वाले उत्पादों, हस्तशिल्प और कलाओं की जानकारी ली। अमित शाह ने ढोकरा शिल्प, टेराकोटा, वुड कार्विंग, सीसल कला, बांस व लौह शिल्प, जनजातीय वेशभूषा एवं आभूषण, तुम्बा कला, जनजातीय चित्रकला, वन औषधि, स्थानीय व्यंजन तथा लोक चित्रों पर आधारित प्रदर्शनी की सराहना की। उन्होंने कहा कि बस्तर की संस्कृति भारत की आत्मा का जीवंत स्वरूप है।

बस्तर पंडुम संस्कृति को सहने का सशक्त माध्यमः सीएम साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर पंडुम जनजातीय संस्कृति को सहेजने और अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। राज्य सरकार जनजातीय कला, शिल्प और परंपराओं के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बस्तर पंडुम के समापन समारोह में सीएम विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर 45 साल तक नक्सलवाद से प्रभावित रहा। यह केरल से बड़ा है और प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है, फिर भी यह लाल आतंकवाद की चपेट में रहा। जब से हमने दिसंबर 2023 में सरकार बनाई है, सिर्फ दो साल में हमने इस इलाके में शांति लाई है।इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने बस्तर पंडुम की बारह विधाओं की प्रतियोगिता में विजेता दलों से भेंटकर उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम में उप-मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वनमंत्री केदार कश्यप, विधायक किरण सिंह देव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बस्तर पंडुम 2026 संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता

- **जनजातीय नृत्य** : गौर माड़िया नृत्य (बुधराम सोढ़ी, दंतेवाड़ा)
- **जनजातीय गीत** : पालनार दल (मंगली एवं साथी, दंतेवाड़ा)
- **जनजातीय नाट्य** : लेखम लखा (सुकमा)
- **जनजातीय वाद्ययंत्र** : रजऊ मंडली एवं साथी (कोण्डागांव)
- **जनजातीय वेशभूषा** : गुंजन नाग (सुकमा)
- **जनजातीय आभूषण** : सुदनी दुग्गा (नारायणपुर)
- **जनजातीय शिल्प** : ओमप्रकाश गावड़े (कोया आर्ट्स, कांकेर)
- **जनजातीय चित्रकला** : दीपक जुर्री (कांकेर)
- **जनजातीय पेय पदार्थ** : भैरम बाबा समूह (उर्मीला प्रधान, बीजापुर)
- **जनजातीय व्यंजन** : ताराबती (दंतेवाड़ा)
- **आंचलिक साहित्य** : उत्तम नाईक (कोण्डागांव)
- **बस्तर वन औषधि** : राजदेव बघेल (बस्तर)

पत्नी पर फावड़े से हमला कर की वारदात

शादी के 18 साल बाद भी मां नहीं बन पाने से नाराज था आरोपी पति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

जिले में एक डरावनी घटना हुई है, जहां घरेलू झगड़े ने हिंसक रूप ले लिया। बच्चे न होने और पत्नी के कैरेक्टर पर शक के चलते पति ने फावड़े से पत्नी पर हमला कर उसे मार डाला। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गया, लेकिन सोमवार को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। घटना कटघोरा थाना इलाके में हुई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, गायत्री बस्ती, ढेलवाडीह में रहने वाले तुलसी यादव (37) की शादी करीब 18 साल पहले रंजना यादव (35) से हुई थी। शादी के इतने साल बाद भी दोनों के कोई बच्चे नहीं हुए। इसी वजह से पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था। आरोपी पति अपनी पत्नी के कैरेक्टर पर भी शक करता था, जिससे तनाव और बढ़ गया।

मायके से लौटने के बाद जमकर हुआ विवाद

जांच में पता चला कि घटना वाले दिन भी दोनों के बीच पुरानी बातों को लेकर बहस हुई थी। बताया गया कि रंजना हाल ही में ढेलवाडीह मेला देखने अपने मायके गई थी, जहां उसका पति भी पहुंचा था।

सड़क पार कर रहे भालू को मारी टक्कर, मौत

कोरबा। उरगा-पत्थलगांव नेशनल हाईवे सड़क को पार कर रहे जंगली भालू को वाहन ने टक्कर मार दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद कोसाबाड़ी स्थित डिपो में अंतिम संस्कार किया गया। बताया जा रहा है कि उरगा से पत्थलगांव नेशनल हाईवे का निर्माण अभी चल रहा है। इसी मार्ग पर सरदुकला के पास भालू रविवार की रात लगभग आठ बजे सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान भारी वाहन की टक्कर से उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। वहीं इस हादसे के बाद देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। वहीं सूचना मिलते ही रेंजर मृत्युंजय शर्मा के साथ वन विभाग की टीम पशु चिकित्सक डॉक्टर अंकित शुक्ला के साथ मौके पर पहुंचे।

सीहोर से मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, बनारस और प्रयागराज की कनेक्टिविटी

सांसद शर्मा के प्रयासों से दो ट्रेनों के स्टॉपेज अब सीहोर में स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सांसद आलोक शर्मा ने विगत दिनों रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर ट्रेन कनेक्टिविटी को लेकर सीहोर वासियों की मांग को पूरा किया है।

रेल मंत्री वैष्णव ने सांसद शर्मा के प्रस्ताव पर दो महत्वपूर्ण ट्रेनों के स्टॉपेज सीहोर में स्वीकृत किए हैं। उल्लेखनीय है कि इन ट्रेनों के स्टॉपेज हो जाने से सीहोर में पं. प्रदीप मिश्रा की कथा सुनने और कुबेरेश्वर धाम में आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। सीहोरवासियों के द्वारा वनारस, प्रयागराज, अहमदाबाद, मुंबई आदि धार्मिक और व्यापारिक महत्व के इन बड़े शहरों के लिए इन ट्रेनों की मांग काफी लंबे समय से की जा रही थी। सांसद आलोक शर्मा के संज्ञान में जब यह बात लाई गई तो उन्होंने रेल मंत्री से मुलाकात कर आग्रह किया था। जिसे रेल मंत्री ने स्वीकृति दे दी है। दरअसल, जब सांसद आलोक शर्मा सीहोर रेलवे स्टेशन पर विकास कार्यों का निरीक्षण आए थे। उस दौरान स्थानीय जन प्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने प्रयागराज के लिए सीहोर से ट्रेन नहीं होने की समस्या से अवगत कराया था। स्थानीय जनप्रतिनिधियों बताया कि परिवार में जब किसी आत्मीयजन, परिवारजन की मृत्यु हो जाती है तो अस्थि विसर्जन के लिए अस्थि कलश लेकर भोपाल जाना पड़ता है वहां से ट्रेन पकड़नी पड़ती है। सीहोर में ट्रेन का स्टॉपेज हो जाए तो इससे लोगों को बड़ी राहत मिल जाएगी। सांसद आलोक शर्मा ने रेलमंत्री से मुलाकात कर इस समस्या का समाधान किया है।

रेल मंत्री से भेंट करते सांसद शर्मा।

इन ट्रेनों को मिला सीहोर में स्टापेज

- 19489/19490 अहमदाबाद गोरखपुर एक्सप्रेस
- 19091/19092 गोरखपुर-हमसफर एक्सप्रेस

हाईकोर्ट का निर्देश

जलभराव की समस्या पर रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले सुनवाई का दो मौका

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने नगर निगम जबलपुर की उच्च स्तरीय तकनीकी समिति को शहर में जलभराव की समस्या के समाधान हेतु अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले स्थानीय निवासियों और हितधारकों को सुनवाई का अवसर देने का निर्देश दिया है। जस्टिस विवेक अग्रवाल और विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने यह स्पष्ट किया कि प्रस्तावित जल निकासी (नाला) परियोजना के लिए किसी भी निजी भूमि का अधिग्रहण या उपयोग नहीं किया जाएगा।

जबलपुर निवासी निधि पांडे व अन्य की ओर से याचिका दायर कर वत्सला हिल्स व्यू आवासीय कॉलोनी में लगातार जलभराव की समस्या को चुनौती दी गई थी। दरअसल, पूर्व में अधिकारियों ने यह आश्वासन दिया था कि जलभराव को रोकने के लिए सीवर नालियों की गाद निकालने और सफाई तथा सीवर लाइनों से अतिक्रमण हटाने जैसे सक्रिय कदम उठाए जाएंगे। इस पर 3 मार्च, 2025 को हाईकोर्ट ने याचिका का निराकरण कर दिया था। इसके बाद एक हस्तक्षेप

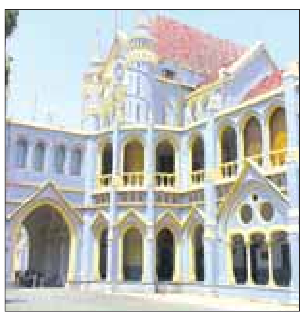

आवेदन पेश किया गया।

निगम की ओर से बताया कि एक उच्च स्तरीय तकनीकी समिति का गठन पहले ही हो चुका है और उसकी रिपोर्ट का इंतज़ार है। रिपोर्ट की सिफारिशों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। हस्तक्षेपकर्ता ने आशंका व्यक्त की कि प्रस्तावित नाला उनकी ज़मीन से सटी हुई भूमि से होकर गुज़र सकता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी निजी भूमि पर या किसी निजी भूमि का अधिग्रहण करके कोई निर्माण प्रस्तावित नहीं है। कोर्ट ने कहा कि निष्पक्षता के सिद्धांतों के अनुसार हितधारकों को अपनी आपत्तियां प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाना आवश्यक है।

आवारा कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट भेजा पत्र

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने आवारा कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं को लेकर दायर याचिका पर हस्तक्षेप से इनकार कर दिया गया था। मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन होने के कारण यह निर्देश दिया गया था। इसीलिए जनहित याचिका वापस लेने के बाद सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजा गया है। इसके जरिए जबलपुर सहित समूचे राज्य में आवारा कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं को लेकर चिंता जताई गई है। पत्र की प्रतिलिपि जबलपुर के मेयर, नगर निगम आयुक्त व कलेक्टर को भी भेजी गई है। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच, जबलपुर के प्रांताध्यक्ष डा. पीजी नाजपांडे, समाजसेवी रजत भार्गव व अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जबलपुर जिले में डाग बाइट के केसेस की संख्या में तीव्र गति से वृद्धि हो रही है। इससे नागरिकों का जीवन खतरे में पड़ा है। इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के तहत स्ट्रीट डाग पर नियंत्रण करने की कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो रही है, न ही इस सिलसिले में निश्चित एक्शन प्लान बनाया गया है। अतः सुप्रीम कोर्ट दिशा-निर्देश जारी करे। इंदौर पहले व जबलपुर दूसरे स्थान पर नेशनल रैबिज कन्ट्रोल प्रोग्राम की वर्ष 2025 की रिपोर्ट में बताया है कि इंदौर में जनवरी से जून के बीच 30,304 डाग बाइट के केसेस हुए। जबलपुर में इन छह महीनों में 13,619 केसेस रिकार्ड हुए है। स्पष्ट है कि डाग बाइट के संबंध में जबलपुर प्रदेश में दूसरे नम्बर पर है। इससे चिंतित होकर जबलपुर के मेयर, नगर निगम आयुक्त तथा कलेक्टर से चर्चा कर उन्हें सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करने हेतु बारम्बार निवेदन किया गया। किन्तु कोई भी कार्यवाही नहीं की गई। स्थिति यह है कि नोडल अधिकारी की नियुक्ति नहीं हुई, स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड आदि सार्वजनिक स्थानों में आवारा कुत्ते घूम रहे है। कुत्तों की नसबंदी, टीकाकरण कार्य में सुस्ती है। यहा तक की पिछले कई वर्षों में कुत्तों के संख्या की गिनती तक नहीं हुई है।

विद्युत विभाग अधिकारियों के साथ मारपीट के आरोपी को अग्रिम जमानत नहीं

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ मारपीट करने वाले आरोपी पाटन निवासी मदन जैन की अग्रिम जमानत अर्जी निरस्त कर दी। दरअसल, आरोपी की ओर से कुछ देर दलीलें देने के बाद आवेदन वापस लेने का निवेदन किया गया। जस्टिस संदीप एन भट्ट की सिंगल बेंच ने निवेदन स्वीकार कर अर्जी खारिज कर दी। आवेदक मदन की ओर से दलील दी गई कि उसकी उम्र 62 वर्ष है उसका किसी भी प्रकार का बिजली बिल नहीं बकाया था। वहीं राज्य शासन की ओर से शासकीय पैनल अधिवक्ता हिमांशु तिवारी ने उक्त जमानत याचिका का विरोध करते हुए बताया की आवेदक का 11 हजार रूपए का बिजली बिल बकाया था। जब बिजली विभाग के अधिकारी व कर्मचारी बकाया बिल भुक्तान लेने आरोपी के घर गए तो उसने व भतीजे ने मारपीट कर दी। घटना के बाद डॉक्टर द्वारा किए गए एमएलसी रिपोर्ट में भी पीड़ित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चोट दर्शित हैं। पूर्व में भी आरोपी का अपराधिक प्रकरण दर्ज है।

विद्यार्थियों ने 2 घंटे तक कुलगुरु-कुलसचिव से पूछे सवाल

अभाविप ने आरडीवीवी में किया जोरदार प्रदर्शन

जबलपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) जबलपुर महानगर द्वारा सोमवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों से जुड़ी विभिन्न ज्वलंत समस्याओं के निराकरण हेतु 19 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन को सौंपा गया। यह ज्ञापन कुलगुरु, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक एवं डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर (डीएसडब्ल्यू) को संयुक्त रूप से प्रस्तुत किया गया।

अभाविप कार्यकर्ताओं ने बताया कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक अव्यवस्थाएँ, परीक्षा परिणामों में अनावश्यक विलंब, पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव, छात्रवृत्ति एवं फीस से संबंधित समस्याएँ, डिग्री, माइग्रेशन एवं मार्कशीट के वितरण में देरी, शैक्षणिक कैलेंडर का पालन न होना, तथा मूलभूत सुविधाओं की कमी जैसी अनेक समस्याएँ लंबे समय से बनी हुई हैं। इन्हीं समस्याओं को लेकर अभाविप द्वारा 19 सूत्रीय ज्ञापन तथ्यों एवं सहायक दस्तावेजों के साथ तैयार कर प्रशासन के समक्ष रखा गया। ज्ञापन सौंपने के दौरान जब अभाविप कार्यकर्ता विश्वविद्यालय प्रशासन से चर्चा कर रहे थे , उसी समय कुलगुरु एवं डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर के मध्य प्रशासनिक विषयों को लेकर तीखी नोकझोंक की स्थिति उत्पन्न हो गई। इस घटनाक्रम से यह स्पष्ट होता है कि विश्वविद्यालय के भीतर आंतरिक समन्वय की कमी है, जिसका सीधा असर छात्रों की समस्याओं के समाधान पर पड़ रहा है। अभाविप ने इस स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आपसी मतभेदों का खामियाजा विद्यार्थियों को नहीं भुगतना चाहिए।

अभाविप ने प्रशासन से मांग की है कि 19 सूत्रीय मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेते हुए एक स्पष्ट कार्ययोजना जारी की जाए, जिससे छात्रों में विश्वास बहाल हो सके। जबलपुर महानगर मंत्री आर्यन पुंज ने कहा कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा शीघ्र समाधान की दिशा में ठोस पहल नहीं की गई, तो संगठन चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि छात्रहित सर्वोपरि है और किसी भी स्तर पर छात्रों के अधिकारों से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य माखन शर्मा, महानगर संगठन मंत्री प्रभात तिवारी, ऐश्वर्य सोनकर, अनमोल सोनकर, तृषा पांडे, अक्षत ताम्रकर,आर्या सिंह, सत्यम पटेल, पारुल साहू, भास्कर पटेल, प्रफुल तिवारी, दिव्यांक पचौरी,लखन मांझी,नयन जैन, अनिमेष केवट, सूर्यांश सिंह, अरमान पांडे, आयुष बारी, आशुतोष पटेल, गौरव वाल्मीकि, अनिमेष ठाकुर, यश पटेल एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे ।

बिट्टू दा ढाबा के ऊपर अवैध रूप से संचालित बार को किया सील

जबलपुर। प्रशासन द्वारा गठित गरुड़ दल ने कल रविवार की रात दीनदयाल चौक बस स्टैंड स्थित बड़कुल रेस्टोरेंट, बिट्टू दा ढाबा एवं मदिरा बार का आकस्मिक निरीक्षण किया। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कुंडेश्वर धाम प्रगति गनवीर के नेतृत्व में किये गए निरीक्षण में तहसीलदार वीर बहादुर सिंह धुर्वे, खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद धुर्वे, आबकारी निरीक्षक अंकित जैन एवं माढ़ोताल थाने का पुलिस बल शामिल था। बड़कुल रेस्टोरेंट एवं बिट्टू के ढाबे में बिना ग्लब्स के किचन में खाना बनाने एवं साफ सफाई का अभाव होने के कारण 5-5 हजार का और कुल 10 हजार रुपये का अर्थदंड नगर निगम की टीम द्वारा वसूल किया गया तथा बड़कुल रेस्टोरेंट के किचन से पनीर, पापड़ आदि के सैंपलिंग लेकर परीक्षण के लिये भेजे गए। बिट्टू दा ढाबे के ऊपर संचालित मदिरा बार एवं पब में बिना लाइसेंस एवं सक्षम अनुमति के संचालित बार को सील कर विदेशी

एल्कोहल जब्त कर आबकारी विभाग के सुपर्द किया गया। सालाना टर्नओवर 40 लाख होने के बाद भीं मदिरा बार के पास एफएसएसएआई का लाइसेंस नहीं था।

जुआ के फड़ पर छापा

जबलपुर। बरेला पुलिस ने वार्ड नंबर 15 एयरटेली के टावर के पास बरेला में चल रहे एक जुए के फड़ पर छापा मारकर 6 जुआड़ियों को गिरफ्तार कर उनके पास से नगदी 3 हजार 620 रुपए जब्त किए हैं। बरेला पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 15 एयरटेल के टावर के पास जुआ मन्ना खेल रहे किसानी मोहल्ला बरेला निवासी सुरेश बैरागी, राजेन्द्र भूमिया, जगदीश कुशवाहा सुशील कुमार, मोनू बैरागी सचिन उपाध्याय को गिरफ्तार कर उनके पास से पत्ते एंव 3 हजार 620 रूपये जप्त करते हुये जुआड़ियों के विरूद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

खनन माफिया पर अब तिरछी नजर

जबलपुर। खनिज विभाग द्वारा खनिज माफिया के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान से हड़कंप बना हुआ है. कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा मझौली, सिहोरा, पाटन, जबलपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में नदी किनारे माफिया द्वारा एकत्रित कर रखी गई, बड़ी मात्रा में रेत वापस नदी में मिलाने का काम किया गया. अब तक तीन सौ हाईवा हजार क्यूबिक मीटर अवैध रेत को वापस नदी में डाला जा चुका है. खनिज विभाग को मिली शिकायतों के बाद की गई कार्यवाही में नदियों के किनारे अवैध रूप से निकाली गई भारी मात्रा में रेत का भंडारण मिला।

300 हाइवा अवैध रेत का भण्डारण वापस नदी में बहाया

टीम ने अवैध रूप से जमा रेत को नदियों में वापस डलवाया। वहीं कुछ रेत को सड़क किनारे फैलाकर उसमें मिट्टी मिलाकर नष्ट कर दिया। अधिकारियों की माने तो अब तक करीब 300 हाईवा लगभग 4 हजार क्यूबिक मीटर अवैध रेत नष्ट की जा चुकी है। यह रेत नदियों के किनारे लावारिस हालत में पाई गई थी।

जारी रहेगा अभियान

जिन मामलों में भंडारण करने वालों की पहचान नहीं हो सकी, वहां रेत को नष्ट कर दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि पहचान होने पर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर प्रकरण दर्ज किए जाएंगे। प्रशासन ने यह भी साफ किया है कि जिले में अवैध रेत खनन किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

सीवरेज सिस्टम की दक्षता बढ़ाने निगमायुक्त ने किया समिति का गठन

जबलपुर। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को व्यवस्थित करने और उच्च न्यायालय के आदेशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके लिए नगर निगम द्वारा जबलपुर के समस्त मलजल शोधन संयंत्रों की कार्यक्षमता और उपयोगिता बढ़ाने के उद्देश्य सेएक समिति का गठन किया गया है।

गठित समिति के संबंध में निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि उच्च न्यायालय, जबलपुर में दायर रिट याचिका क्र. 42939/2025 के आदेश दिनांक 14 जनवरी 2026 बिन्दू क्रमांक 4 (ii) अनुसार जबलपुर शहर में स्थापित समस्त मलजल शोधन संयंत्रों का उपयोग दक्षता बढ़ाने हेतु सुझाव रिपोर्ट प्रस्तुत करने समिति का गठन किया गया है, जिसमें क्रमशः अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव को अध्यक्ष, प्रभारी सहायक यंत्री सीवर संजय सिंह कुशवाहा को सदस्य सचिव एवं संबंधित सहायक स्वास्थ्य अधिकारी तथा उपयंत्री सीवर अक्षय सरावगी को सदस्य बनाया है। उक्त समिति 2 दिवस के अंदर निरीक्षण कर अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगें।

श्री वृहत महाकाली महोत्सव समिति का नहीं है कोई अन्य संगठन

जबलपुर । श्री वृहत महाकाली महोत्सव समिति कालीधाम गढ़ाफाटक के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह समिति एक रजिस्टर्ड संस्था है। हाल ही में समिति के संज्ञान में आया है, कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा इससे मिलते-जुलते नाम मसलन श्री वृहत महाकाली युवा मंडल या श्री वृहत महाकाली महिला मण्डल जैसे नामों का उपयोग कर संस्था बना ली गई हैं। ऐसी संस्थाओं का मुख्य संस्था से कोई संबंध नहीं है और न ही इसके लिए किसी को अधिकृत किया गया है, लिहाजा आम श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया है कि मिलते जुलते नामों से किसी भी प्रकार का कोई चंदा एवं दान की राशि न दी जाए। श्री वृहत महाकाली महोत्सव समिति नाम का दुरुपयोग के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने का कदम उठायेगी। समिति ने स्पष्ट किया है कि कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति कोई भी बैनर पोस्टर में मिलते जुलते नामों का उपयोग करने पर वैधानिक कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होगा।

अपहरण, मारपीट कर अंगूठी भी लूटी

कार में बंधक बनाकर एप से डलवाये 20 हजार रुपये

जबलपुर। गोहलपुर थानांतर्गत चंडाल भाटा रोड पर कल देर रात एक युवक का अपहरण कर मारपीट की गई और उसकी सोने की अंगूठी लूट ली। बताया गया है कि आरोपी उसे कार में बंधक बनाकर ढाई घंटे तक घुमाते रहे। घटना के संबंध में गोहलपुर थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार महाकौशल कॉलेज का छात्र बाई का बगीचा निवासी 20 वर्षीय लक्ष्य झा अपने साथी अभिनव श्रीवास्तव के साथ दोस्त की जन्मदिन पार्टी मनाकर दीनदयाल चौक से होते हुए क्रेटा कार से अपने घर जा रहा था रास्ते में देर रात 2.30 बजे उसने निस्तार के लिए कार को चंडालभाटा के पास रोका। अभिनव श्रीवास्तव जैसे कार से निकला तैसे ही मोटरसाइकिल व एक्सिस सवार में 4 लड़कों ने घेरकर अभिनव को रोका और गले में चाकू अड़ाकर 20 हजार मांगने लगे उसके पैसे न होने के कारण चारों ने अपनी स्कूटी और मोटरसाइकिल को वहीं पर छोड़ा। उसे कार मे बंधक बनाकर लगभग ढाई घंटे तक घुमाते रहे तथा उसे व उसके दोस्त के साथ हाथ मुक्को व बैल्ट से मारपीट करते रहे तथा जबरदस्ती डरा धमकाकर उससे ऑन लाईन सुपर मनी एप के माध्यम से 20

हजार रूपये डलवा लिये तथा उसके हाथ में पहनी हुई सोने की अंगूठी छीन लिये, तथा दोनों को सुबह 5 बजे चण्डालभाटा मे लाकर छोटे एवं हमारे पीछे पीछे कमानिया तक आये थे। मारपीट से उसके सिर, चेहरे, गले, कमर तथा अभिनव के सिर, गले, चेहरे में चोट आ गयी है। रिपोर्ट पर धारा 140(3)309(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

स्टेशनों में यात्रियों पर हमले चिंता का विषय

जबलपुर। मुख्य रेलवे स्टेशन और उससे जुड़े क्षेत्र में बीते एक वर्ष के दौरान मारपीट और विवाद की घटनाओं में बढ़ोतरी ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। मामूली कहासुनी, भुगतान विवाद या छोटी-छोटी बातों से शुरू हुए झगड़े कई बार हिंसक रूप लेते दिखे हैं। हाल के मामलों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि व्यस्त सार्वजनिक स्थलों पर निगरानी और नियंत्रण व्यवस्था को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

ताजे मामले में रेलवे स्टेशन पर पानी की बोतल के दाम को लेकर हुआ मामूली विवाद देर रात हिंसक झगड़े में बदल गया। पिपरिया रेलवे स्टेशन पर एक वेंडर ने यात्री पर लाठी से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यह पहली घटना नहीं है कुछ माह पूर्व ही प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर समोसे के भुगतान को लेकर यात्री और वेंडर के बीच विवाद हो गया था। तब आरोप था कि वेंडर ने यात्री की कॉलर पकड़ ली और उसे घड़ी देने पर मजबूर किया। इसके अलावा भी कई घटनाएं इस वर्ष लगातार सामने आई हैं।

रेलवे में अवैध वेंडरों का आतंक

पानी की बोतल पर विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रात बनखेड़ी निवासी 30 वर्षीय दिनेश श्रीवास्तव अपनी पत्नी के साथ ओवरनाइट एक्सप्रेस से इंदौर जाने के लिए पिपरिया स्टेशन पहुंचे थे। ट्रेन का इंतजार करते समय उन्होंने प्लेटफॉर्म पर पानी की बोतल खरीदी, जहां कीमत और चिल्लर को लेकर वेंडर से कहासुनी हो गई।

बताया जा रहा है कि विवाद बढ़ने पर वेंडर ने तैश में आकर पास रखी लाठी उठाई और दिनेश के सिर पर जोरदार वार कर दिया। हमले में दिनेश गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके सिर से खून बहने लगा। मौके पर मौजूद यात्रियों ने तुरंत बीच-बचाव कर स्थिति को नियंत्रित किया और रेलवे प्रशासन तथा जीआरपी को सूचना दी।

घायल यात्री को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। जीआरपी ने पीड़ित का बयान दर्ज कर आरोपी वेंडर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है और जल्द ही उसे हिरासत में लिया जाएगा।

अक्टूबर में उतरवा ली थी घड़ी

अक्टूबर 2025 में प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर समोसे के भुगतान को लेकर यात्री और वेंडर के बीच विवाद हो गया था। बताया गया कि डिजिटल भुगतान विफल होने पर बहस शुरू हुई और देखते ही देखते स्थिति बिगड़ गई। आरोप है कि वेंडर ने यात्री की कॉलर पकड़ ली और उसे घड़ी देने पर मजबूर किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद रेलवे सुरक्षा बल ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

मदन महल स्टेशन पर कर्मी से मारपीट

जनवरी में ही जबलपुर क्षेत्र के मदन महल स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी के साथ तीन युवकों द्वारा मारपीट की घटना सामने आई। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसके आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना ने रेलवे स्टाफ की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े किए।

अवैध वेंडर का हमला

इसी वर्ष एक अन्य घटना में महालक्ष्मी एक्सप्रेस के ठहराव के दौरान अवैध वेंडर ने विवाद में यात्री पर प्लास्टिक पाइप से हमला कर दिया था। घटना का वीडियो सामने आने के बाद आरपीएफ ने आरोपी को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि आरोपी पर रेलवे एक्ट के तहत पहले से कई मामले दर्ज थे। अदालत ने उसे जेल और जुर्माने की सजा सुनाई।

सतर्कता और मानीटरिंग की जरूरत

लगातार सामने आ रही इन घटनाओं से स्पष्ट है कि भुगतान, खरीद-फरोख्त या अनुशासन से जुड़े मामूली विवाद भी तेजी से हिंसक रूप ले रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि स्टेशन परिसर में अधिक निगरानी, लाइसेंसधारी वेंडरों की सख्त जांच और सुरक्षा बल की सक्रिय मौजूदगी जरूरी है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा बढ़ाने के लिए सीसीटीवी निगरानी, नियमित पेट्रोलिंग और अवैध वेंडरों के खिलाफ कार्रवाई जारी है।

गारंटी पीरियड में ही पहाड़ी खेड़ा - बिलगड़ा मार्ग हुआ खस्ता

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कों में मेंटेनेंस की गंभीर लापरवाही से ग्रामीण परेशान

बरेला।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बनाए गए पहाड़ीखेड़ा से सिलपुरी-बिलगड़ा मार्ग की हालत गारंटी पीरियड में ही खस्ता हो गई है। लगभग तीन किलोमीटर लंबा यह मार्ग कई करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया था और एक साल पूर्व लगभग 40 लाख रुपए खर्च कर इसका नवीनीकरण भी किया गया था। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि सड़क में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे दुपहिया वाहन चालक अपनी जान जोखिम में डालकर ही मार्ग का उपयोग कर पा रहे हैं। रोड में सील कोट नहीं होने के कारण बड़ी-बड़ी नुकीली गिट्टियां स्पष्ट दिखाई दे रही हैं, जबकि डामलका तक रोड के चिन्ह और सुरक्षा संकेत गायब हैं। तीन किलोमीटर लंबी सड़क में दोनों किनारों पर हार्ड मोरम की सोल्डर पट्टी भी नहीं बनाई गई, जो सड़क की सुरक्षा और लंबी उम्र के लिए अनिवार्य है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मेंटेनेंस के दौरान केवल बोर्ड लगाए गए हैं, लेकिन वास्तविक रखरखाव नहीं किया जा रहा। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत से सड़क का मेंटेनेंस केवल खानापूर्ति के रूप में किया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के उच्च अधिकारियों से इस मार्ग का औचक निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का जायजा लेने की मांग की है।

अरुण कान्त अग्रवाल की रोटरी काव्य रचनाओं का संकलन हुआ विमोचित

जबलपुर। रोटरी क्लब जबलपुर साउथ के संस्थापक सदस्य अरुण कान्त अग्रवाल की 2015-16 से 2025-26 तक की रोटरी से जुड़ी काव्यात्मक रचनाओं का संकलन हाल ही में विमोचित किया गया। पूर्व प्रांतपाल रोटे. अखिल मिश्र ने उनकी निरंतरता और प्रत्येक सत्र में विभिन्न प्रसंगों की अनुभूति को काव्य के माध्यम से प्रस्तुत करने की अद्वितीय क्षमता की सराहना की। पूर्वाध्यक्ष डॉ. संजीव चौधरी ने कहा कि क्लब की स्थापना और विकास में उनका योगदान अविस्मरणीय रहा है। इस अवसर पर अखिल खण्डेलवाल, अमरेन्द्र नारायण, राकेश गिदरौनिया, ओ. पी. उपाध्याय, पीयूष कान्त अग्रवाल सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे, जिन्होंने कार्यक्रम को प्रेरणादायक बताया।

संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत शिविर आयोजित

बरेला। संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत प्रथम चरण में वार्ड क्रमांक 10,11 एवं 12 के नागरिकों हेतु दादा ठन ठन स्कूल परिसर में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मध्यप्रदेश शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए आवेदन प्राप्त किये गए। काफी संख्या में लोगों ने शिविर में पहुंचकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। शिविर में नगर परिषद के अध्यक्ष प्रतीक दुबे,पूर्व उपाध्यक्ष सोनू सोनकर,सीएमओ संजय पांडे,पटवारी हल्का बरेला अभिषेक चौबे,पार्षदगण प्रकाश चक्रवर्ती, दीपेश पटेल,परिषद के कर्मचारी,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

वार्षिकोत्सव में नन्हे मुन्हें बच्चों ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

सिहोरा। सी पी आश्रम नर्सरी स्कुल में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन संतोष बरकडे विधायक के मुख्य आतिथ्य,अरविंद धुर्वे विकास खंड शिक्षा अधिकारी,ज्योति चक्रवर्ती पार्षद के विशिष्ट आतिथ्य एवं रेव्ह एम मैथ्यू की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। प्रधानाध्यापिका सिस्टर सिसली थॉमस ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।तथा रियांशु पाठक,कृष्ण जयसवाल प्रत्यूषा कौरव,अथर्व गुप्ता,आरना श्रीवास्तव समृद्धि परोहा सहित अनेक छोटे छोटे बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की ग्रेसी जोजी,निधि नकरा,निशा ठाकुर,साक्षी राजपूत ,अभिलाषा खंगार,निशिता नकरा,अंशिका राजपूत, आशा बाई,सुखीलाल,रामचरण का योगदान रहा।

दो दिवसीय निःशुल्क संबल पंजीयन शिविर सम्पन्न, 120 असंगठित श्रमिक हुए लाभान्वित

मझौली। धनगवां मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था आदिवासी जन कल्याण एवं बाल उत्थान समिति, धनगवां द्वारा ग्राम पंचायत धनगवां में दो दिवसीय निःशुल्क संबल योजना ऑनलाइन पंजीयन शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर के दौरान दो दिवस में कुल 120 असंगठित श्रमिकों का निःशुल्क ऑनलाइन पंजीयन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य असंगठित श्रमिक वर्ग को शासन की संबल योजना से जोड़ते हुए उन्हें आर्थिक, सामाजिक एवं सुरक्षा संबंधी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ दिलाना रहा। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष श्री नीरज चौधरी, सचिव श्रीमती विनीता आदिवासी एवं कार्यकर्ता श्री शेखर भूमिया द्वारा श्रमिकों का पंजीयन कार्य विधिवत रूप से संपन्न कराया गया। समिति की सचिव श्रीमती विनीता आदिवासी ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर का संचालन उनके द्वारा तैयार किए गए "अम्ब्रेला प्लान (छत्र योजना)" के अंतर्गत किया गया, जिसका उद्देश्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। उन्होंने बताया कि आगे भी इस योजना के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

10 परीक्षा केंद्रों में 4006 परीक्षार्थी होंगे सम्मिलित

हायर सेकंडरी, हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा 2026 का महाकुंभ आज से

हाईस्कुल दसवीं
नियमित विद्यार्थी - 2239
हायर सेकंडरी बारहवीं
नियमित विद्यार्थी -1767
परीक्षा केन्द्र -10

सिहोरा। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा आयोजित हाई स्कूल बोर्ड परीक्षाकक्षा 10 वीं की वार्षिक परीक्षाएं 17 फरवरी से प्रारंभ होकर 6 मार्च तक चलेंगी जिसमें कुल 2239 विद्यार्थी शामिल होंगे इसी तरह हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा 12 वीं में कुल 1767 विद्यार्थी शामिल होंगे जो आज मंगलवार 10 फरवरी से प्रारंभ होकर 7 मार्च तक चलेगी। विकास खंड सिहोरा में बनाये गये 10 परीक्षा केंद्रों में कुल 4006 छात्र एंव छात्राएं परीक्षा देंगे जिसका समय नियमित तथा स्वाध्यायी परीक्षार्थियों के लिए प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक का होगा।**उड़नदस्ता दल गठित होगी निगरानी**सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार उपाध्याय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक परीक्षा के सफल संचालन की संपूर्ण तैयारी पूर्ण कर ली गई है परीक्षार्थियों की बैठक व्यवस्था 20/40/60 छात्रों के अनुरूप की गई है। परीक्षार्थी को प्रश्न पत्र शुरू होने से 10 मिनट पहले तक ही परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया जायेगा। प्रत्येक परीक्षार्थी का उपस्थिति पत्रक की फोटो से मिलान किया जायेगा। परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्नकराने के लिए बोर्ड के निर्देश पर सभी 10 परीक्षा केन्द्रों में विभाग के कर्मचारियों को तैनात किया गया है। परीक्षा केन्द्रों पर नकल रोकने के लिए उड़नदस्ता दल भी बनाए गए है। इसके अलावा परीक्षा कक्ष में लगे सीसीटीवी कैमरे से भी निगरानी की जाएगी।इन स्कुलों को बनाया गया है परीक्षा केन्द्रपरीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सीएम राइज पंडित विष्णु दत्त स्कुल,शासकीय कन्या शाला सिहोरा,लालचंद हाईस्कूल खितौला, यशोदा बाई कन्या शाला खि तौ ला , गा धी ग्र ां म , गोसलपुर,बालक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंझगवा,कन्या शाला मंझगवा,कुम्ही सतधारा, अगरिया को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इसी तरह स्वाध्यायी छात्रों के लिए सीएम राइज मेडिकल,कन्या रानी दुर्गावती गढ़ा,पंडित लज्जा शंकर झा एंव एमएलबी जबलपुर को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

मेड पर उगी झाड़ियाँ– बेढंग पेड़ों से हादसे की आशंका, जलसुरक्षा पर सवाल उठा रहीं अव्यवस्थाएं

मोहारी जलाशय पर खतरे की जड़ें! बरगी हादसे के बाद भी नहीं चेत रहा सिस्टम

पनागर। शहर की जलसुरक्षा का प्रमुख आधार मोहारी जलाशय स्वयं गंभीर खतरे की स्थिति में है। शिवपुरी धाम के समीप स्थित जलाशय की बांध (मेड) पर वर्षों से उगी घनी झाड़ियाँ और पेड़ प्रशासनिक लापरवाही का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। तकनीकी मानकों के अनुसार मेड को पूरी तरह साफ रखना अनिवार्य है, लेकिन यहां नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, बांध की मेड पर पेड़-पौधों की जड़ें मिट्टी को कमजोर कर देती हैं, जिससे सीपेज बढ़ता है और अधिक दबाव की स्थिति में बांध टूटने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके बावजूद न तो नियमित सफाई कराई गई और न ही कोई तकनीकी ऑडिट किया गया। गौरतलब है कि 2 फरवरी 2026 को बरगी डैम की दाहिनी नहर में ब्रीच से खेतों में पानी भर गया था और किसानों की फसलें बर्बाद हो गई थीं। किसानों ने पहले ही खतरे की चेतावनी दी थी, लेकिन शिकायतों पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई। अब वही लापरवाही मोहारी जलाशय में दोहराई जाती नजर आ रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि मेड में रिसाव या क्षति हुई, तो आसपास के क्षेत्रों और किसानों की जमीन पर गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। हैरानी की बात यह है कि रखरखाव, निरीक्षण रिपोर्ट और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आ रही है। स्थानीय नागरिकों व किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि मोहारी जलाशय की मेड की तत्काल विशेषज्ञों से जांच कराई जाए, वनस्पति की पूरी सफाई हो तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि किसी बड़े हादसे को समय रहते रोका जा सके।

धान खरीदी भुगतान को लेकर किसानों का उग्र प्रदर्शन

मझौली में ट्रैक्टर-ट्रॉली से लगा रहा जाम, तहसील कार्यालय का हुआ घेराव

मझौली। धान खरीदी में गड़बड़ी एवं भुगतान न होने से नाराज किसान संघ मझौली के नेतृत्व में किसानों ने सोमवार 9 फरवरी को विशाल ट्रैक्टर-ट्रॉली रैली निकालकर उग्र प्रदर्शन किया। किसानों ने तहसील कार्यालय का घेराव करते हुए मझौली की चारों ओर की मुख्य सड़कों पर ट्रैक्टर-ट्रॉली लगाकर करीब 4 से 5 घंटे तक पूर्ण जाम कर दिया।दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुए जाम के कारण स्कूली बसें, यात्री बसें, ऑटो सहित कई वाहन फंसे रहे। सूचना पर तहसीलदार, एसडीओपी सहित खाद आपूर्ति विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसानों को 7 दिनों के भीतर समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद शाम करीब 6 बजे जाम खोला गया। हालांकि तहसील कार्यालय के सामने किसान संघ का धरना प्रदर्शन समाचार लिखे जाने तक जारी रहा। किसानों ने आरोप लगाया कि खरीफ वर्ष 2025-26 में कृताकार सेवा सहकारी समिति केंद्र (उपार्जन क्रमांक 50333262) पर धान बेचने वाले किसानों का भुगतान अब तक नहीं हुआ है। पिपरिया के केजी वेयरहाउस में स्लांट बुकिंग के बाद पोर्टल बंद होने से कई किसानों की तौल की गई धान पोर्टल पर दर्ज नहीं हो सकी, जिससे भुगतान अटका हुआ है। किसानों ने धान वापस दिलाने, सभी उपार्जन केंद्रों के लंबित भुगतान, वर्ष 2019-20 के 215 किसानों के बकाया, मूंग खरीदी 2022-23 का भुगतान, 2024-25 की धान खरीदी का शेष भुगतान, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई तथा किसान फार्मर आईडी व खाद-उर्वरक आपूर्ति व्यवस्था में सुधार की मांग रखी। किसानों ने भाजपा सरकार के घोषणा पत्र में किए गए गेहूं 2700 रुपये व धान 3100 रुपये प्रति क्विंटल के वादे को पूरा करने की मांग भी उठाई। भारतीय किसान संघ तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र पटेल एवं रंजीत पटेल ने चेतावनी दी कि जब तक समस्याओं का निराकरण नहीं होगा, आंदोलन जारी रहेगा।

समाजसेविका बीना सोनी का निधन

जबलपुर। नगर की सुप्रसिद्ध समाजसेविका श्रीमती बीना सोनी का गुरुवार, 29 जनवरी को निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से सोनी समाज और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। दिवंगत श्रीमती सोनी अपने सरल, सेवा भावी और स्नेही स्वभाव के लिए जानी जाती थीं। उनकी आत्मा की शांति हेतु शोकसभा, त्रयोदशी और पगड़ी रस्म सोमवार, 9 फरवरी 2026 को उनके निवास, न्यू रामनगर, संस्कार कॉलोनी, सुराही बिल्डिंग के पीछे, आधारताल, जबलपुर में आयोजित की गई। शोक संतप्त परिवार में गिरिराज किशोर सोनी (कवि संदीप सपन), अशोक सोनी, योगेश सोनी, दीपक सोनी, संदीप सोनी और कवि सुदीप भोला शामिल रहे।

रिंग रोड बनीं विकास में बाधा, ग्राम टगर मुख्य मार्ग से कटा

जमीन अधिग्रहण के बाद भी नहीं मिली कनेक्टिविटी, ग्रामीण परेशान

पनागर। विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत महगवां–टगर के ग्राम टगर (पुल क्रमांक 79300) में रिंग रोड निर्माण ग्रामीणों के लिए विकास के बजाय परेशानी का कारण बन गया है। परियोजना के तहत किसानों की उपजाऊ कृषि भूमि का अधिग्रहण तो कर लिया गया, लेकिन आज तक गांव को रिंग रोड अथवा सर्विस रोड से जोड़ने की व्यवस्था नहीं की गई। इससे ग्राम टगर मुख्य मार्गों से पूरी तरह कटा हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि भूमि अधिग्रहण के समय उन्होंने राष्ट्रीय हित और क्षेत्रीय विकास को ध्यान में रखते हुए सहयोग किया था, लेकिन कनेक्टिविटी के अभाव में खेतों तक पहुंच, कृषि कार्य, मंडी, अस्पताल, विद्यालय और अन्य आवश्यक सेवाओं तक आवागमन बाधित हो गया है। सड़क बनी, लेकिन गांव का रास्ता कट गया—यह स्थिति अब ग्रामीणों की रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है। कनेक्टिविटी न होने से किसानों की आजीविका प्रभावित हो रही है और गांव की सामाजिक व आर्थिक प्रगति ठप होती जा रही है। इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को अवगत कराने के बावजूद अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। ग्रामीणों ने स्पष्ट मांग की है कि पुल क्रमांक 79300 के माध्यम से ग्राम टगर को तत्काल रिंग रोड से जोड़ा जाए, जिससे गांव का न्यायोचित विकास संभव हो सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस जनहित के मुद्दे को प्रमुखता से उठाने में जनपद सदस्य ज्योति विपिन पटेल, समाजसेवी सौरव मिश्रा एवं मनोज पटेल सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। ग्रामीणों को उम्मीद है कि उनकी आवाज सुनी जाएगी और ग्राम टगर को उसका अधिकार रास्ता और कनेक्टिविटी मिलेगी।

श्रीमती हरी बाई परसवानी- दत्त राबरा काम्पलेक्स कटंगा निवासी श्री चौईथराम परसवानी की धर्मपत्नी श्रीमती हरी बाई परसवानी (99) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सुशीला दीवान- पेंट हाउस नं. 1 के निकट गढ़ा रोड निवासी श्री विमल कुमार दीवान की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला दीवान (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लक्ष्मी चौधरी- ठक्कर ग्राम जानकी दास मंदिर के पास निवासी श्री प्रीतम चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी चौधरी (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राजकुमार शर्मा- न्यू नर्मदा नगर गोहलपुर निवासी श्री राजकुमार शर्मा (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री आकाश जाटव- सिंधी कैंप बाबा टोला निवासी श्री रामू जाटव के पुत्र श्री आकाश जाटव (22) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री के. हरिस्वामी नायडू- गुलौआ चौक गढ़ा निवासी श्री के. हरिस्वामी नायडू का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती भागवती चौधरी- भोला नगर माढ़ोताल श्मशान भूमि रोड निवासी श्री रामनाथ चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती भागवती चौधरी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती राधा बाई यादव- हाथीताल

कॉलोनी निवासी श्री मिही लाल यादव की धर्मपत्नी श्रीमती राधा बाई यादव (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजकुमार सेन- सिद्धबाबा वार्ड छोटी खेरमाई के पास निवासी श्री राजकुमार सेन (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सरिता बेलवंशी- कालीमठ आमनपुर निवासी श्री वीरेंद्र बेलवंशी की धर्मपत्नी श्रीमती सरिता बेलवंशी (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती भावना आहूजा- पुष्पक नगर अधारताल निवासी श्री महेश आहूजा की धर्मपत्नी श्रीमती भावना आहूजा (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रोहित यादव- अमखेरा गोहलपुर निवासी श्री रोहित यादव (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती आशा बेन- हरिजन बस्ती सर्वोदय स्कूल के पास निवासी श्री देवी लाल बेन की धर्मपत्नी श्रीमती आशा बेन (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती उर्मिला- शक्ति नगर गुप्तेश्वर मानस मंदिर के पास निवासी मनोज की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लक्ष्मी टंडन- मदनमहल गुप्तेश्वर वार्ड निवासी श्री दिनेश कुमार टंडल की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी टंडन (79) का विगत दिवस निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती जयंती बाई सोनी- चमन नगर निवासी श्री जागेश्वर सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती जयंती बाई सोनी (111) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती श्यामा बाई सोंधिया- टेलीग्राफ गेट नं. 4 साईं मंदिर के पास निवासी श्री शिव बालक सोंधिया की धर्मपत्नी श्रीमती श्यामा बाई सोंधिया (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती जानकी यादव- गंगा मैया व्हीकल निवासी श्री लक्ष्मण यादव की धर्मपत्नी श्रीमती जानकी यादव (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विमल उपाध्याय- एपीआर कॉलोनी कटंगा निवासी श्री विमल उपाध्याय (97) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब मात्र 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
सिंगल साइज:- से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
सिंगल साइज:- से.मी. रंगीन 400/-
सिंगल साइज से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407362160

आयकर कानून का नया नियम अनुपालन बोझ को करेगा कम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नये आयकर कानून के लिए जारी नियमों का मसौदा एवं फॉर्म को काफी सरल बनाया गया है। इसमें नियमों की संख्या लगभग 35 प्रतिशत घटाकर 333 कर दी गयी है जबकि फॉर्म की संख्या में 50 प्रतिशत से अधिक की कटौती की गयी है।

- नियमों की संख्या घटाकर 333 कर दी गई

इस पहल का मकसद करदाताओं के लिए प्रावधानों को सरल बनाना, अनुपालन बोझ को कम करना और व्यवस्था को करदाताओं के अनुकूल बनाना है। उन्होंने कहा कि नये मसौदा नियम और फॉर्म पर लोगों के सुझाव आने के बाद इसे मार्च के पहले सप्ताह में अधिसूचित किया जाएगा।

मार्च के पहले सप्ताह में होगा अधिसूचित

फार्म की भाषा आसान बनाई गई

सूत्रों ने कहा, '' परिचालन, प्रशासनिक या कानूनी उलझन से बचने के लिए फॉर्म की भाषा को आसान बनाया गया है।'' एक सवाल के जवाब में सूत्र ने कहा कि इससे कर अनुपालन सुगम एवं बेहतर होगा। साथ ही कर विभाग की परिचालन क्षमता और मजबूत होगी जिससे कर चोरी पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी।

फार्म का मानकीकरण किया गया

आयकर नियम ,1962 के तहत इसकी संख्या क्रमशः 511 और 399 थी। प्रस्तावित आयकर नियम में भाषा को सरल बनाया गया है और उन अनुपालन को हटाया गया है जिनकी जरूरत अब नहीं रह गयी है। इसके साथ अनुपालन को सुगम बनाने के लिए फॉर्म का मानकीकरण किया गया है।

अनावश्यक प्रावधान समाप्त किए गए : इसके अलावा, नियमों को आयकर कानून, 2025 के साथ संबद्ध किया गया है और अनावश्यक प्रावधानों को समाप्त किया गया है। सूत्रों ने कहा, ''नियमों को और फॉर्म को 'रि-इंजीनियर' किया गया है। इसके तहत नियमों को आयकर कानून, 2025 के साथ संबद्ध किया गया है और अनवाश्यक प्रावधानों को समाप्त किया गया है।

नया कानून 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा

उल्लेखनीय है कि कर विभाग ने बीते सप्ताह शनिवार को नये आयकर कानून, 2025 के तहत नियमों का मसौदा एवं फॉर्म जारी किये थे। आयकर विभाग ने 22 फरवरी तक आयकर नियम, 2026 के मसौदा नियम और फॉर्म पर संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे हैं। नया आयकर कानून, 2025 एक अप्रैल, 2026 से लागू होगा।

आयकर कानून 1961 की जगह लेगा

यह छह दशक से अधिक पुराने आयकर कानून, 1961 की जगह लेगा। आयकर विभाग के सूत्रों ने नियमों के मसौदे और फॉर्म के बारे में जानकारी देते हुए कहा, आयकर नियम और फॉर्म को युक्तिसंगत बनाया गया है। प्रस्तावित आयकर नियम, 2026 के तहत नियमों की संख्या घटाकर 333 जबकि फॉर्म की संख्या घटाकर 190 की गयी है।

नियमों को अंतिम रूप देने मार्च के पहले सप्ताह में होगा अधिसूचित

आयकर नियम में पैन उल्लेख करने के लिए लेन-देन सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आयकर नियम के मसौदे में बैंकों में नकद जमा/निकासी, गाड़ी और संपत्ति खरीदने और होटल बिल भुगतान के लिए पैन का उल्लेख करने को लेकर लेन-देन सीमा को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने का प्रस्ताव है। मसौदे में नियोक्ताओं द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का मूल्य बढ़ाने और क्रिप्टो एक्सचेंज के लिए कर विभाग के साथ जानकारी साझा करना अनिवार्य करने का भी प्रस्ताव है।

इसमें केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) को इलेक्ट्रॉनिक भुगतान के स्वीकृत तरीके के तौर पर भी शामिल किया गया है। मसौदा नियम में आवास किराया भत्ते (एचआरए) का दावा करने के मकसद से बेंगलुरु, पुणे, अहमदाबाद और हैदराबाद को शामिल करने के लिए श्रेणी-1 महानगरों की सूची का विस्तार किया गया है। इस सूची में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई शामिल हैं।

50 हजार से अधिक भुगतान पर पैन बताना जरूरी

किसी भी अचल संपत्ति की खरीद या बिक्री या गिफ्ट या संयुक्त विकास समझौते के मामले में, अगर सौदा लागत 20 लाख रुपये ज्यादा है, तो पैन जरूरी होगा, जबकि अभी यह सीमा 10 लाख रुपये है। मसौदा नियमों के तहत, बीमा कंपनी के साथ खाता आधारित संबंध शुरू करने के लिए पैन जरूरी होगा। अभी, एक वित्त वर्ष में जीवन बीमा प्रीमियम के तौर पर 50,000 रुपये से अधिक के भुगतान के लिए पैन जरूरी है।

खास बातें

- श्रेणी-1 महानगरों की सूची का विस्तार किया गया है
- सूची में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई शामिल हैं
- बैंकों में नकद जमा, निकासी आदि भुगतान में पैन नंबर जरूरी

वाहन की कीमत पांच लाख से अधिक तो पैन जरूरी : वाहन (मोटर साइकिल सहित) खरीदने के मामले में, अगर कीमत पांच लाख रुपये से ज्यादा है, तो खरीदार को अपना पैन बताना होगा। मौजूदा आयकर नियम, 1962 में दोपहिया वाहन खरीदने के लिए पैन बताने का नियम नहीं है, जबकि मोटर वाहनों के लिए कीमत चाहे जो भी हो, इसकी जानकारी देना जरूरी था।

10 लाख से ज्यादा नकद जमा पर पैन बताना जरूरी : प्रस्तावित आयकर नियम, 2026 के अनुसार, किसी व्यक्ति के एक या ज्यादा खातों में, एक वित्त वर्ष में कुल 10 लाख रुपये या उससे ज्यादा नकद जमा करने या निकालने के लिए स्थायी खाता संख्या (पैन) बताना जरूरी होगा। अभी, किसी बैंक, कंपनी या सहकारी बैंक में किसी भी एक दिन में 50,000 रुपये से ज्यादा नकद जमा करने पर पैन जरूरी है।

नया कानून एक अप्रैल से होगा लागू वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) संबंधित पक्षों से सलाह के बाद नियमों को अंतिम रूप देगा और मार्च के पहले सप्ताह तक उन्हें अधिसूचित करेगा। आयकर कानून, 2025 को लागू करने के लिए आयकर नियमों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। नया आयकर कानून एक अप्रैल से लागू होगा।

मकसद जरूरी जानकारी लेना

सूत्रों ने कहा कि पैन बताने की सीमा को सही करने के पीछे मकसद सिर्फ 'जरूरी जानकारी' लेना है। वर्तमान में बाजार की वास्तविकताओं को देखते हुए, सरकारी गाड़ियों और मुफ्त खाने के लिए कर मुक्त सुविधाओं का मूल्य बढ़ाने का प्रस्ताव है।

कम क्षमता वाली कार का भत्ता 8000 प्रति माह

मोटर कार के लिए, 1.6 लीटर से कम इंजन क्षमता वाली कार का भत्ता 8,000 रुपये प्रति महीना होगा, जबकि दूसरों के लिए यह 10,000 रुपये प्रति महीना होगा। इनमें चालकों के लिए भत्ता भी शामिल होगा। मसौदा नियमों में क्रिप्टो-संपत्ति सेवा प्रदाताओं के लिए विस्तृत रिपोर्टिंग और जांच-पड़ताल की जिम्मेदारियों का भी प्रस्ताव है।

खबर संक्षेप

रुपया नौ पैसे टूटकर 90.74 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया सोमवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में नौ पैसे टूटकर 90.74 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि व्यापारी भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार ढांचे के विवरण का आकलन करते नजर आए। विदेशी पूंजी के समर्थन पर निवेशकों के जोखिम से बचने के रवैये का असर पड़ा।

बजाज इलेक्ट्रिकल्स को 34.1 करोड़ रुपए का घाटा

नई दिल्ली। बजाज इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 34.10 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। लाभ मार्जिन में कमी और नयी श्रम संहिताओं के प्रभाव के कारण उसे यह घाटा उठाना पड़ा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में उसे 33.36 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

मेकमाइट्रिप ने माइनर होटल्स से किया करार

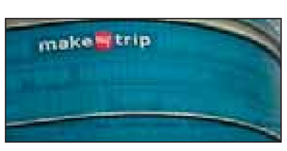

नई दिल्ली। नैस्डैक में सूचीबद्ध यात्रा बुकिंग मंच मेकमाइट्रिप ने सोमवार को दुनिया भर में 560 से अधिक संपत्तियों का संचालन करने वाले वैश्विक आतिथ्य समूह माइनर होटल्स के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह सहयोग भारतीय यात्रियों के लिए यूरोप, एशिया और पश्चिम एशिया के शहरों और रिसॉर्ट स्थलों में अंतरराष्ट्रीय प्रवास के विकल्पों को बढ़ाएगा।

भारत का खाद्य तेल उत्पादन 96 लाख टन होने का अनुमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- 1.67 करोड़ टन आयात की जरूरत : आईवीपीए
- भारत सोयाबीन तेल का आयात अर्जेंटीना व ब्राजील से करता है

उद्योग निकाय आईवीपीए के अनुसार, 2025-26 विपणन वर्ष में भारत में खाद्य तेल उत्पादन 96 लाख टन होने का अनुमान है, और घरेलू मांग को पूरा करने के लिए इसे लगभग 1.67 करोड़ टन खाद्य तेल का आयात करना होगा।

भारत मुख्य रूप से अर्जेंटीना और ब्राजील से सोयाबीन तेल आयात का करता है, जबकि देश मलेशिया और इंडोनेशिया से पाम तेल खरीदता है। कुल घरेलू मांग में से, देश को लगभग 60 प्रतिशत मात्रा का आयात करना पड़ता है।

कुआलालंपुर में सम्मेलन को संबोधित करते हुए, भारतीय वनस्पति तेल उत्पादक संघ के अध्यक्ष सुधाकर देसाई ने कहा कि ''वैश्विक खाद्य तेल बाजार व्यापार पुनर्गठन और आपूर्ति की दिक्कतों के कारण संरचनात्मक अस्थिरता के दौर में प्रवेश कर गए हैं। सोमवार को एक बयान में देसाई ने, जो इमामी एग्रोटेक लिमिटेड के सीईओ भी हैं, ने कहा कि भू-राजनीतिक पुनर्गठन ने वैश्विक व्यापार गलियारों को बदल दिया है। भारत के लिए निहितार्थ' विषय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 'शुल्क या व्यापार प्रवाह में छोटे समायोजन अब आपूर्ति श्रृंखला में असमान मूल्य उतार-चढ़ाव पैदा कर रहे हैं।

पामतेल का आयात घटकर 80 लाख टन

देसाई ने कहा कि विपणन वर्ष 2025-26 में, कुल आयात में 80-85 लाख टन पाम तेल, 50-55 लाख टन सोयाबीन तेल, 28-30 लाख टन सूरजमुखी तेल, और लगभग 2 लाख टन अन्य तेल शामिल होने की उम्मीद है, जिसमें नेपाल के माध्यम दो किए गए शून्य-मुक्त आयात भी शामिल हैं।

भारत जरूरत का मात्र 40 फीसदी पूरा करता है

देसाई ने अनुमान लगाया कि तेल वर्ष 2025-26 (अक्टूबर-सितंबर) में भारत का घरेलू खाद्य तेल उत्पादन 96 लाख टन होने का अनुमान है, जो भारतीय जरूरतों का केवल लगभग 40 प्रतिशत पूरा करता है। इसका मतलब है कि लगभग 1.67 करोड़ टन के लिए आयात पर निर्भरता होगी।

एमएसई के लिए गारंटीमुक्त ऋण सीमा बढ़कर 25 लाख

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- आरबीआई ने संबंधित निर्देशों में किया संशोधन
- बिना गारंटी वाले ऋण की सीमा 20 लाख रुपए

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि बैंक बेहतर पृष्ठभूमि और मजबूत वित्तीय स्थिति वाली सूक्ष्म एवं लघु इकाइयों (एमएसई) को 25 लाख रुपये तक का गारंटीमुक्त ऋण दे सकते हैं।

केंद्रीय बैंक ने इसके लिए 'सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को ऋण' से संबंधित निर्देशों में संशोधन किया है। आरबीआई ने बताया कि मौजूदा नियमों में संशोधन कर सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए बिना गारंटी वाले ऋण की अनिवार्य सीमा को बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया है।

आरबीआई ने कहा, /"बैंक अपनी आंतरिक नीति के अनुसार, एमएसई इकाइयों के बेहतर पृष्ठभूमि और वित्तीय स्थिति के आधार पर, 25 लाख रुपये तक के ऋण के लिए 'गारंटी' की आवश्यकता को समाप्त करने की सीमा बढ़ा सकते हैं।/ इसके अलावा, बैंक जहां लागू हो वहां 'क्रेडिट गारंटी योजना' के कवर का लाभ भी उठा सकते हैं। संशोधित निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि ऋण लेने वाला व्यक्ति बिना गारंटी वाली सीमा तक के ऋण के लिए अपनी मर्जी से सोना या चांदी गिरवी रखता है, तो इसे उपरोक्त नियमों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा।

1 अप्रैल 2026 से होंगे प्रभावी

इन संशोधनों की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए आरबीआई ने कहा कि इसका उद्देश्य उन सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए ऋण वितरण की अंतिम कड़ी को मजबूत करना है, जिनके पास गारंटी के तौर पर गिरवी रखने के लिए सीमित संपत्ति है।ये संशोधित निर्देश एक अप्रैल, 2026 से प्रभावी होंगे।

पर्पल फाइनेंस ने 'इक्विटी वारंट' से जुटाएगी 69 करोड़

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी पर्पल फाइनेंस ने 55 रुपये प्रति 'इक्विटी वारंट' की दर से 1.26 करोड़ 'इक्विटी वारंट' जारी कर 69.30 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। पर्पल फाइनेंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस संबंध में फैसला छह फरवरी को हुई निदेशक मंडल की बैठक में लिया गया। कंपनी ने कहा कि मौजूदा एवं नए दोनों निवेशकों की निरंतर भागीदारी उसके कारोबारी मॉडल, प्रशासनिक ढांचे और दीर्घकालिक वृद्धि रणनीति में बढ़ते भरोसे को दर्शाती है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से बाजार में तेजी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

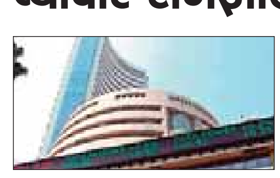

- सेंसेक्स 485 अंक चढ़कर 84,000 अंक के पार
- बैंक, एफएमसीजी व रियल्टी शेयरों में रही तेजी

प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उत्साह और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं तथा रियल्टी शेयरों में जोरदार लिवाली से बाजार को समर्थन मिला।

इस दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 485.35 अंक बढ़कर 84,065.75 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 734.28 अंक तक चढ़कर 84,314.68 अंक के उच्चस्तर पर पहुंच गया था। निफ्टी 173.60 अंक बढ़कर 25,867.30 अंक पर बंद हुआ।

एसबीआई में आई तेजी

सेंसेक्स के शेयरों में भारतीय स्टेट बैंक, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, इटर्नल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडिगो, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, सन फार्मास्युटिकल्स और एशियन पेंट्स में उल्लेखनीय तेजी हुई।

पावरग्रिड रहा नुकसान में

पावरग्रिड, एनटीपीसी, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी इंडिया और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में रहे।

आईओसी और एचपीसीएल ने वेनेजुएला का कच्चा तेल खरीदा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने संयुक्त रूप से वेनेजुएला से 20 लाख बैरल कच्चे तेल की खरीद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में वेनेजुएला के तेल की आपूर्ति दोबारा शुरू होने के बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियों द्वारा किया गया यह दूसरा बड़ा सौदा है।सूत्रों ने बताया कि दोनों कंपनियों ने अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में आपूर्ति के लिए 'ट्रैफिगुरा' से 20 लाख बैरल 'मेरे' कच्चा तेल खरीदा है। इसमें से 15 लाख बैरल तेल ओडिशा में आईओसी की पारादीप तेल रिफाइनरी को और शेष 5,00,000 बैरल तेल आंध्र प्रदेश में एचपीसीएल की विशाखापत्तनम इकाई को दिया जाएगा।

M.P. POORV KSHETRA VIDYUT VITARAN Co. Ltd.
Regd. Office - Block No. 8, 3rd Floor, Shakti Bhawan, Rampur, Jabalpur-482 008 (M.P.)
IN U40109MP2002SGC015120Tel-0761-2666040, Extn. 270-2473/2425, Fax 0761-2660048
Website: www.mpez.co.in, email: cepurez@yahoo.in

No.SE/SDL/PUR/2342 **NOTICE INVITING TENDER** Dt: 30.01.2026

Online tenders are invited from the Contractors having A class electrical license issued from Electrical Inspectorate, Govt. of MP Bhopal and registered with the MPPKVVCL with registration fee* of Rs 1 Lakh plus applicable GST or registered in QC Portal as erection Contractor for survey, installation, testing and commissioning of 11 KV line, 11/0.433 KV distribution transformer, LT line and replacement of LT Cable under different schemes in the area of O&M Circle MPPKVVCL ANUPPUR as per scope of work detailed below:-

Sl. No.	TS No. (For e-Tendering) Discom-EZ/Pur	Particular of work	Approx Value (Rs. in Lakh)	Tender Fee (in Rs)	Due date & time of opening of tender online from 02:30 Hrs
1	SE/SDL/PUR/2342 dt. 30.01.2026 (e Tender No. 2026_PKVVC _479660_1)	Empanelment of contractors to award a Contract for survey, installation, testing and commi-ssioning of 11 KV line, 11/0.433 KV distribution transformer, LT line and replacement of LT Cable under different schemes in the O&M Circle ANUPPUR	48.20	2360 with GST	28.02/2026

• Firms already registered with MPPKVVCL, Jabalpur and valid on the date of Bid opening, need not to register afresh.
• GST shall be payable extra as applicable at the time of bidding. Present rate of GST is 18%.
NOTE: - 1. Other details can be seen in the complete tender documents available on e-portal https://mptenders.gov.in.
2. Tender documents can be purchased only online and download from main portal https://mptenders.gov.in by making online payment for the prescribed non- refundable tender document fees. Only in case if the tender is dropped without opening, the tender fees shall be refunded after deduction of necessary portal charges. Manual purchase of tender is not allowed. It is mandatory for all the bidders to pay tender document fees to participate in tender.

Superintending Engineer (O&M)
M.P.P.K.V.V.Co.Ltd., ANUPPUR

कार्यालय नगर पालिका परिषद चौरई जिला - छिंदवाड़ा (म०प्र०)
(कार्यालय दूरभाष एवं फैक्स नं. 07166-222106 (ईमेल-emochorai@mpurban.gov.in)
क्रमांक/0674/ई टेण्डरिंग/जल.शा./न.पा. 2026 चौरई दिनांक 6/2/2026

आनलाईन निविदा सूचना (प्रथम आमंत्रण)

एतद्‌ द्वारा सूचित किया जाता है कि नगरपालिका परिषद चौरई द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में जलप्रदाय सामग्री क्रय करने हेतू निर्माता/पंजीकृत सप्लायर/डीलर/फर्म से आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। आनलाईन निविदाए वेबसाईट www.mptenders.gov.in Department Name - Urban Administration and Development Departmen से क्रय की जा सकती है।

क्रमांक	ऑनलाईन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य की अवधि
1	2026_UAD _481010_1	जलप्रदाय सामग्री प्रदाय वित्तीय वर्ष 2026-27	30.00 लाख	22500	5000	जलप्रदाय सामग्री आदेश दिनांक से 07 दिवस की अवधि में वर्ष 2026-27

नोटः-1. इच्छुक एवं पात्र निविदादाता विस्तृत निविदादाता विस्तृत निविदा एवं अन्य समस्त जानकारी https://www.mpetenders.gov.in पर देख सकते है। 2. ऑनलाईन निविदा प्रपत्र दिनांक 07/02/2026 समय सुबह 10.30 बजे से दिनांक 09/03/2026 समय सांय 5.30 बजे तक वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते है। 3. ऑनलाईन निविदा खरीदने एवं विड सबमिट करने की अंतिम तिथि 09/03/2026 समय 5.30 बजे तक होगी 4. ऑनलाईन निविदा दिनांक 11/03/2026 को समय दोपहर 2.00 बजे खोली जावेगी। 5. ई-निविदा से संबंधित शर्ते एवं कार्य व सामग्री का विवरण कार्यालयीन समय में संबंधित विभाग में देखी जा सकती है। 6. निविदा में किये जाने वाले संभावित संशोधन की सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं की जावेगी, निविदा से संबंधित संशोधन वेबसाइट पर ऑनलाईन देखे जा सकते है।

(श्रीमती पूर्णिमा जैन) अध्यक्ष (श्री सिरपत नायक) उपाध्यक्ष (श्री मेहन्द्र वर्मा) सभापति जलकार्य एवं सीवेरज (श्री अभयराज सिंह) मुख्य नगर पालिका अधिकारी

नगर पालिका परिषद चौरई

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मण्डला (म.प्र.)
दूरभाष-07642-252443 ई-मेल - eephedmal@mp.nic.in फैक्स-07642-253622

निविदा क्र.118/2025-26/नि. शाखा/लो.स्वा.यां./2026 मण्डला, दिनांक 05.02.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नानुसार कार्य हेतु ऑनलाईन वेबसाईट http://mptenders.gov.in/nicgep/app पर निविदा आमंत्रित किये जाते है। ऑन लाईन निविदा प्रस्तुत किये जाने की अंतिम तिथि 17/02/2026 सायं 17.30 बजे तथा निविदा खुलने का दिनांक 19/02/2026 सायं 12.00 बजे के पश्चात है। निविदा से सम्बंधित कोई भी संशोधन ई-टेण्डरिंग पोर्टल पर प्रदर्शित है। विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट http://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है

Name of Work:- Conducting Yield Test for 24 hrs of 50 nos Tubewells in Sub division Mandla of District Mandla.

S. N.	NIT No.	Tender ID No.	Name of Sub division	No of Survey	Tender Amount	EMD	Tender Fee	Time
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	118/ 25-26	2026_PHED _480663_1	Mandla	50 Nos	12.24	24500	2000	06 Months

नोट :- निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर केश कार्ड, ए. टी. एम. कम डेबिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से ऑनलाईन भुगतान पर क्रय किया जा सकता है।

कार्यपालन यंत्री
G-25621/25 "स्वच्छता ही सेवा" लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मण्डला (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, (भ / स) संभाग कटनी (म. प्र.)
E-mail- eepwdkatni@nic.in Phone No. 07622-224277

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 20/ व.ले.लि. / 2025-26 / **निविदा आमंत्रण सूचना** कटनी, दिनांक 04/02/2026

मध्यप्रदेश शासन लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत व्यवस्थापन के अन्तर्गत ठेकेदार से राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग भोपाल की प्रभावशील दर अनुसूची दिनांक 01.01.2024 (भवन) तथा दिनांक 11.04.2025 (सड़क) समस्त संशोधन सहित कार्य हेतु निविदायें आनलाईन Appendix 2.10 निविदा में आमंत्रित की जाती है बिड सेल आनलाईन https://mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकेगी। निविदायें सम्बन्धित कार्यालय में टेण्डर टाईम शैडयूल के अनुसार खोली जावेगी।

क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	जिला	एस.ओ. आर.	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	अनुमानित लागत राशि (रु.लाख में)	कार्य की अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यपूर्ण करने की संभावित तिथी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	2026_PWDRB _479884_1	कटनी	11.04.25	सड़क	कुदरा से भुड़सा मार्ग में विशेष द्वितीय मजबूतीकरण का कार्य लंबाई 4.0 कि.मी.	द्वितीय	82.72	82720.00	10000	3 माह वर्षा ऋतु सहित
					योग		82.72			

निविदा की कुल अनुमानित राशि रुपए 82.72 लाख (बयासी लाख बहत्तर हजार मात्र)

उपरोक्त वेवसाईट आन लाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने तथा आनलाइन बिड सबमिशन की अंतिम तिथि 23.02.2026 सांय 17.30 बजे तक निर्धारित है। ई. एम. डी. केवल आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी एवं अन्य दस्तावेज केवल आनलाईन माध्यम से ही प्राप्त की जावेगी। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी का विवरण शासन की वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
G-25615/25 "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार" लोक निर्माण विभाग (भ / स) संभाग कटनी

चिंतन

शहरों के विकास पर नए तरीके से सोचना होगा

देश में शहर तेजी से फैल रहे हैं, लेकिन विकास की यह रफ्तार अब आम लोगों की जान और सेहत के लिए खतरा बनती जा रही है। सड़कें, मॉल, दुकानें, सीवर और पानी की लाइनें सब कुछ बन रहा है, लेकिन बिना समुचित योजना, निगरानी और जवाबदेही के। नतीजा यह है कि शहरों में होने वाले हादसे अब अपवाद नहीं, बल्कि एक कड़वी सच्चाई बन चुके हैं। सवाल यह नहीं है कि हादसे क्यों हो रहे हैं, बल्कि यह है कि इन्हें रोकने के लिए जिम्मेदार कौन हैं और कब तक इस लापरवाही को दुर्घटना कहकर टाला जाता रहेगा। शहरों की बदहाल स्थिति के लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी अव्यवस्थित विकास मॉडल की है। सड़कों की खुदाई, निर्माणाधीन मॉल और दुकानों के आसपास खुले गड्ढे, बिना बैरिकेडिंग के चल रहा काम और सुरक्षा मानकों की अनदेखी ये सभी सीधे तौर पर इंसानी जान से खिलवाड़ हैं। हाल के दिनों में सामने आई घटनाएं इस व्यवस्था की पोल खोलने के लिए काफी हैं। नोएडा में पिछले महीने सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत एक दर्दनाक उदाहरण है। निर्माणाधीन मॉल के पास बिना बैरिकेड और चेतावनी संकेतों के खुले, पानी से भरे गहरे गड्ढे में उनकी कार गिर गई। इंजीनियर ने खुद पुलिस को फोन कर मदद मांगी, लेकिन समय पर सहायता नहीं मिली और उनकी जान चली गई। यह हादसा नहीं, बल्कि सिस्टम की असंवेदनशीलता और लापरवाही का नतीजा था। अब दिल्ली में भी ऐसी ही एक और भयावह घटना सामने आई, जहां 25 वर्षीय युवक रात में घर लौटते समय दिल्ली जल बोर्ड के पास करीब 4.5 मीटर गहरे गड्ढे में गिर गया। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि वह युवक करीब आठ घंटे तक गड्ढे में पड़ा तड़पता रहा, मदद के लिए गुहार लगाता रहा, लेकिन कोई जिम्मेदार अधिकारी या विभाग हरकत में नहीं आया। न चेतावनी बोर्ड थे, न बैरिकेडिंग और न ही निगरानी। यह गड्ढा सिर्फ सड़क में ही नहीं, बल्कि सिस्टम की जवाबदेही में भी उतना ही गहरा था। जांच एजेंसियों ने इस मामले को महज दुर्घटना नहीं, बल्कि गंभीर और आपराधिक लापरवाही माना है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या महज कुछ गिरफ्तारियों से शहर सुरक्षित हो जाएंगे? शहरों की दुर्दशा का एक और पहलू बढ़ता प्रदूषण है। धूल, अव्यवस्थित ट्रैफिक, लगातार चल रहे निर्माण कार्य और सर्दियों में स्मॉग ने शहरों में सांस लेना तक मुश्किल कर दिया है। प्रदूषण और सड़क हादसे मिलकर हर साल हजारों जिंदगियों को लील रहे हैं। यह सिर्फ स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि शहरी नियोजन की विफलता का भी मुद्दा है। अब समय आ गया है कि सरकार और शहरी प्रशासन नए सिरे से सोचें। जैसे देशभर में बाईपास और राष्ट्रीय राजमार्गों का जाल बिछाया गया, वैसे ही शहरों के अंदरूनी ढांचे के लिए भी दीर्घकालिक और समग्र योजना बनाई जाए। आबादी के अनुपात में सड़कें, ड्रेनेज सिस्टम, सीवरेज और पानी की लाइनें विकसित हों। इंदौर जैसी घटनाएं, जहां पानी और सीवर की लाइनें एक साथ होने से लोगों की जान गई, यह बताती हैं कि बुनियादी सुविधाओं में तालमेल की कितनी कमी है। सबसे जरूरी है जवाबदेही तय करना। हर निर्माण कार्य के लिए स्पष्ट जिम्मेदारी, नियमित निरीक्षण और सुरक्षा मानकों का सख्त पालन अनिवार्य होना चाहिए। खुले गड्ढे, अधूरे काम और लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। हादसे के बाद मुआवजा और जांच से ज्यादा जरूरी है हादसों को होने ही न देना। शहर तभी सच में विकसित कहलाएंगे, जब वहां रहने वाले लोग खुद को सुरक्षित व स्वस्थ महसूस करें।

नक्सलवाद
रोहित माहेश्वरी

लाल आतंक से मुक्ति की ओर बढ़ रहा देश

> देश का 90 प्रतिशत क्षेत्र पहले ही नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है। पिछले 11 वर्षों में, केंद्र सरकार की समन्वित, बहुआयामी रणनीति, जिसमें सुनियोजित सुरक्षा अभियान, अभूतपूर्व अवसंरचना विकास, वित्तीय दबाव, तीव्र विकास और एक आकर्षक आत्मसमर्पण नीति शामिल है, ने वामपंथी उग्रवाद को 2014 में 126 जिलों से घटाकर 2025 में मात्र 11 जिलों तक सीमित कर दिया है। कभी नक्सलियों के अभेद किले के रूप में जाने जाने वाला नेशनल पार्क एनकाउंटर जोन बनता जा रहा है। अब सुरक्षाबलों के कैंप बन जाने के बाद यहां से लाल आतंक के पैर उखड़ने लगे हैं। छत्तीसगढ़ में नक्सल अभियान को चलाने वाले बड़े नक्सली बची ही नहीं हैं। अब पूरा नक्सली संगठन ही नेतृत्व विहीन हो चुका है।

जिस तरीके से पूरे देश में नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया गया है, उससे एक बात साफ है कि केंद्र की मोदी सरकार पूर्ण दृढ़ संकल्प और शपथ के जिस पथ को लेकर चल रही थी, उसमें एक मजबूत रणनीति अब दिखने लगी है। केंद्र सरकार ने इस साल 31 मार्च तक लाल आतंक को खत्म करने की समय सीमा तय कर रखी है। जो पूरी होती दिखने लगी है। देश का 90 प्रतिशत क्षेत्र पहले ही नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है। 1967 में बंगाल के नक्सलबाड़ी से शुरू हुई नक्सलवाद की समस्या ने दशकों तक लाखों निर्दोष लोगों और सुरक्षाकर्मियों की जान ली और कई क्षेत्रों को विकास से वंचित रखा। 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ एक ठोस और प्रभावी रणनीति अपनाई। पिछले 11 वर्षों में, केंद्र सरकार की समन्वित, बहुआयामी रणनीति, जिसमें सुनियोजित सुरक्षा अभियान, अभूतपूर्व अवसंरचना विकास, वित्तीय दबाव, तीव्र विकास और एक आकर्षक आत्मसमर्पण नीति शामिल है, ने वामपंथी उग्रवाद को 2014 में 126 जिलों से घटाकर 2025 में मात्र 11 जिलों तक सीमित कर दिया है, जिनमें से केवल तीन ही सबसे अधिक प्रभावित बचे हैं, जो लाल गलियारे के लगभग खात्मे का संकेत है। अकेले साल 2025 में, 317 नक्सलियों शीर्ष नेतृत्व सहित को मार गिराया गया, 800 से अधिक को गिरफ्तार किया गया और लगभग 2,000 ने आत्मसमर्पण किया, जिससे नक्सलियों को अब तक की सबसे बड़ी क्षति मिली और मार्च 2026 तक नक्सल-मुक्त भारत की ओर तेजी से प्रगति हुई। छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा बस्तर संभाग नक्सल प्रभावित है। इसमें सात जिले शामिल हैं। ये जिले महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के साथ सीमा साझा करते हैं, और लंबे समय से इसे माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माने जाते रहे हैं। पिछले कुछ सालों में इस क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान तेज हुए हैं, जिससे नक्सलवाद पर तगड़ा प्रहार हुआ है। छत्तीसगढ़ में साल 2024 से अब तक सीपीआई माओवादी के महासचिव नंबाला केशवा राव उर्फ बसवराजू जैसे टॉप नक्सल लीडर सहित 500 से अधिक नक्सलियों को फोर्स ने एनकाउंटर में मार गिराया है। इस साल अब तक छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ में 23 माओवादी मारे जा चुके हैं। तीन जनवरी को, बस्तर क्षेत्र में दो मुठभेड़ में कुल 14 माओवादी मारे गए थे। जिस तरह से आत्मसमर्पण को लेकर नक्सलियों की संख्या बढ़ी है, उससे एक बात साफ है कि नक्सलियों के भीतर इस बात का भय बैठ गया है, कि 31 मार्च तक आत्मसमर्पण नहीं किया गया तो सरकार किसी तरह के समझौते के मूड में अब नहीं है। इसका परिणाम भी दिखा है। छत्तीसगढ़ में नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाल रहे माओवादी कमांडर जो यहां रहे वे सभी मारे गए हैं। हिड़मा से लेकर जिन लोगों को भी छत्तीसगढ़ में कमान दी गई थी, या तो वह राज्य छोड़कर चले गए या फिर न्यूट्रलाइज हुए हैं। बचे हुए कैडर के पास अब इतनी क्षमता नहीं बची, कि वो नक्सल अभियान को आगे लेकर चल सकें। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के लिए नेशनल पार्क का 2799 वर्ग किलोमीटर का इलाका सबसे सुरक्षित इलाका माना जाता था। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और तेलंगाना का बॉर्डर इलाका घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा है। माओवादी इसे अपने कॉरिडोर के रूप में उपयोग करते थे, यह भी कहा जा सकता है, कि यह इलाका नक्सलियों का सबसे अभेद दुर्ग वाला

इलाका रहा है। कभी नक्सलियों के अभेद किले के रूप में जाने जाने वाला नेशनल पार्क एनकाउंटर जोन बनता जा रहा है। अब सुरक्षाबलों के कैंप बन जाने के बाद यहां से लाल आतंक के पैर उखड़ने लगे हैं। साल 2025 के बाद जिस नक्सल अभियान को चलाया गया उसमें यह बात तय की गई, कि मानसून के मौसम में भी इस अभियान को नहीं रोका जाएगा। नक्सलवाद को खत्म करने को लेकर चलाए जा रहे अभियान में हेलीकॉप्टर मिल जाने के बाद सुरक्षाबलों को बहुत सहूलियत मिल गई। मॉनिटरिंग भी तेज हो गई। नेशनल पार्क इलाके में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और तेलंगाना के बॉर्डर पर फोर्स तैनात होने के साथ ही सुरक्षा बलों ने कैंप खोल दिए, जिससे फोर्स की गतिविधियां तेज हो गईं। छत्तीसगढ़ में हुए नक्सली एनकाउंटर और उसमें जिस तरीके के नक्सली मारे गए, उसके बाद छत्तीसगढ़ में नक्सल अभियान को चलाने वाले बड़े नक्सली बचे ही नहीं हैं। जो भी नक्सली छत्तीसगढ़ में नक्सली संगठन को दिशा देते थे, उसके लिए रणनीति बनाते थे, उन तमाम नक्सलियों को या तो न्यूट्रलाइज किया गया या फिर कई ऐसे हैं जिन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया। अब पूरा नक्सली संगठन ही नेतृत्व विहीन हो चुका है। यह एक बड़ी वजह है कि 60 दिनों के भीतर इसे पूरे तौर पर खत्म कर दिया जाएगा। केंद्र सरकार ने एनआईए में एक समर्पित विभाग बनाकर नक्सलियों के वित्तपोषण पर प्रभावी ढंग से लगाम लगा दी है। इस विभाग ने 40 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है, जबकि राज्यों ने भी 40 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है और प्रवर्तन निदेशालय ने 12 करोड़ रुपये कुर्क किए हैं। इस एक साथ की गई कार्रवाई से शहरी नक्सलियों को गंभीर नैतिक और मनोवैज्ञानिक क्षति पहुंची है और उनके सूचना युद्ध नेटवर्क पर नियंत्रण और भी कड़ा हो गया है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि देश के नक्सल मुक्त करने को लेकर बनी रणनीति में राज्यों के बीच समन्वय मजबूत आधार बना। राज्यों के बीच आपसी तालमेल नहीं होना नक्सलियों के सफल होने का एक कारण होता था। नक्सलियों को समाप्त करने को लेकर जब रणनीति तैयार होनी शुरू हुई, तो उसके लिए पहली लाइन समन्वय की बनाई गई, ताकि इस अभियान को बल मिले। बीती 8 फरवरी को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में हुई एक विशेष कॉन्क्लेव के दौरान शाह ने माओवादियों से हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की पुरजोर अपील की। भारत सरकार ने वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क और मोबाइल कनेक्टिविटी का विस्तार करके बुनियादी ढांचे को काफी मजबूत किया है, जिससे पहुंच, सुरक्षा प्रतिक्रिया और सामाजिक-आर्थिक एकीकरण में सुधार हुआ है। मई 2014 से अगस्त 2025 तक, केंद्र सरकार ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में 12,000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया है, जबकि कुल 17,589 किलोमीटर की परियोजनाओं को 20,815 करोड़ की लागत से स्वीकृत किया गया है। इन सबके बीच नक्सलवाद के खत्म होने के बाद विकास की जिस बुनियाद को जमीन पर उतरना है, वह बहुत बड़ी चुनौती है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण उन सरेंडर नक्सलियों की है जिन्होंने सरेंडर पॉलिसी के तहत आत्मसमर्पण किए हैं। उनको समाज की मुख्यधारा से जोड़े रखना बड़ी चुनौती है। यहां शासकीय कमजोरी या प्रशासनिक ढांचे की लचर व्यवस्था की कोई भी छाप इस अभियान को फेल करने की बड़ी वजह बन सकता है। इसमें सबसे जरूरी है आम सुविधाओं का विस्तार और जो लोग सरकार की व्यवस्था पर भरोसा करके आए हैं, उस भरोसे को कायम रखने के सरकार के वैसे निर्णय जो सिर्फ विकास के लिए जाने जाते हैं, सबसे बड़ी चुनौती हैं। वास्तव में, देश से नक्सलवाद का खत्म होना विकासवाद की उस अवधारणा की पहली कुंजी है, जिससे भारत पूरे विश्व के फलक पर एकजुट होकर सिर्फ विकास की लड़ाई लड़ेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

संसद सत्र
अम्बरीष प्रजापति

जनता की उम्मीदों पर भारी पड़ता 'हंगामा'

भारतीय संसद भारतीय लोकतंत्र का मंदिर है जहां से देश की नीति और नियति तय होती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में सत्र दर सत्र हंगामे की भेंट चढ़ने का एक चिंताजनक चलन बढ़ा है। जब संसद की कार्यवाही बाधित होती है, तो यह केवल शोर-शराबा नहीं होता, बल्कि देश के विकास की गति पर ब्रेक होता है। 2026 में हाल ही के सत्र में महामहिम राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बोलना था लेकिन प्रधानमंत्री के बोलने से पहले ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया और सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस सत्र में 3 फरवरी को 36 मिनट, 4 फरवरी को 30 मिनट और 5 फरवरी को सिर्फ 12 मिनट संसद चली। संसद सत्र को 6 दिन में 42 घंटे चलना था लेकिन मात्र 7 घंटे 69 मिनट ही चला। 34 घंटे 31 मिनट का समय हंगामे के कारण बर्बाद हो गए। संसद सत्र के इन 6 दिनों में 25 करोड़ 89 लाख रुपये फिजूल में अपव्यय हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। सरकार हर सत्र में जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयकों और नीतियों पर चर्चा के लिए तैयार रहती है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष की ओर से लोकतांत्रिक चर्चा के बजाय 'हंगामे' को एक हथियार बना लिया गया है। संसद का बाधित होना केवल सरकार की कार्यवाही रोकना नहीं, बल्कि देश की प्रगति में रोड़ा अटकाना है। संसद की कार्यवाही का बार-बार स्थगित होना अब एक सामान्य प्रक्रिया बनती जा रही है, लेकिन इसके पीछे छिपे आर्थिक और विधायी नुकसान इतने गहरे हैं कि वे आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को प्रभावित कर रहे हैं। संसद के हालिया सत्रों के आंकड़े बताते हैं कि जब सदन में संवाद होता है तो जनहित के कार्य सार्थक होते है, लेकिन गतिरोध होने पर जनता के करोड़ों रुपये और सैकड़ों घंटे पानी में बह जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सत्र के दौरान संसद चलाने का अनुमानित खर्च लगभग 2.5 लाख रुपए प्रति मिनट तक आता है। यदि पूरा एक दिन हंगामे की भेंट चढ़ता है तो लगभग 8 से 9 करोड़ का सार्वजनिक धन बर्बाद हो जाता है। सोचने वाली बात है, यही पैसा जो स्कूल, अस्पताल या बुनियादी ढांचे के निर्माण में खर्च हो सकता था, लेकिन हंगामे के कारण जनता का पैसा बिना किसी कार्य के बर्बाद हो रहा है। बीते संसद सत्रों में भी ऐसा कुछ हाल रहा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बजट सत्र 2024 में लोकसभा में 123%, राज्यसभा में 110% बजट पर चर्चा हुई। मानसून सत्र 2025 में लोकसभा में 29%, राज्यसभा में 34% चर्चा हुई। शीतकालीन सत्र 2025 में लोकसभा में 111%, राज्यसभा में 121% चर्चा हुई। हंगामे के कारण करीब दो-तिहाई समय बर्बाद हुआ। प्रश्नकाल के दौरान मानसून सत्र 2025 में लोकसभा में केवल 23% और राज्यसभा में मात्र 6% प्रश्नकाल का उपयोग हो पाया। इसका अर्थ है कि जनता के 100 में से 90 से ज्यादा सवालों के जवाब मंत्रियों को देने की आवश्यकता ही नहीं पड़ी। मानसून सत्र 2025 में निर्धारित घंटों का लगभग 70% समय शोर-शराबे और स्थगन की भेंट चढ़ गया। लोकतंत्र में संसद वह स्थान है जहां सुझाव दिए जाते हैं और कमियां बताई जाती हैं। सरकार ने बार-बार स्पष्ट किया है कि वह हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। सरकार ने बजट सत्र 2024 और शीतकालीन सत्र 2025 में रिकॉर्ड बिल पेश किए, लेकिन विपक्ष ने चर्चा में भाग लेने की बजाय वेल में आकर नारेबाजी करना बेहतर समझा। ऐसे ही मानसून सत्र में हंगामे के बीच 8 विधेयक बिना किसी विस्तृत चर्चा के पारित हो गए। पक्ष व विपक्ष आपस में एक दूसरे को दोष देना मात्र ही समस्या का समाधान नहीं है। इसके लिए संसद में सार्थक बदलाव की आवश्यकता हैं। कार्यवाही का अनिवार्य समय तय हो। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि 'जितने घंटे हंगामे में बर्बाद हों, सदन उतनी ही देर अतिरिक्त चले' और सदन स्थगन होने पर सत्र पर होने वाला खर्च संसद सदस्यों के वेतन भत्ता से कटौती करने पर विचार किया जाना चाहिए। सदन की गरिमा भंग करने वाले सदस्यों पर दंडात्मक कार्रवाई हो। सत्र के दौरान पक्ष व विपक्ष की तरफ से आरोप-प्रत्यारोप करने से बचना चाहिए, बल्कि आरोप-प्रत्यारोप के लिए दिन निर्धारित करने के संबंध में विचार किया जाना चाहिए ताकि संसद सत्र सुचारु रूप से चल सके। सरकार को भी विपक्ष की मांगों को सुनने के लिए उदारता दिखानी चाहिए ताकि टकराव की स्थिति न बने। संसद केवल ईंट-पत्थरों की इमारत नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की आशाओं का केंद्र है। लोकतंत्र संवाद से चलता है, गतिरोध से नहीं। बार-बार का व्यवधान न केवल वित्तीय बर्बादी है, बल्कि इससे जनता का लोकतंत्र पर भरोसा कम भी होता है। सरकार की प्राथमिकता हमेशा 'राष्ट्र प्रथम' रही है। विपक्ष को चाहिए कि वह विरोध करने की राजनीति छोड़कर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सहभागी बने।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पृथ्वी-जल-अग्नि-वायु व आकाश को देवता का दर्जा

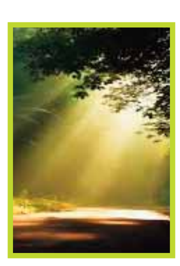

संकलित
दर्शन

प्रदूषण की विनाशलीला को देखते हुए भारतीय ऋषियों ने कदम-कदम पर मानव को सजग किया है। चूंकि मनुष्य पंचमहाभूतों का समन्वय रूप है इसलिए सबसे पहले आध्यात्मिक महापुरुषों ने इसे जन्म से लेकर मृत्यु तक के अलग-अलग संस्कारों के साथ जोड़ दिया, ताकि मां के गर्भ में आने से लेकर सौ वर्ष तक वह अदैन्य भाव में जी सके। सबसे पहले भारतीय ऋषियों ने वसुधैव कुटुंबकम् की जो परिकल्पना की, उसमें नख से लेकर शिख तक पूरा शरीर एक वसुधा (धरती) के समान है। शरीर के किसी भी हिस्से में तकलीफ है तो यह शरीर रूपी विश्व को प्रभावित करेगी। इसके अलावा मनुष्य के जीने के जितने भी स्नेत हैं, वे सभी कुटुंब के सदस्यों की तरह हैं। जिसे 'क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा, पंच रचित यह अधम शरीरा' से समझा जा सकता है। शरीर का आंतरिक हिस्सा चूंकि अधम है इसलिए वाह्य प्रकृति से उत्तमोत्तम पदार्थ ग्रहण कर उसके स्वरूप को और अधिक विकृत होने से बचाया जाना नितांत जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश सबको देवता का दर्जा दिया गया। द्वापर युग के महानायक भगवान श्रीकृष्ण का पूरा जीवन ही प्रदूषण के खिलाफ संघर्ष और जन जागरण का है। उम्र की परवाह न कर वह यमुना के प्रदूषित तत्व कालिया नाग का वध, प्रदूषित अग्नि लगाने वाले प्रलंबासुर का वध, अंतरिक्ष को शुद्ध करने के लिए व्योमासुर का वध, धरती की शुद्धता के लिए गो पालन करते हैं। त्रेता युग में रावण ने भी खर और दूषण नामक पर्यावरण-शत्रु तैनात किया था।

मंजिल तक कैसे पहुंचा जाए

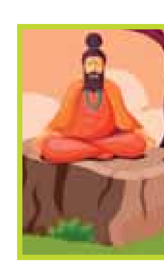

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक संत ने अपने दो भक्तों को बुलाया और कहा आप को यहां से पचास कोस जाना है। एक भक्त को एक बोरी खाने के समान से भर कर दी और कहा- जो लायक मिले उसे देते जाना। और एक को खाली बोरी दी उससे कहा रास्ते में जो उसे अच्छा मिले उसे बोरी में भर कर ले जाए। दोनों निकल पड़े जिसके कंधे पर समान था वो धीरे चल पा रहा था। खाली बोरी वाला भक्त आराम से जा रहा था। थोड़ी दूर उसको एक सोने की ईंट मिली उसने उसे बोरी में डाल लिया। थोड़ी दूर चला फिर ईंट मिली उसे भी उठा लिया। जैसे-जैसे चलता गया उसे सोना मिलता गया और वो बोरी में भरता हुआ चल रहा था। और बोरी का वजन बढ़ता गया उसका चलना मुश्किल होता गया और सांस भी चढ़ने लग गई। एक-एक कदम आगे चलना कठिन होता गया। दूसरा भक्त जैसे-जैसे चलता गया रास्ते में जो भी मिलता उसको बोरी में से खाने का कुछ समान देता गया धीरे-धीरे बोरी का वजन कम होता गया। और उसका चलना आसान होता गया। जो बांटता गया उसका गंतव्य स्थान तक पहुंचना आसान होता गया। और जो लालच में आकर इकट्ठा करता रहा वो रास्ते में ही दम तोड़ गया। हम सभी को अब ये सोचना चाहिए कि हमने जीवन में क्या बांटा और क्या इकट्ठा किया हम मंजिल तक कैसे पहुंच पाएंगे, आखिर लालच ही बुरी बला है।

सटाका

आज की पाती

जीव-जंतु व वनस्पति की सुरक्षा जरूरी

जीव-जंतु व वनस्पति की सुरक्षा जरूरी आध्यात्मिक, सामाजिक, प्राकृतिक व किसी भी रूप से किसी भी जानवर और वनस्पति को नष्ट करना वर्जित है। विशेषकर वन और मनुष्य एक दूसरे के पर्याय ही हैं। इसलिए जल, जंगल व जमीन की निरंतर सुरक्षा और संरक्षण बहुत ही आवश्यक हो जाता है। प्रदेश के सम्पूर्ण प्राणिजात व वनस्पतिजात (फ्लोरा एंड फौना) का पूर्ण संरक्षण और संवर्धन निश्चित रूप से अनिवार्य है। जिस प्रकार हमारे सारे वातावरण में प्रत्येक पेड़-पौधे, जड़ी-बूटी का होना प्राकृतिक रूप से अनिवार्य है, उसी प्रकार छोटे से छोटे और बड़े से बड़े जंगली जानवरों की उपस्थिति भी बहुत ही आवश्यक है। यह सत्य है कि हमने ही जंगली जानवरों के अधिकार क्षेत्र में घुसपैठ कर दी है।

- रमेश सरकार, भाटापारा

ट्रेंड

विश्वास की परंपराएं मजबूत

भारत और सेशेल्स के संबंध केवल राजनयिक संपर्क तक सीमित नहीं है। हिंद महासागर की लहरें सदियों से हमारे लोगों को जोड़ती आई हैं। इसके तटों पर दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ा, संस्कृतियां मिलीं और विश्वास की परंपराएं मजबूत होती गईं।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

वैश्विक पहचान पा रहा बस्तर

नक्सलियों ने जिस बस्तर को सदियों तक आईईडी और बारूदों के अंधकार में झोंक रखा था, मोदी जी के नेतृत्व में वहां की कला, संस्कृति, खान-पान और विरासत वैश्विक पहचान पा रही है। जगदलपुर में 'बस्तर पंडुम' में जनजातीय कला व संस्कृति की समृद्ध विरासत को दर्शाती प्रदर्शनी का अवलोकन किया। **-अमित शाह,** गृहमंत्री

यूएस से तेल खरीद हमारे हित में

अमेरिका से तेल या एलएनजी, एलपीजी की खरीद भारत के अपने रणनीतिक हित में है, क्योंकि हम अपने तेल स्रोतों में विविधता ला रहे हैं। 'ट्रेड डील में यह तय नहीं होता है कि कौन किससे और क्या खरीदेगा। ट्रेड डील व्यापार के रास्ते को आसान बनाता है।
-पीयूष गोयल, केंद्रीय मंत्री

किताब छप चुकी

रक्षा मंत्री ने गलत कहा कि किताब छपी नहीं है, जबकि वह छप चुकी है। राष्ट्रपति के भाषण पर भी एलओपी और विपक्ष को बोलने नहीं दिया गया। सत्तापक्ष के सदस्य ने कई किताबें कोट कर आपत्तिजनक बातें कहीं, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। **-राहुल गांधी,** नेता विपक्ष

करंट अफेयर

सिंगापुर में तमिल समाचार पत्र 'प्रस्तोता' पुरस्कृत

सिंगापुर की समाचार प्रस्तोता पावलाकंथम अजहागरसामी को देश में तमिल प्रसारण पत्रकारिता में उनके योगदान के लिए मीडियाकॉर्प के 'प्रधान विझा 2026' में 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार तमिल प्रसारण पत्रकारिता में उनके असाधारण योगदान को मान्यता देता है। उनका करियर चार दशकों से भी अधिक समय का है और उन्होंने सिंगापुर के मीडिया जगत पर अमिट छाप छोड़ी है। सिंगापुर के सरकारी स्वामित्व वाले मीडिया समूह 'मीडियाकॉर्प' ने रविवार को जारी एक समाचार विज्ञप्ति में बताया कि यह पुरस्कार वार्षिक समारोह के 21वें संस्करण के दौरान प्रदान किया गया जो सिंगापुर के भारतीय मनोरंजन जगत में उत्कृष्टता को सम्मानित करता है। सिंगापुर के राष्ट्रीय मीडिया नेटवर्क ने कहा, 'एक सम्मानित समाचार प्रस्तोता, मार्गदर्शक और उद्योग की मजबूत स्तंभ के रूप में चार दशकों से अधिक लंबे करियर में पावलाकंथम ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। वह आज भी रेडियो और टेलीविजन उद्योग में तमिल मीडिया पेशेवरों की नयी पीढ़ियों का मार्गदर्शन करती हैं।' शनिवार को मीडियाकॉर्प के थिएटर में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदर्शन और कार्यक्रम श्रेणियों के तहत कुल 19 पुरस्कार दिए गए।

ऑफ बीट

बायोएक्टिव ही सब्जियों के कड़वे स्वाद का कारण

यह विकास की एक दुर्भाग्यपूर्ण विचित्रता है कि सब्जियां हमारे लिए बहुत अच्छी हैं लेकिन वे हम सभी के लिए तुरंत स्वादिष्ट नहीं होती हैं। हम उच्च ऊर्जा वाले खाद्य पदार्थों के मीठे या उम्दा स्वाद का आनंद लेने के लिए विकसित हुए हैं, क्योंकि भुखमरी दीर्घकालिक स्वास्थ्य की तुलना में अधिक तात्कालिक जोखिम है। सब्जियाँ विशेष रूप से उच्च ऊर्जा वाली नहीं होती हैं, लेकिन वे आहार फाइबर, विटामिन और खनिजों और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले यौगिकों से भरपूर होती हैं जिन्हें बायोएक्टिव कहा जाता है। ये बायोएक्टिव ही सब्जियों के कड़वे स्वाद का कारण बनते हैं। पादप बायोएक्टिव, जिन्हें फाइटोन्यूट्रिएंट्स भी कहा जाता है, पौधों द्वारा पर्यावरणीय तनाव और शिकारियों से खुद को बचाने के लिए बनाए जाते हैं। वही चीजें जो पौधों के खाद्य पदार्थों को कड़वा बनाती हैं, वही चीज़ें उन्हें हमारे लिए अच्छा बनाती हैं। दुर्भाग्य से, कड़वा स्वाद हमें जहरों से और संभवत: एक ही पौधे को अधिक खाने से बचाने के लिए विकसित हुआ, तो एक तरह से, पादप खाद्य पदार्थों का स्वाद जहर जैसा हो सकता है। हममें से कुछ के लिए, यह कड़वी अनुभूति विशेष रूप से तीव्र है, और दूसरों के लिए यह इतनी बुरी नहीं है। यह आंशिक रूप से हमारे जीन के कारण है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

'बस्तर पंडुम' का समापन

शाह बोले- माओवाद से समाज को कभी लाभ नहीं मिला, इससे विनाश ही हुआ

अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी का लक्ष्य बस्तर की संस्कृति और विरासत को विश्व पटल तक पहुंचाना है, ताकि इसकी पहचान बंदूक और विस्फोटकों से नहीं बल्कि परंपरा से हो। शेष बचे कई नक्सलियों में युवा आदिवासी लड़कियां भी शामिल हैं, उनका पुनर्वास जरूरी है क्योंकि उनका पूरा जीवन आगे पड़ा है

एजेंसी ▶▶ जगदलपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि माओवाद ने कभी किसी समाज को लाभ नहीं पहुंचाया और जहां भी यह मौजूद रहा, उसने तबाही फैलाई। उन्होंने इस संबंध में कोलंबिया, पेरू और कंबोडिया जैसे देशों का उदाहरण दिया। शाह ने छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के मुख्यालय जगदलपुर में 'बस्तर पंडुम 2026' सांस्कृतिक कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए दोहराया कि 31 मार्च तक देश से नक्सलवाद की समस्या पूरी तरह खत्म हो जाएगी। उन्होंने नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने और मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की और उन्हें सम्मानजनक पुनर्वास का वादा किया। ऐतिहासिक लालबाग मैदान में आयोजित तीन दिवसीय संभाग स्तरीय 'बस्तर पंडुम' के समापन समारोह में उनके आगमन पर सीएम विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद महेश कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव ने उनका स्वागत किया।

स्कूल और अस्पताल जलाने वालों को नहीं बख्शेंगे

नक्सलियों से मुख्यधारा में शामिल होने की अपील

जगदलपुर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भव्य स्वागत किया

बस्तर की पहचान उसकी संस्कृति

अमित शाह ने कहा कि सरकार बस्तर की संस्कृति को आने वाले दशकों तक सुरक्षित रखना चाहती है। पीएम मोदी का लक्ष्य बस्तर की संस्कृति और विरासत को विश्व पटल तक पहुंचाना है, ताकि इसकी पहचान बंदूक और विस्फोटकों से नहीं बल्कि परंपरा से हो। शेष बचे कई नक्सलियों में युवा आदिवासी लड़कियां भी शामिल हैं, उनका पुनर्वास जरूरी है क्योंकि उनका पूरा जीवन आगे पड़ा है।

छग की पुर्नवास नीति आकर्षक

अमित शाह ने नक्सलियों से आत्मसमर्पण की अपील की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की माओवादी पुनर्वास नीति सबसे आकर्षक है। जो लोग गोली चलाना, स्कूल और अस्पताल जलाना जारी रखेंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा, हिंसा का कड़ा जवाब मिलेगा। माओवाद ने समाज को कभी लाभ नहीं पहुंचाया।

बस्तर तेजी से विकास के रास्ते पर

शाह ने कहा कि बस्तर अब तेज विकास के रास्ते पर है। स्कूल फिर से खुल रहे हैं, सड़कें बन रही हैं, मोबाइल टावर लगाए जा रहे हैं, डाकघर खोले जा रहे हैं और गांवों तक बिजली एवं पेयजल पहुंचाया जा रहा है। हमारा संकल्प है कि अगले पांच वर्षों में बस्तर देश का सबसे विकसित आदिवासी बहुल संभाग बने।

स्कूली बच्चों ने दी प्रस्तुति

अमित शाह के बस्तर आगमन पर हजारों स्कूली बच्चों ने 'ऐसा जादू है मेरे बस्तर में' गीत पर सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर उनका स्वागत किया। उनकी शानदार प्रस्तुति ने शाह को भी तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में बालिकाओं ने मलखंब का भी प्रदर्शन किया।

खबर संक्षेप

ऑनलाइन गेम की लत से बढ़ा बीपी, हुई मौत

मेरठ। मेरठ के देहली गेट थाना क्षेत्र के खेरनगर इलाके में ऑनलाइन गेम खेलते समय एक

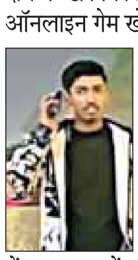

22 वर्षीय युवक की तबीयत अचानक बिगड़ गई। युवक को ब्रेन हैमरेज हुआ था, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान दिल्ली में उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान मोहम्मद कैफ के रूप में हुई है।

सेंगर की याचिका 3 माह में निपटाने के निर्देश

नई दिल्ली। उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत मामले में सुप्रीम कोर्ट ने

दिल्ली हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वह इस मामले से जुड़ी अपीलों की सुनवाई तेजी से करे। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट ने निष्कासित भाजपा नेता कुलदीप सिंह सेंगर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया।

सीबीआई रिपोर्ट में तिरूपति लड्डू में मिलावट

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश साधु परिषद के अध्यक्ष श्रीनिवासानंद सरस्वती ने सोमवार

को आरोप लगाया कि तिरुपति लड्डू पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की रिपोर्ट ने घी में मिलावट की पुष्टि की है। सरस्वती ने दावा किया कि 20 करोड़ रुपए के लड्डू में मिलावट की गई थी। इसके पीछे खाद्य माफिया है।

चॉकलेट के अंदर जिंदा कीड़ा होने का दावा

बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में चॉकलेट के भीतर अंडों के साथ एक जिंदा

कीड़ा मिलने का दावा किया है। बिलासपुर सदर क्षेत्र के मंडी मनवा गांव निवासी रमेश चंद कौंडल ने दावा किया कि चॉकलेट के पैकेट पर खाने के लिए आखिरी तिथि मई 2026 अंकित थी।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

किसी को भी 'बाधा' डालने की अनुमति नहीं चुनाव में लगे अधिकारी डीईओ को रिपोर्ट करें

पीठ ने कहा कि हम किसी को भी एसआईआर प्रक्रिया में बाधा डालने की अनुमति नहीं देंगे। राज्यों को यह बात स्पष्ट हो जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग की ओर से दाखिल हलफनामे का संज्ञान लिया, जिसमें कुछ उपद्रवियों पर एसआईआर संबंधी नोटिस को जलाने का आरोप लगाया गया है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में किसी को भी बाधा डालने की अनुमति नहीं देगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि वह इस मामले में आवश्यक आदेश या स्पष्टीकरण जारी करेगी। पीठ ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। इनमें राज्य की सीएम ममता बेनर्जी की याचिका भी शामिल है, जिसमें एसआईआर अभ्यास के दौरान मतदाता सूची से बड़ी संख्या में लोगों के नाम हटाए जाने की आशंका जाहिर की गई है। पीठ ने कहा कि हम किसी को भी एसआईआर प्रक्रिया में बाधा डालने की अनुमति नहीं देंगे। राज्यों को यह बात स्पष्ट हो जानी चाहिए।

शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग की ओर से दाखिल हलफनामे का संज्ञान लिया, जिसमें कुछ उपद्रवियों पर एसआईआर संबंधी नोटिस को जलाने का आरोप लगाया गया है। उसने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को इस संबंध में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। निर्वाचन आयोग ने कहा कि उपद्रवियों के खिलाफ अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह संदेश जाना चाहिए कि भारत का संविधान सभी राज्यों पर लागू होता है।

मामले में आवश्यक आदेश या स्पष्टीकरण जारी करेगी कोर्ट

उपद्रवियों पर एसआईआर संबंधी नोटिस को जलाने का आरोप

निर्वाचन आयोग ही तय करेगा अधिकारियों की नियुक्ति

केंद्रीय चुनाव आयोग कार्यालय

शीर्ष अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से निर्वाचन आयोग को ग्रुप-बी के 8,505 अधिकारियों की सूची उपलब्ध कराए जाने का संज्ञान लिया। उसने कहा कि इन अधिकारियों को एसआईआर प्रक्रिया में प्रशिक्षित और नियोजित किया जा सकता है। पीठ ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची में संशोधन के सिलसिले में अंतिम निर्णय हमेशा मतदाता सूची अधिकारियों द्वारा ही लिया जाएगा। इन 8,505 अधिकारियों की नियुक्ति का तरीका और कामकाज निर्वाचन आयोग द्वारा तय किया जाएगा।

दोनों पक्षों की शंका का समाधान हो

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रक्रिया में लगे सभी अधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) को रिपोर्ट करेंगे। कोर्ट ने मुकदमे की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील को अनुशासन का पाठ भी पढ़ाया। दरअसल, ममता बेनर्जी की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने कहा, बीते 4 फरवरी को अदालत ने नोटिस जारी किया, जिसमें कई टिप्पणियां थीं। बीते हफ्ते में कई बदलाव हुए हैं। सुनवाई के दौरान ममता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने एसआईआर प्रक्रिया में सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की नियुक्ति और बड़े पैमाने पर योग्य मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर आशंकाएं व्यक्त कीं। दीवान ने पीठ से कहा कि हम नहीं चाहते कि मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर लोगों के नाम हटाए जाएं।

सीजेआई बोले- ये कोई बाजार नहीं

सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी के हस्तक्षेप पर चीफ जस्टिस

सूर्यकांत ने नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि ये कोई बाजार नहीं है। कोर्ट में अनुशासन और गरिमा बनाए रखें। मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि मंदिरों की देखरेख करने वाले एक संगठन ने एक याचिका दायर की है। इस दलील पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, बारी-बारी से सुनते हैं। तल्ख लहजे में जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा- आप किसी बाजार में बैठे हैं या अदालत में हैं।

गुंडा राज अस्वीकार्य

दिल्ली की एक जिला अदालत में वकील और उसके मुवक्किल पर हुए हमले का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। वकील ने कोर्ट को जानकारी दी कि हमलावरों ने कोर्ट रूम का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया था। उस समय जज और कोर्ट के कर्मचारी भी वहीं मौजूद थे। इस मामले पर सीजेआई ने कहा कि अगर पुलिस इस मामले में दखल नहीं दे रही है, तो यह कानून की अवहेलना है। सुप्रीम कोर्ट ने इस घटना को गुंडा राज बताया और कहा कि ऐसी हरकतें बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। बेंच ने वकील को निर्देश दिया कि वह सबसे पहले दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पास जाकर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। कोर्ट ने साफ किया कि अदालत परिसर में इस तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।

डिजिटल धोखाधड़ी पर कोर्ट सख्त

कहा- यह सरासर डकैती है पूरे देश में लागू हो एसओपी

सुप्रीम कोर्ट

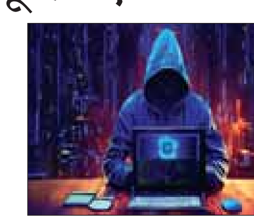

साइबर अपराधी

» 54000 करोड़ से अधिक की राशि ठगी की गई

» बैंक अधिकारियों की मिलीभगत की संभावना

डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए इसे डकैती या लूट करार दिया है। अदालत ने कहा कि अब तक 54,000 करोड़ से अधिक की राशि साइबर ठगी के जरिए निकाली जा चुकी है, जो बेहद गंभीर स्थिति को दर्शाता है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा तैयार किए गए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) को पूरे देश में लागू किया जाए, ताकि डिजिटल फ्रॉड पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके। मामलों में बैंकों की लापरवाही या अधिकारियों की मिलीभगत की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

एजेंसियों के बीच हो तालमेल

कोर्ट ने कहा कि अंतर-विभागीय एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के लिए चार सप्ताह के भीतर एक ड्राफ्ट मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग तैयार किया जाए। ताकि डिजिटल धोखाधड़ी से निपटने में एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय हो सके। सीबीआई देशभर में सामने आए डिजिटल अरेस्ट मामलों की पहचान करे और उनसे जुड़े तथ्यों की विस्तृत जांच की जाए। आरबीआई, दूरसंचार विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियां एक संयुक्त बैठक आयोजित करें।

दीपम विवादः नमाज हर दिन अदा नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ने थिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम विवाद में मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को बरकार रखा है और कहा है कि पहाड़ी के नेल्लीथोप्पु इलाके में मुस्लिम रमजान और बकरीद पर नमाज पढ़ सकते हैं, लेकिन हर दिन वहां नमाज अदा नहीं कर सकते। याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीबी वाराले की पीठ ने हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया और हाईकोर्ट के आदेश को संतुलित आदेश बताया। बता दें, बीते साल दिसंबर में मद्रास हाईकोर्ट ने दरगाह के नजदीक दीपाथून जगह पर दीप प्रजवलित करने की इजाजत दी थी।

पूर्व सेना प्रमुख की किताब पर विवाद

नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक सोशल मीडिया पर हो गई लीक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की आगामी किताब 'फोर

पूर्व सेना प्रमुख

स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के कथित रूप से सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के मामले में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, इस पुस्तक को अभी संबंधित प्राधिकरणों से प्रकाशन की आवश्यक अनुमति नहीं मिली है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि विभिन्न ऑनलाइन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और न्यूज फोरम पर ऐसी जानकारी सामने आई थी कि किताब की प्री-प्रिंट कॉपी इंटरनेट पर साझा की जा रही है। इन दावों के संज्ञान में आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। शुरुआती जांच में पाया गया कि पुस्तक की एक पीडीएफ कॉपी कुछ वेबसाइट्स पर उपलब्ध है। यह कॉपी कथित रूप से पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तैयार की गई प्रतीत होती है।

मणिपुर के उखरुल में फिर भड़की हिंसा

21 घर जलाए, शांति बहाली की कोशिश में जुटा प्रशासन

एजेंसी ▶▶ इंफाल

मणिपुर के उखरुल में मामूली विवाद के बाद भड़की हिंसा में अब

मणिपुर में हिंसा

तक 21 घर जल चुके हैं। हथियारबंद बदमाशों की फायरिंग के बाद कई ग्रामीणों ने पलायन किया है। प्रशासन ने सुरक्षा बल तैनात कर दिए हैं। सीएम और उपसीएम शांति बहाली की कोशिशों में जुटे हैं और लोगों से संयम बरतने को कहा है। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर के उखरुल जिले में सोमवार दोपहर को एक बार फिर हिंसा भड़क गई। यह हिंसा तब भड़की जब कथित तौर पर हथियारबंद बदमाशों ने लिटन सरेखोंग गांव में कई घरों को आग लगा दी। इस दौरान हमलावरों ने हवा में गोलियां भी चलाईं। इस डर से ग्रामीण अपना जरूरी सामान लेकर पड़ोसी जिले कांगपोकपी के सुरक्षित इलाकों में चले गए हैं। कई तांगखुल ग्रामीणों ने भी अपना घर छोड़ दिया है। इस हिंसा की शुरुआत शनिवार रात को हुई थी।

बर्फ से ढके 'बद्रीनाथ' धाम का मनोरम दृश्य

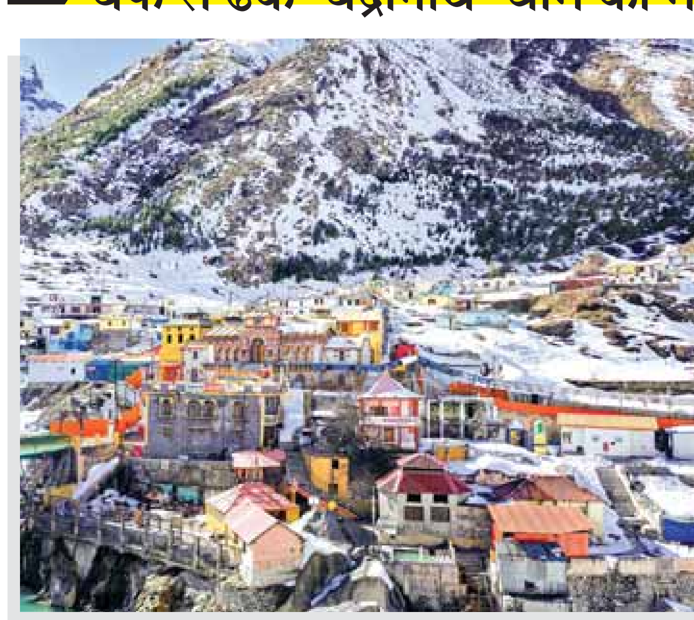

चमोली उत्तराखंड राज्य के चमोली जिले में ताजा बर्फबारी के बाद बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच बद्रीनाथ धाम का मनोरम दृश्य दिखाई दे रहा है। राज्य के 5 जिलों उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, पिथौरागढ़ में मौसम ने करवट ली है। इन 5 जनपदों में 3000 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कहीं-कहीं बहुत हल्की से हल्की वर्षा और बर्फबारी हुई है।

आरोप : महिला सांसदों के खिलाफ लोकसभा स्पीकर का बयान अपमानजनक

विपक्षी नेताओं ने ओम बिरला को लिखा पत्र, कहा- आधारहीन आरोप लगाए जा रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस की कुछ महिला सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखा है। इस पत्र में कहा गया है कि महिला सांसदों के खिलाफ आधारहीन आरोप लगाए जा रहे हैं और विपक्ष के संसदीय अधिकारों को नकारा जा रहा है। सांसदों ने पत्र में लिखा कि उन्होंने सांविधानिक तरीके से प्रधानमंत्री का विरोध किया और इसलिए उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। दरअसल, तमिलनाडु से निर्वाचित कांग्रेस सांसद ज्योतिमणि ने स्पीकर ओम बिरला के शब्दों पर आपत्ति जताई है।

खास बातें

- बिरला बोले थे- सदन में कोई अप्रिय घटना हो सकती थी
- महिला सांसद बोलीं- विरोध करना संवैधानिक अधिकार

अनहोनी के चलते पीएम को सदन में आने से रोकाः बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

कांग्रेस सांसद ज्योतिमणि

इससे पहले 5 फरवरी को स्पीकर ओम बिरला ने कहा था कि जिस तरह का माहौल उस दिन लोकसभा में बना, उसमें कोई भी अप्रिय और अप्रत्याशित घटना घट सकती थी। ऐसा व्यवहार संसद की गरिमा और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के बिल्कुल विपरीत था। पीएम मोदी शाम 5 बजे बोलने वाले थे। लेकिन सांसद सीट के पास पहुंच गईं। पीएम सदन में नहीं आए और भाषण रद्द हो गया। अगले दिन स्पीकर ने सदन में कहा कि अनहोनी हो सकती थी, इसलिए उन्होंने पीएम को सदन में आने से रोका।

स्पीकर निष्पक्ष रहेंः महिला सांसद

पत्र में महिला सांसद ज्योतिमणि ने लिखा कि सत्ताधारी दल के दबाव में स्पीकर विपक्षी पार्टियों, खासकर कांग्रेस सांसदों के खिलाफ बेबुनियाद और अपमानजनक आरोप लगा रहे हैं। स्पीकर को बिना पार्टी से जुड़ाव को देखे, सभी सांसदों की गरिमा की सुरक्षा करनी चाहिए और साथ ही निष्पक्ष रहना चाहिए।

मेरा माइक बंद कियाः डिंपल

यूपी से निर्वाचित समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद डिंपल यादव ने लोकसभा में माइक बंद किए जाने के आरोप लगाए। हंगामे और नारेबाजी के बीच कार्यवाही स्थगित होने के बाद डिंपल ने अविश्वास प्रस्ताव को लेकर कहा कि इंडिया ब्लॉक में जो भी फैसला होगा, पार्टी उसके साथ जाएगी।

चैंपियंस को दी गई बधाई

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में कहा कि मुझे यह बताते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम ने 6 फरवरी 2026 को आईसीसी अंडर-19 विश्व कप जीता है।

राज्यसभा में बजट को लेकर पक्ष-विपक्ष में रार

बेरोजगारी गंभीर चुनौती : चिदंबरम

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह भुला दिया जाने वाला बजट है।

बहुचर्चित 'सुधार एक्सप्रेस' पटरी से नहीं उतरी है, बल्कि अटकी हुई है तथा युवाओं में बेरोजगारी एक गंभीर चुनौती बनी हुई है।

राजकोषीय घाटे को कम करना सराहनीय : सिंह

भाजपा सांसद अरुण सिंह ने कहा कि सरकार ने पूंजीगत व्यय में कमी लाए बिना राजकोषीय घाटे को कम करने की घोषणा की है, जो सराहनीय है।

बजट से मध्यम वर्ग निराश : चड्ढा

आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि बजट में आयकर की दरों में कोई बदलाव नहीं होने से मध्यम वर्ग निराश है। लोगों को उम्मीद थी कि आयकर की सीमा में वृद्धि की जाएगी।

उच्च न्यायालय के द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन कराने जल्द होगी बड़ी कार्रवाई

नालों के गंदे पानी से खेती पर लगा प्रतिबंध कलेक्टर ने गठित की विशेष जांच टीम

जबलपुर।

उच्च न्यायालय द्वारा जनहित याचिका क्र. 42936/2025 में दिए गए निर्देशों के पालन हेतु शहर के नालों के गंदे पानी से उगाई जा रही फसलों और सब्जियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी की गई है। गंदे पानी के उपयोग से जन स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी राघवेन्द्र सिंह के द्वारा एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है।

माननीय उच्च न्यायालय ने 14 जनवरी 2026 को पारित अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि दूषित जल का उपयोग न केवल खेती, बल्कि पेयजल और स्नान के लिए भी तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया जाए। इसके साथ ही, प्रदूषण फैलाने वाले औद्योगिक और वाणिज्यिक संस्थानों पर भी नकेल कसने के निर्देश दिए गए हैं। शहर के सीमांतर्गत नालों के दूषित जल से फसलों और सब्जियों की सिंचाई को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। ऐसे उद्योगों, फैक्ट्रियों और व्यावसायिक संस्थानों को चिन्हित किया जाएगा जो नालों में अनुपचारित गंदा पानी छोड़ रहे हैं। उन्हें अनिवार्य रूप से प्राइवेट एस.टी.पी. लगाने के निर्देश दिए जाएंगे ताकि पानी नालों में गिरने से पहले ही साफ हो सके।

संयुक्त जांच दल गठित

कलेक्टर द्वारा गठित समिति में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को शामिल किया गया है, जो संयुक्त रूप से फील्ड पर उतरकर कार्रवाई करेंगे, जिसमें क्रमशः समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को अध्यक्ष, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्षेत्रीय अधिकारी को सदस्य सचिव एवं जिला उद्योग केन्द्र जबलपुर महाप्रबंधक, नगर निगम जबलपुर अधीक्षण यंत्री (सीवर/जल), नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी, कृषि विभाग जबलपुर उप संचालक, होर्टिकल्चर जबलपुर उपसंचालक, नगर निगम जबलपुर अतिक्रमण अधिकारी, संबंधित थाना प्रभारी जबलपुर को सदस्य बनाया गया है।

सीवरेज सिस्टम की दक्षता बढ़ाने निगमायुक्त ने किया समिति का गठन

जबलपुर। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को व्यवस्थित करने और उच्च न्यायालय के आदेशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके लिए नगर निगम द्वारा जबलपुर के समस्त मलजल शोधन संयंत्रों की कार्यक्षमता और उपयोगिता बढ़ाने के उद्देश्य सेएक समिति का गठन किया गया है।गठित समिति के संबंध में निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर में दायर रिट याचिका क्र. 42939/2025 के आदेश दिनांक 14 जनवरी 2026 बिन्दू क्रमांक 4 (ii) अनुसार जबलपुर शहर में स्थापित समस्त मलजल शोधन संयंत्रों का उपयोग दक्षता बढ़ाने हेतु सुझाव रिपोर्ट प्रस्तुत करने समिति का गठन किया गया है, जिसमें क्रमशः अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव को अध्यक्ष, प्रभारी सहायक यंत्री सीवर संजय सिंह कुशवाहा को सदस्य सचिव एवं संबंधित सहायक स्वास्थ्य अधिकारी तथा उपयंत्री सीवर अक्षय सरावगी को सदस्य बनाया है। उक्त समिति 2 दिवस के अंदर निरीक्षण कर अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगें।

पुरानी पेंशन की मांग को लेकर आज़ाद अध्यापक शिक्षक संघ ने निकाली रैली

जबलपुर। आज़ाद अध्यापक शिक्षक संघ जबलपुर द्वारा मुख्यमंत्री के नाम पुरानी पेंशन सहित विभिन्न मांगों को लेकर रैली निकालकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। रैली प्रांताध्यक्ष भरत पटेल के निर्देशन एवं प्रांतीय महासचिव गोविंद बिसेन की उपस्थिति में आयोजित हुई। जिलाध्यक्ष शिवकुमार चौबे व जिला सचिव दीनानाथ चौधरी पटेल ने बताया कि एनपीएस के स्थान पर पुरानी पेंशन, प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता, सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी भुगतान, आईएफएमआईएस पोर्टल में प्रथम नियुक्ति दिनांक अपडेट, रुकी क्रमोन्नति, अनुकंपा नियुक्ति, सितंबर 2022 हड़ताल अवधि का भुगतान, जनजातीय कार्य विभाग के शिक्षकों का मर्जर, कैशलेस मेडिकल सुविधा, ई-अटेंडेंस में भेदभाव समाप्त करने, तीन संतान वाले अध्यापकों को राहत तथा आठवें वेतनमान का लाभ 1 जनवरी 2026 से देने की मांग रखी गई।

इस अवसर पर प्रांतीय पदाधिकारी आशीष उपाध्याय, संभागाध्यक्ष देवेंद्र सिंह राजपूत, गुलाबधर बड़गैंया, केके साहू, चंद्रभान सिंह कौरव, राकेश मिश्रा, शैलेष पंड्या, निशा उपाध्याय, राजा भैया चौकसे, ब्लॉक अध्यक्ष शरद शुक्ला, अजय दुबे, राजकुमार नाथ, अनिल मेहरा, संदीप सोनी, बसंत नामदेव, शिवराम पटेल, नितिन तिवारी सहित डॉ. अश्विनी कुमार, रामप्रताप मिश्रा, सुनील कटारे, सुचित्रा पांडे, अन्नपूर्णा रैदास, रामकुमारी मरकाम, मायादेवी नागेश, ममता मेहरा, रामप्रताप चक्रवर्ती, अशोक पटेल, खरगराम पटेल आदि उपस्थित रहे। रैली में जिले के सभी ब्लॉकों से सैकड़ों अध्यापकों ने भाग लिया।

जेनको क्रिकेट लीग का शुभारंभ
टाइटन और पावर एंजल्स ने जीते उद्घाटन मैच

जबलपुर। MPPGCL के तत्वावधान में रामपुर परिसर के पाण्डुताल मैदान में आज जेनको क्रिकेट लीग और खेल प्रतियोगिता शुरू हुई। उद्घाटन सुनील तिवारी ने किया, अध्यक्षता मनजीत सिंह ने की।उद्घाटन मैच में टाइटन ने चेलेंजर्स को 9 विकेट से हराया। चेलेंजर्स की ओर रूपेश शाह ने 45 रन बनाए। टाइटन की ओर आशुतोष सहस्त्रबुद्धे ने 35 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द मैच रहे। महिला मैच में पावर एंजल्स ने वंडर वुमन को 9 विकेट से हराया। नेहा सिंह ने 24 रन की पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। अगले मैच 10 फरवरी को होंगे: 1 बजे वॉरियर्स बनाम लेजेंड्स, 3.30 बजे हिटर्स बनाम ग्लेडिएटर्स।

रांझी में श्री शिव महापुराण कथा का हुआ शुभारंभ

निकली शोभायात्रा, 15 तक सरस्वती स्कूल में होगा रूद्री निर्माण

जबलपुर। दादा ईश्वरदास रोहाणी की पुण्य स्मृति में दादा ईश्वरदास रोहाणी सेवा समिति जबलपुर द्वारा श्री शिव महापुराण कथा, श्री शिवमहायज्ञ एवं असंख्य रूद्री (शिवलिंग) निर्माण का आयोजन 9 फरवरी से 15 फरवरी 2026 तक सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल प्रांगण, रांझी में किया जा रहा है। आयोजन कथा प्रवक्ता आचार्य स्वामी अशोकानंद महाराज के मंगल सानिध्य में संपन्न होगा। कार्यक्रम के प्रथम दिवस भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई, जो सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर रांझी के विभिन्न मार्गों से होती हुई पुनः कथा स्थल पहुंची। शोभायात्रा में हजारों महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर सहभागिता की। जगह-जगह शोभायात्रा एवं कथा प्रवक्ता का आरती एवं श्रीफल से स्वागत किया गया।इस अवसर पर स्वामी अशोकानंद महाराज ने कहा कि भगवान शिव की आराधना से जीवन में शांति, सुख और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

आयोजन के अंतर्गत प्रतिदिन प्रातः 9 से 12 बजे तक रूद्री निर्माण, दोपहर 12 से 2 बजे तक भंडारा एवं दोपहर 2 बजे से श्री शिव महापुराण कथा का वाचन होगा। कलश यात्रा में कैंट विधायक अशोक रोहाणी, नगर निगम अध्यक्ष रिंकु विज सहित पं. प्रत्युशूल पाण्डे, पं. हरि नारायण मिश्रा, पं. महेश दत्त शास्त्री, पं. अनिल तिवारी, पं. प्रमोद तिवारी, पं. चंदन दत्त महाराज एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वक्त का हर क्षण और रक्त का हर कण होता है अमूल्य

जबलपुर। रक्तदान को अभियान बनाने और सभी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन 08/02/26 को जोगिनी प्रशिक्षण केंद्र बिलहरी में किया गया, जिसमें संस्था The society of St Norbert abbey of berne. के जय प्रकाश फादर ने आयोजित किया, शिविर में 26 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया। कार्यक्रम में जबलपुर ब्लड डोनेशन सोसायटी के रक्तवीर रवि सेन, सावन सेन, एड. चंचल सेन, आनंद सोनी, मुनेश्वर, अभिलाष, रवि, ललित ने रक्तदान में सहयोग किया, जबलपुर ब्लड सेंटर ने रक्तदान शिविर में ब्लड एकत्रित किया, जिसमें अनिता पटेल, उमेश पटले, उज्वल चौबे उपस्थित थे।

सरकारी स्कूल व तालाब की जमीन पर अतिक्रमण क्यों

हाईकोर्ट ने मैहर जिला प्रशासन से पूछा

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने मैहर के जिला प्रशासन से पूछा है कि सरकारी स्कूल व तालाब की जमीन पर अतिक्रमण क्यों काबिज हैं। एक जनहित याचिका पर चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ ने कलेक्टर मैहर निवाड़ी, एसडीओ, तहसीलदार, नायब तहसीलदार व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।सतना निवासी सेवानिवृत्त शासकीय शिक्षक परमेश्वर दीन पांडे की ओर से दलील दी गई कि ग्राम लतागांव, तहसील मैहर, जिला सतना स्थित शासकीय मिडिल स्कूल परिसर एवं उससे लगे तालाब की भूमि पर हुए अतिक्रमण काबिज हैं। दलील दी गई कि खसरा नंबर 1770, 1771 एवं 1773 की शासकीय भूमि पर असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध झोपड़ियां व दुकानें बना ली हैं। यहां शराब सेवन, नशीले पदार्थों की बिक्री एवं अन्य आपत्तिजनक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। इससे स्कूल का वातावरण दूषित हो रहा है तथा ग्रामीणों को तालाब के पानी के उपयोग से वंचित किया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाएं एवं स्कूली बच्चे प्रभावित हो रहे हैं। याचिकाकर्ता ने राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को कई बार शिकायतें की, कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इसलिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई।

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, जिला संघ जबलपुर के लिए गौरव का क्षण

जबलपुर। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स जिला संघ जबलपुर के सचिव व्ही.के. झारिया को भारत स्काउट्स एंड गाइड्स राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा असिस्टेंट लीडर कोर्स उत्तीर्ण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। यह प्रमाण पत्र प्रथम राष्ट्रीय रोवर रेंजर जंबूरी छत्तीसगढ़ में डीडीएसएलटी एसएस रॉय द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर सहायक राज्य संगठन आयुक्त ललित कुमार मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, जिला संरक्षक अजय तिवारी एवं जिला मुख्य आयुक्त डॉ. विजयकांत तिवारी द्वारा उन्हें शुभकामनाएं दी गईं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

गौरव की बात यह है कि व्ही.के. झारिया कब सेक्शन में जबलपुर जिले के पहले असिस्टेंट लीडर ट्रेनर बने हैं, उनकी यह उपलब्धि जिले के स्काउट्स एवं गाइड्स आंदोलन को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करेगी।

बड़ादेव स्थापना दिवस पर हुआ गोंडी सम्मेलन

जबलपुर। गोंड समाज महासभा जिला कमेटी जबलपुर के तत्वावधान में मोहनिया रांझी स्थित जिला मुख्यालय में 8 फरवरी को बड़ादेव स्थापना दिवस के अवसर पर विशाल गोंडी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बड़ादेव पेनठाना में गोंगो (प्रार्थना) एवं महापुरुषों व बड़ादेव के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि विधायक अशोक रोहाणी (कैंट), अध्यक्षता बीएस परतेती प्रदेश अध्यक्ष गोंड समाज महासभा मध्यप्रदेश तथा विशिष्ट अतिथि विधायक चैन सिंह वरकड़े (निवास मंडला) रहे। विशेष रूप से महेश कुमार वट्टी, प्रेम शाह मरावी, साधना उइके, शशि परतेती, कौशल सिंह पोर्ते, कमल मरकाम, केएस नेताम, एमएस मरावी, जगदीश प्रसाद परते, रामगोपाल उइके, प्रहलाद सिंह उइके, सुरेश तेकाम, विशाल पंद्रे, नरेश शाह मरावी, भान सिंह तेकाम सहित अनेक प्रदेश, संभाग, जिला व ब्लॉक स्तर के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जबलपुर सहित मंडला, डिंडोरी, सिवनी, बालाघाट, सतना, मैहर, सागर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, कटनी, पन्ना, मऊगंज-सीधी, उमरिया, रायसेन व भोपाल आदि जिलों से आए जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व समाजसेवियों का पीला गमछा व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत-सम्मान किया गया।

कचरा संग्रहण एवं प्रबंधन के लिये ग्राम पंचायत सालीवाड़ा गौर और निजी एजेंसी के बीच हुआ अनुबंध

जबलपुर । स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत सूखा एवं गीला कचरा के प्रबंधन एक महत्वपूर्ण घटक है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये आज सोमवार को ग्राम पंचायत सालीवाड़ा गौर में आयोजित कार्यक्रम में राज्य कार्यालय द्वारा इंपैनल की गई एजेन्सी सृष्टि वेस्ट मेनेजमेन्ट सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड इंदौर और ग्राम पंचायत सालीवाडा गौर के बीच घर-घर कचरा संग्रहण एवं प्रबंधन का अनुबंध किया गया। संभाग में यह पहला अवसर है जब किसी ग्राम पंचायत और निजी एजेंसी के बीच कचरा संग्रहण और प्रबंधन पर अनुबंध किया गया है।कार्यक्रम में जनपद पंचायत जबलपुर की अध्यक्ष श्रीमती चन्द्रकिरण गोस्वामी, जनपद पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत भी मौजूद थे। ग्राम पंचायत सालीवाडा गौर की ओर से सरपंच सौरभ राय एवं सृष्टि वेस्ट मेनेजमेन्ट प्राईवेट लिमिटेड की तरफ से विजय सिंह द्वारा अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किये गये। यह अनुबंध आगामी तीन वर्षों के लिये है। इसमें अनुबंधित एजेन्सी का एक सुपरवाईजर, वाहन चालक, सफाई साथी एवं अन्य के साथ पूरी टीम ग्राम पंचायत में ही रहकर इस कार्य का क्रियान्वयन करेगी। साथ ही स्वच्छता को लेकर जन-जागरूकता का कार्यक्रम भी समय-समय पर एजेंसी द्वारा किया जायेगा।

डी.एन. जैन बोर्डिंग में सफेद पाषाण जिनालय का शिलान्यास

मुनिसंघ के सानिध्य में मंगलवार 10 फरवरी को होगा कार्यक्रम

जबलपुर। डी.एन. जैन महाविद्यालय में मंगलवार 10 फरवरी को प्रातः 7:30 बजे से सफेद पाषाण के दो मंजिला जिनालय का शिलान्यास किया जाएगा। कार्यक्रम में संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज के सानिध्य में मांगलिक क्रियाएं आयोजित होंगी। मुनि श्री ने कहा कि यह मंदिर भगवान आदिनाथ का दरबार है और शहर की प्राइम लोकेशन पर स्थित है, जहां हजारों परिवार रहते हैं। मंदिर में नीचे तीन वेदी, ऊपर की मंजिल में एक वेदी और डोम तथा बाहरी ओर चौवीसी होगी। मुनि श्री ने डी.एन. जैन परिवार और अन्य सहयोगियों को आशीर्वाद दिया। मुनि श्री ने कहा कि दान एक पुण्यकर्म है और इसे सार्वजनिक रूप से घोषित करने में कोई बुराई नहीं है, साथ ही लोगों को आग्रह करते हुए धर्म से विमुख नहीं होना चाहिए। उन्होंने षणमोकार महामंत्र के महत्व पर भी जोर दिया।अगले कार्यक्रम में 25 फरवरी से 2 मार्च तक बुढ़ार (शहडोल) में श्री 1008 जिनविंव पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव मुनिसंघ के सानिध्य में आयोजित होगा।

कतिया समाज का परिचय सम्मेलन आयोजित

जबलपुर। कतिया समाज निस्वार्थ सेवा समिति जबलपुर द्वारा गत दिवस मदन महल दद्दा परिसर स्थित गार्डन में परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में प्रदेशभर से लगभग 300 से 350 विवाह योग्य युवक-युवतियों ने सहभागिता कर अपना परिचय दिया। निस्वार्थ सेवा समिति के अध्यक्ष एडवोकेट प्रतीक पठारिया ने बताया कि सम्मेलन के उपरांत युवक-युवतियों की परिचय पत्रिका का प्रकाशन किया जाएगा। साथ ही समिति द्वारा भविष्य में समाज के असहाय, गरीब अथवा आसक्त व्यक्ति की मृत्यु होने पर दाह संस्कार की व्यवस्था भी की जाएगी। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती रुक्मणि नायक एवं श्रीमती आशा पठारिया द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पिपरिया विधानसभा के विधायक ठाकुरदास नागवंशी रहे। विशेष अतिथि के रूप में विधायक अभिलाष पांडे (उत्तर मध्य विधानसभा), गुरुचरण खरे (सदस्य, मप्र अनुसूचित जाति आयोग – राज्य मंत्री दर्जा), सुखनंदन जावरे (राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल कतिया बहुउद्देशीय संस्था), नगर पुलिस अधीक्षक रितेश शिव, मनीष मिश्रा (अध्यक्ष, अधिवक्ता संघ जबलपुर), रविन्द्र दत्त, राहुल रोहाणी एवं रत्नेश सोनकर (जिला अध्यक्ष भाजपा) उपस्थित रहे। सम्मेलन में कतिया समाज के विभिन्न जिलों, प्रांतों एवं देश के अनेक राज्यों से पदाधिकारी, वरिष्ठ सामाजिक बंधु तथा हजारों की संख्या में समाज के महिला-पुरुष व युवक-युवतियां शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन ऋचा बान एवं सोनम पठारिया ने किया तथा आभार प्रदर्शन कुंजबिहारी सोनगोतिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर समिति सदस्य प्रदीप गढ़वाल, कमल नायक, अजय गढ़वाल, वीरेंद्र बेलवंशी, सुनील ब्रह्मावंशी, नोखेलाल नागवंशी, गुलाब वाकलवार, अनिल नागवंशी, श्रीकांत गढ़वाल, प्रकाश नागवंशी, जयदीप ब्रह्मवंशी, गजराज ब्रह्मवंशी, मनोज नागौत्रा, चंदा नायक, इंद्र ब्रह्मवंशी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रीस में वैज्ञानिकों को कुछ ऐसी चीजें मिली हैं, जिसने उन्हें भी हैरान कर दिया है। ये चीजें लकड़ी से बने औजार जैसी हैं, जिन्हें अब तक खोजे गए सबसे पुराने लकड़ी के औजारों में से एक बताया जा रहा है। वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि ये औजार 430,000 साल पुराने हो सकते हैं।

वैज्ञानिकों के हाथ लगा लकड़ी का खजाना, ढूंढ निकाली 4 लाख साल पुरानी चीज

एथेंस। कभी-कभी वैज्ञानिकों के हाथ कुछ ऐसा लग जाता है, जिसपर वो खुद भी यकीन नहीं कर पाते. ग्रीस में भी कुछ ऐसा ही हुआ है। यहां वैज्ञानिकों ने लाखों साल पुरानी ऐसी चीज ढूंढ निकाली है, जो हर किसी के लिए हैरान कर देने वाला है। दरअसल, यहां एक झील के किनारे वैज्ञानिकों को दो कलाकृतियां मिली हैं, जिसे अब तक खोजे गए सबसे पुराने लकड़ी के औजारों में से एक बताया जा रहा है। दावा किया गया है कि ये औजार 430,000 साल पुराने हैं। हालांकि, अभी तक घटनास्थल पर इंसानी अवशेष नहीं मिले हैं, इसलिए ये स्पष्ट नहीं है कि इन औजारों का इस्तेमाल किसने किया था, लेकिन कहा जा रहा है कि इनके मालिक निएंडरथल हो सकते हैं, जो इंसानों के प्रारंभिक पूर्वज माने जाते हैं। जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में छपे एक रिसर्च में ये सामने आया है कि लकड़ी के इन औजारों में एक पतली सी छड़ी है जो लगभग ढाई फीट (80 सेंटीमीटर) लंबी है। माना जा रहा है कि इसका इस्तेमाल कीचड़ खोदने के लिए किया जाता होगा। वहीं, दूसरा औजार विलो या चिनार की लकड़ी का एक छोटा और रहस्यमय टुकड़ा है, जिसे हाथ से पकड़ा जा सकता था और इसका इस्तेमाल पत्थर के औजारों को आकार देने के लिए किया जाता रहा होगा।

आखिर कैसे अब तक सुरक्षित हैं ये औजार?

वैज्ञानिकों का मानना है कि प्राचीन मानव पत्थर, हड्डी और लकड़ी से बने अनेक प्रकार के औजारों का प्रयोग करते थे, लेकिन लकड़ी से बने औजारों के प्रमाण मिलना कठिन है, क्योंकि लकड़ी बहुत जल्दी सड़ जाती है। ऐसे औजार सिर्फ बर्फ, गुफाओं या पानी के भीतर विशिष्ट वातावरण में ही संरक्षित रहते हैं। माना जा रहा है कि ग्रीस के मेगालोपोलिस बेसिन में पाए गए ये नए औजार संभवतः तलछट में जल्दी दब गए और समय के साथ नम वातावरण के कारण संरक्षित हो गए।

4 लाख हजार साल पुरानी है ये जगह

शोधकर्ताओं ने पहले भी इस जगह पर पत्थर के औजार और हाथियों की हड्डियों सहित अन्य अवशेष खोजे हैं, जिनपर निशान बने हुए हैं। हालांकि वैज्ञानिकों ने लकड़ी के औजारों की उम्र का सीधे तौर पर निर्धारण नहीं किया है, लेकिन ये जगह लगभग 430,000 साल पुरानी है और इसी से इन औजारों की उम्र का अनुमान लगाया जा सकता है।

पहली नजर में नहीं लगते लकड़ी के औजार

स्मिथसोनियन नेशनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के पुरातत्वविद जारोड हट्सन ने कहा कि ग्रीस में स्थित इस जगह पर संभवतः अतीत के और भी कई अनमोल अवशेष मौजूद हैं जिन्हें अभी खोजा जाना बाकी है, लेकिन इन दो नए औजारों की साधारण सी बनावट के कारण इनके बारे में बता पाना कठिन हो जाता है। उन्होंने कहा, 'इन औजारों को लेकर उत्साहित होना मुश्किल है, क्योंकि ये पहली नजर में लकड़ी के औजार नहीं लगते।

रोचक खबरें

महिला ने बार-बार कबूतरों को खिलाया खाना, लग गया 2 लाख का जुर्माना

सिंगापुर। क्या आपने कभी सोचा है कि कबूतरों को खाना खिलाना अपराध हो सकता है और उसके लिए लाखों का जुर्माना लगाया जा सकता है? नहीं ना, पर सिंगापुर में ऐसा ही एक मामला चर्चा में है। यहां 71 साल की एक महिला पर 2 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि वो मना करने के बावजूद बार-बार कबूतरों को खाना खिला रही थी। आमतौर पर पशु-पक्षियों को खाना खिलाना अच्छा माना जाता है, लेकिन जरा सोचिए कि अगर इस वजह से आपके ऊपर जुर्माना लगा दिया जाए तो? जी हां. सिंगापुर में एक महिला के साथ कुछ ऐसा ही हुआ है, जिसने सभी को हैरान कर दिया है। दरअसल, यहां 71 साल की एक महिला पर जंगली पक्षियों को बार-बार खाना खिलाने के आरोप में 3,200 सिंगापुर डॉलर यानी 2,27,845 रुपए का जुर्माना लगाया गया है, जबकि उसने पहले ये वादा किया था कि वो पक्षियों को अब खाना नहीं खिलाएगी. महिला ने वन्यजीव अधिनियम के तहत चार आरोपों में अपना अपराध स्वीकार किया है। यह पहली बार नहीं है जब महिला को पक्षियों को खाना खिलाने को लेकर कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल मई में उन्हें इसी अपराध के लिए और पक्षी पकड़ने के काम में बाधा डालने के लिए 1,200 सिंगापुर डॉलर का जुर्माना लगाया गया था।

इसरो ढूंढ रहा बाहुबली का बॉस, रॉकेट्स को स्पेस में भेजने के लिए बनाया मास्टरप्लान

भारत को दुनिया स्पेस लीडर बनाने के लिए इसरो ने मास्टर प्लान तैयार कर लिया है। वह अब श्रीहरिकोटा के साथ ही तमिलनाडु में भी सैटेलाइट लॉन्चिंग सेंटर बनाने जा रहा है। ऐसा होने से ज्यादा संख्या और तेजी से सैटेलाइट स्पेस में भेजे जा सकेंगे। दुनिया की प्रमुख अंतरिक्ष शक्तियों में मुकाम बना चुका भारत अब सैटेलाइट लॉन्चिंग में ग्लोबल लीडर बनने की कोशिश में है। इसके लिए वह अपने स्पेस लॉन्चिंग सेंटरों की क्षमता बढ़ाने और नए लॉन्चिंग सेंटर खोलने के मिशन में लगा है। तमिलनाडु के कुलसेकरपट्टिनम में बन रहा नया लॉन्च सेंटर भी इन्हीं में से एक है। यह नया लॉन्च कॉम्प्लेक्स खास तौर पर छोटे रॉकेट लॉन्च करने के लिए इस्तेमाल होगा।

नई दिल्ली। रिपोर्ट के मुताबिक, कुलसेकरपट्टिनम के लिए इसरो एक खास तरह की रेल लाइन लगाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए सतीश धवन स्पेस सेंटर ने टेंडर निकाला है। यह रेल लाइन लगभग 1700 मीटर लंबी होगी। इस लाइन का मुख्य काम पूरी तरह तैयार हाल वाले रॉकेट को असेंबली बिल्डिंग से लॉन्च पैड तक ले जाना होगा। जिसकी दूरी करीब 740 मीटर है। सूत्रों के मुताबिक, यह कोई सामान्य पैसेंजर ट्रेन या मालगाड़ी नहीं होगी, बल्कि खास तकनीक से बनी रेल होगी। इस स्पेशल ट्रेन का इस्तेमाल मोबाइल लॉन्च स्ट्रक्चर के रूप में होगा। जिस पर छोटे सैटेलाइट ले जाने वाले रॉकेट रखे होंगे। इन सैटेलाइटों समेत पूरे सिस्टम का वजन 570 टन तक हो सकता है। यह वजन इतना ज्यादा होगा कि ट्रेन के हर पहिए को करीब 100 टन भार तक वजन उठाना पड़ सकता है। इसलिए इतने वजन को वहन करने के लिए रेल में बेहद मजबूत स्टील और लोहे का इस्तेमाल होगा।

कुलसेकरपट्टिनम का क्यों किया गया चयन?

इसरो वैज्ञानिकों के मुताबिक, श्रीहरिकोटा से 300 किलो तक का सैटेलाइट पोलर ऑर्बिट में ले जाना बड़ा मुश्किल होता है। लेकिन, कुलसेकरपट्टिनम में नया लॉन्चिंग सेंटर बन जाने से यह समस्या खत्म हो जाएगी। इसके बाद वहां से पोलर ऑर्बिट में सैटेलाइट भेजना ज्यादा आसान और असरदार हो जाएगा। इस सेंटर के तैयार होने से इसरो के साथ-साथ प्राइवेट कंपनियां भी वहां से अपने छोटे रॉकेट लॉन्च कर सकेंगी।

भारत को स्पेस लीडर बनाने का प्लान

सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए 986 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट रखा है और इसे पूरा करने के लिए 2026-27 का लक्ष्य रखा है। इसरो के तहत आने वाले सतीश धवन स्पेस सेंटर ने अपने टेंडर नोटिस में काम पूरा करने के लिए 29 हफ्तों का समय रखा है। अधिकारियों का कहना है कि तय अवधि में काम पूरा न होने की हालत में चयनित कंपनी पर जुर्माना लगाया जाएगा।

ऊंचाई में नहीं होगा 1 मिलीमीटर से ज्यादा का फर्क

इसरो अधिकारियों का कहना है कि यह ट्रेन तो खास होगी ही, इसकी लाइन भी सामान्य नहीं होगी। इस रेल की ऊंचाई में 1 मिलीमीटर से ज़्यादा का फर्क नहीं होगा। जिससे रॉकेट लाते- ले जाते समय जरा-सी भी ऊंच-नीच न हो पाए। इस रेल लाइन में एक घुमावदार हिस्सा और अलग-अलग गेज की पटरियां होंगी। जिससे जरूरत होने पर लॉन्च स्ट्रक्चर को साइड में पार्क किया जा सके। इस सिस्टम की एक खास बात यह होगी कि जब ट्रैक बदला जाएगा, तो लॉन्च स्ट्रक्चर को कुछ समय के लिए जमीन पर टिकाया जाएगा। इसके बाद पहियों को उठाकर हाथ से सही दिशा में घुमाया जाएगा. इसके बाद उसे फिर से ट्रैक पर रखकर रवाना कर दिया जाएगा।

रेड हिल थी भारत की सबसे पहली ट्रेन भारतीय रेलवे से जुड़े हैं कई रोचक तथ्य

नई दिल्ली। भारत की पहली ट्रेन का नाम रेड हिल रेलवे था। 1837 में यह ट्रेन रेड हिल्स से चिंताद्रिपेट पुल तक चलाई गई थी। इन दोनों जगहों के बीच 25 किलोमीटर की दूरी है। ट्रेन के निर्माण का श्रेय सर आर्थर कॉटन को दिया गया था। इस ट्रेन का इस्तेमाल प्रमुख रूप से ग्रेनाइट के परिवहन के लिए होता था। आम लोगों के लिए भारत में 16 अप्रैल 1853 को पहली ट्रेल चली थी। यह ट्रेन बोरी बंदर (मुंबई) और ठाणे के बीच 34 किमी चलाई गई थी, जिसमें 400 यात्रियों ने यात्रा की थी। सबसे खास बात यह है कि इस दिन सार्वजनिक अवकाश का ऐलान किया गया था। भारत में सबसे तेज चलने वाली ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस है। इस ट्रेन की स्पीड 180 किमी. प्रति घंटा है, लेकिन सुरक्षा कारणों की वजह से फिलहाल 130 से 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है। भारत में सबसे लंबी दूरी तक चलने वाली ट्रेन डिब्रूगढ़ और कन्याकुमारी के बीच चलने वाली विवेक एक्सप्रेस है।

राशिफल

मेष — वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृष — आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

सिंह — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

धनु — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मकर — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कुंभ — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती है।

मीन — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कभी अमीरों का टूरिस्ट डेस्टिनेशन था ये शहर, 40 सालों से है वीरान

वरोशा। दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं जहां दूर-दूर से लोग घूमने जाते हैं और वहां का आनंद उठाते हैं। पर सोचिए कि अगर ऐसा कोई टूरिस्ट डेस्टिनेशन अचानक से वीरान हो जाए और उसे लोग भुतहा शहर कहने लगें तो क्या होगा? ऐसा ही एक शहर सिप्रस में मौजूद है। एक वक्त ऐसा था जब इस शहर का एक इलाका इतना फेमस था कि यहां सेलिब्रिटी और आम लोग घूमने जाया करते थे। पर 40 सालों से शहर वीरान है। सवाल ये उठता है कि आखिर यहां से लोग कहां चले गए? रिपोर्ट के अनुसार वरोशा, सिप्रस के तट पर एक शांत शहर है, जिसका नाम फामागुस्ता है। इस शहर में एक इलाका है, जिसे वारोशा कहते हैं। ये इलाका बहुत फेमस टूरिस्ट डेस्टिनेशन था। कई अमीर और बड़े सेलिब्रिटी यहां पर छुट्टियां मनाने आ चुके हैं। यहां कई बड़े होटल, स्टाइलिश रेस्टोरेंट, और भीड़भाड़ वाली सड़कें थीं।

लोग तो इसे सिप्रस का फ्रेंच रिवेरिया कहा करते थे। पर अब ये इलाका पूरी तरह खाली है। इस वजह से इसे घोस्ट टाउन कहा जाता है। यहां पर न टूरिस्ट आते हैं न ही कोई रहता है। सड़कें शांत हैं, इमारतें टूट चुकी हैं, होटल-दुकानें भी तहस-नहस हो चुकी हैं। टूरिस्ट्स को इस इलाके में जाने से रोका जाता है।

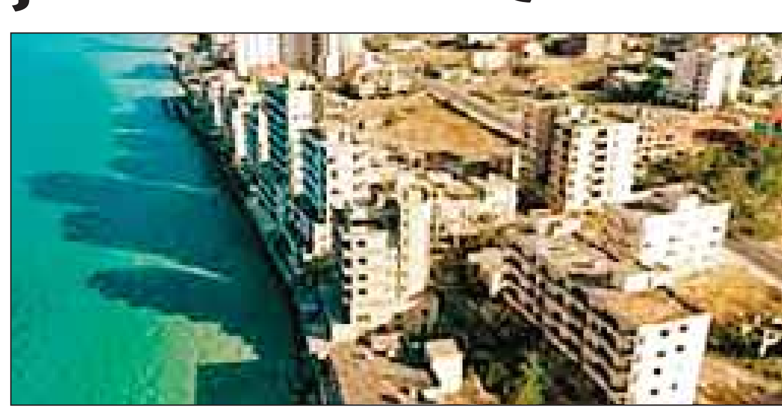

अभी भी सुनसान पड़ा है ये शहर

कब्जे के बाद तुर्की की आर्मी ने पूरे इलाके को बंद किया दिया। कटीले तार लगा दिए गए और वरोशा के चारों ओर सैनिक तैनात कर दिए गए। किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं थी। धीरे-धीरे प्रकृति ने अपना रूप दिखाया और शहर में पेड़-पौधे उग गए, दीवारों पर काई जम गई और शहर ऐसा दिखने लगा जैसे समय में रुक गया हो। 40 साल बाद भी वरोशा पूरी तरह खाली है। शहरों में अभी भी वॉर्निंग साइन लगे दिख जाते हैं, जो कहते हैं, अंदर जाना मना है या फिर फोटो खींचना मना है। हालांकि, 2003 के बाद कुछ पूर्व नागरिकों को शहर के कुछ हिस्सों में घुसने की अनुमति दे दी गई थी। उन्हें तब वहां जो दिखा, वो ज्यादा ही हैरान करने वाला था। पुरानी कारें शोरूम के अंदर मौजूद थीं, दुकानों की कांच की खड़कियां टूटी हुई थीं। होटल डैमेज हो चुके थे, खाली कमरे थे। अब वरोशा के बीच पर कछुए अंडा देते हैं। होटल की बालनियों पर पौधे उगे रहते हैं। यूनाइटेड नेशन्स का कहना है कि सिर्फ असली नागरिक ही वहां रह सकते हैं। आगे यहां का क्या अंजाम होगा, ये वक्त ही बताएगा।

इस वजह से शहर का हुआ ऐसा हाल!

अब सवाल ये उठता है कि आखिर इस शहर का ये हाल कैसे हो गया? दरअसल, वरोशा का डाउनफॉल 1974 से शुरू हो गया था। दरअसल, 1974 में सिप्रेस में ग्रीस के द्वारा प्रायोजित हिंसा हुई जिसकी वजह से वहां तख्तापलट हो गया। उसी समय तुर्की ने सिप्रस पर कब्जा कर लिया। जैसे ही तुर्की के जवान देश में घुसे, ग्रीस और सिप्रेस के नागरिकों ने वरोशा को छोड़ दिया और जान बचाकर भाग निकले। लोगों ने सब कुछ पीछे छोड़ दिया। बर्तनों में खाने पड़े थे, शादी के तोहफे खुले नहीं थे, बच्चों के खिलौने जमीन पर ही पड़े हुए थे। कई परिवारों को लगा था कि वो लौटकर आएंगे, मगर वो नहीं लौट सके।

रहस्यमयी पुल से कूदकर आत्महत्या कर लेते थे कुत्ते

एडिनबर्ग। क्या आपने कभी सुना है कि किसी जानवर ने आत्महत्या की हो? अगर नहीं, तो ये आर्टिकल आपको हैरान कर सकता है। यहां हम आपको एक ऐसी अजीबोगरीब जगह के बारे में बता रहे हैं, जहां पहुंचकर कुत्ते आत्महत्या कर लेते थे। ये जगह स्कॉटलैंड में है। स्कॉटलैंड में मौजूद एक पुल डॉग्स का सुसाइड प्वाइंट माना जाता है। कहा जाता है इस पुल से छलांग लगाकर कुत्ते खुद अपनी जान दे देते हैं। खबरों के मुताबिक, स्कॉटलैंड के डंबार्टन इलाके में मौजूद इस पुल की हाइट करीब 50 फीट है। लोकल लोग बताते हैं कि जब भी कोई डॉग अपने मालिक के साथ यहां टहलने आता है, तो अचानक बिना किसी डर के पुल से नीचे कूद जाता है। एक रिपोर्ट में भी इस घटना का जिक्र किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, सैकड़ों डॉग्स इस पुल से छलांग लगा चुके हैं। यही कारण है कि इस पुल को 'डॉग्स सुसाइड ब्रिज' नाम दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस पुल का निर्माण 1950 में किया गया था और तभी से ऐसी घटनाएं सामने आने लगी थीं। हालांकि, पुल का क्या रहस्य है, इस बारे में किसी को कुछ भी पता नहीं चल पाया है। हैरानी की बात ये है कि अधिकतर डॉग्स एक ही जगह से कूदते हैं। कुत्तों की आत्महत्या को देखते हुए एडमिनिस्ट्रेशन को यहां वॉर्निंग बोर्ड तक लगाना पड़ा, ताकि लोग अपने पालतू कुत्तों को संभालकर रखें। इस पुल को लेकर कई तरह की कहानियां सुनी सुनाई जाती हैं। कुछ लोगों का मानना है कि यहां निगेटिव एनर्जी या भूत-प्रेत मौजूद हैं।

VEHICLE AVAILABLE for SALE
Maruti Swift LXI
Model 2023
MP20-ZF-2559
"as is where is condition"
Contact within 7 days at
M/s Sundaram Finance Ltd.
II Floor, Digamber Tower 936, Wright Town, Jabalpur- 482002
0761-2451218, 9425600590

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवायें।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

शब्द पहेली - 6134

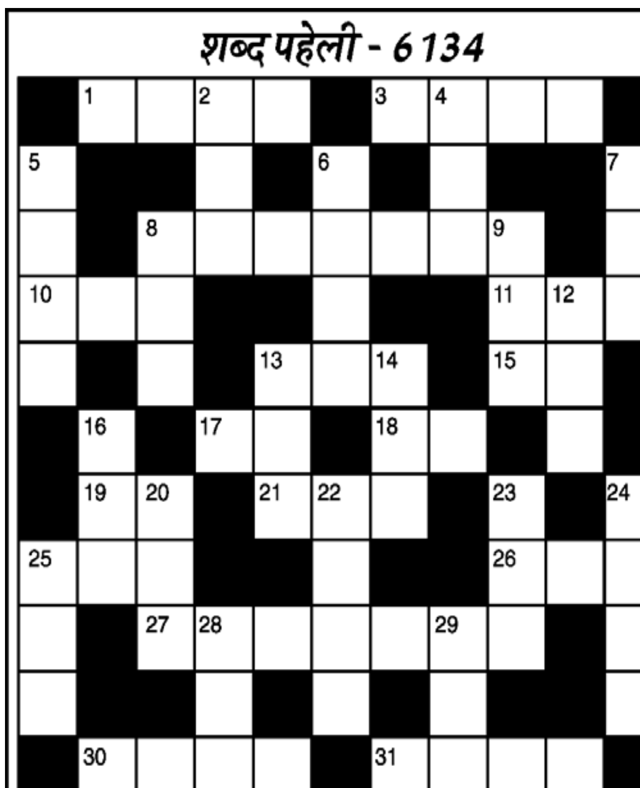

बाएँ से दाएं
1. बादलों की गड़गड़ाहट-4
3. नीरस, रस विहीन-4
8. नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10. कंठस्थ करना-3
11. जुड़वा-3
13. उक्ति, काव्य कृति-3
15. आने वाला दिन-2
17. पर, पराया, दूसरा-2
18. हाथ-2
19. कविता लिखने वाल-2
21. बजाने वाला-3
25. कक्ष, रूम-3
26. ठिकाना, नीड़-3
27. हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30. अभिप्राय-4
31. आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे
2. तरुणाई, लड़कपन-3
4. सहायता, आधार-3
5. बीताना, यापन करना-4
6. दिखावा, पाखंड-4
7. जरुरत, स्वार्थ-3
8. राजी करना-3
9. योग्य-3
12. मसलना-3
13. इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14. सुगंध, लास-3
16. रोकड़ राशि-3
20. रुकना, स्थिर होना-3
22. विजय दशमी -4
23. भोर, सवेरा-3
24. सना हुआ, तर-4
25. छल, धोखा-3
28. अनुकृति-3
29. श्रंगार -3

शब्द पहेली - 6133 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क	■	का	रा	वा	स
ज	ल	■	र	■	म	छ	ली	■	र	मा
र	■	अ	दा	का	र	■	न	र	■	धा
अ	र	मा	न	■	बं	द	■	ज	मी	न
म	■	न	■	म	द	म	स्त	■	रा	■
र	ज	त	प	ट	■	क	र	म	ज	ला
■	प	■	ट	क	रा	ना	■	स	■	ल
मु	ना	दी	■	ना	ग	■	द	ल	ह	न
ला	■	प	री	■	गा	ड़ी	वा	न	■	पा
का	का	■	त	न	य	■	घ	■	न	ल
त	र	सा	ना	■	न	ग	र	भ	व	न

सूडोकु नवताल - 6144

मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANDAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6143 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

वैलेंटाइन-डे विशेष

वैलेंटाइन-डे पर जब प्रेम की बात होती है, तो इसके मायने प्रायः रोमांस तक सीमित रह जाते हैं। जबकि प्रेम के बहुत व्यापक अर्थ हैं, रुमानी जज्बातों से बहुत ऊपर। विशेष तौर पर स्त्री के लिए प्रेम के मायने बहुत उदात्त हैं। इसमें स्त्री का अवदान अमूल्य है, अनुपम है। स्त्री के संदर्भ में प्रेम के मायने शाश्वत हैं।

स्त्री के लिए प्रेम के मायने

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

जब प्रेम, शब्दों से पहले व्यवहार बन जाए, जब वह कहने से ज्यादा करने में दिखे, तब वहां स्त्री मन उपस्थित होता है। स्त्री का प्रेम कोई क्षणिक भाव नहीं होता, वह एक निरंतर चलने वाली कोमल प्रक्रिया है, जिसमें धैर्य, समर्पण, समझ और सहनशीलता एक साथ ध्वनित होती है। स्त्री मन प्रेम को मां की ममता में जीता है, पत्नी की जिम्मेदारी निभाता है और बहू के रूप में संतुलन बनाकर चलता है। स्त्री का प्रेम केवल पाने की इच्छा नहीं रखता, बल्कि देने की क्षमता से भरा होता है। वह प्रेम को शर्तों में नहीं बांधती, बल्कि परिस्थितियों के साथ ढाल लेती है। एक स्त्री जब प्रेम करती है, तो वह सामने वाले के स्वभाव को समझने का प्रयास करती है। वह उसकी चुप्पी भी पढ़ लेती है, उसके गुस्से के पीछे की वजह को पहचान लेती है। स्त्री मन का प्रेम केवल भावनात्मक नहीं होता, वह व्यावहारिक भी होता है। वह जानती है कि कब बोलना है, कब चुप रह जाना ही प्रेम को बचा सकता है।

प्रेम में त्याग करती है स्त्रीः घर के भीतर हो या काम-काज में, स्त्री का प्रेम सबसे अधिक दिखाई देता है। सुबह की पहली चिंता से लेकर रात की आखिरी तैयारी तक, प्रत्येक काम में उसका प्रेम घुला-मिला होता है। वह भोजन बनाते समय यह सोचती है कि किसे क्या पसंद है, किसे क्या नहीं? वह बीमार सदस्य की नींद का ख्याल रखती है। बच्चों के डर को अपनी हिम्मत से निडर बनाने का प्रयत्न करती है। स्त्री मन का प्रेम त्याग से जुड़ा होता है फिर भी त्याग बोझ नहीं बनता। स्त्री इसे अपने अस्तित्व का हिस्सा बना लेती है।

प्रेम को सहज बनाती है स्त्रीः कई बार स्त्री अपनी इच्छाओं को पीछे रख देती है, क्योंकि उसके लिए प्रियजनों की खुशी अधिक महत्वपूर्ण होती है। वह यह नहीं जताती कि उसने क्या छोड़ा, क्योंकि उसका प्रेम दिखावे का नहीं होता। समाज अक्सर स्त्री के प्रेम को उसका कर्तव्य कहकर सीमित कर देता है। लेकिन सच्चाई यह है कि स्त्री प्रेम को चुनती है। वह हर दिन दूसरे की खुशी चुनती है, समझना, सहना, संभालना और जीवन में प्रवाहित रहना। यह चयन आसान नहीं होता, फिर भी स्त्री इसे सहज बना लेती है।

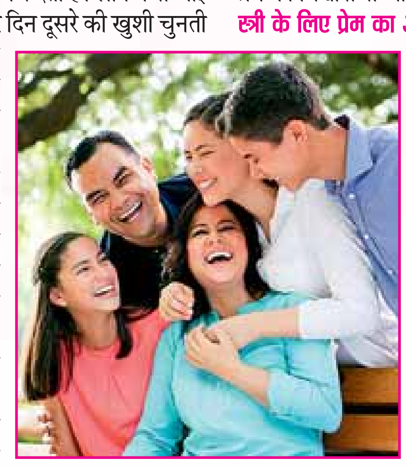

स्त्री का प्रेम रिश्तों को जोड़ता हैः स्त्री मन का प्रेम रिश्तों को जोड़ने का काम भी करता है। टूटते संवाद, बिगड़ते संबंध, अनकहे मतभेद, इन सबके बीच वह सेतु बनती है। वह जानती है कि हर रिश्ते में जीतना जरूरी नहीं, कई बार रिश्तों को निभाना ज्यादा जरूरी होता है।

स्त्री देती है प्रेम को नया अर्थः प्रेम में स्त्री की सबसे बड़ी विशेषता उसकी संवेदनशीलता है। वह भावनाओं को हल्के में नहीं लेती। किसी के शब्दों का असर, किसी की चुप्पी का कारण, वह सब महसूस करती है। यही संवेदनशीलता उसे मजबूत बनाती है, कमजोर नहीं। हालांकि स्त्री मन का प्रेम अक्सर परीक्षा में डाला जाता है। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह हर हाल में समझे, हर परिस्थिति में समायोजन करे। उसकी सहनशीलता को उसकी सीमा समझ लिया जाता है, लेकिन स्त्री का प्रेम असीम नहीं होता। उसे भी सम्मान, अपनापन और समझ की आवश्यकता होती है। जब स्त्री मन को प्रेम के बदले प्रेम मिलता है, तो वह और निखर जाता है। जब उसकी भावनाओं को सुना जाता है, उसकी थकान को पहचाना जाता है, तो वह और अधिक देने में सक्षम होती है। स्त्री का प्रेम तब खिलता है, जब उसे केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक इंसान के रूप में देखा जाता है। मां के रूप में स्त्री, प्रेम को सुरक्षा में बदल देती है। वह बच्चों के लिए ढाल बन जाती है। पत्नी के रूप में वह प्रेम को साझेदारी बनाती है। और बेटी के रूप में वह प्रेम को विश्वास से जोड़ती है।

स्त्री के लिए प्रेम का अर्थ बहुत व्यापक हैः स्त्री मन प्रेम में पूर्णता नहीं ढूंढ़ता, वह संतुलन ढूंढ़ता है। वह जानती है कि हर इंसान अपूर्ण है, फिर भी वह उसे स्वीकार करना सीखती है। यही स्वीकार्यता उसके प्रेम को गहराई देती है। आज के समय में जब रिश्ते जल्दी टूट जाते हैं, स्त्री मन का प्रेम उन्हें थामे रखने का प्रयास करता है। वह संवाद बनाए रखने की कोशिश करती है, समझौते को हार नहीं मानती। उसके लिए प्रेम का अर्थ है, साथ चलना, चाहे रास्ता कठिन क्यों न हो। लेकिन यह भी जरूरी है कि स्त्री मन के प्रेम को केवल अवदान के रूप में न देखा जाए, बल्कि एक साझेदारी के रूप में समझा जाए। जब प्रेम एकतरफा होता है, तब वह प्रेम कम, बोझ ज्यादा बन जाता है, तब वह मन को थकाने लगता है। स्त्री का प्रेम तब सबसे सुंदर होता है, जब उसे लौटकर भी उतनी ही संवेदना मिले।

निरंतर निभाए जाने वाला उत्तरदायित्वः यह समझना आवश्यक है कि स्त्री मन का प्रेम केवल एक भाव नहीं, बल्कि एक निरंतर निभाया जाने वाला उत्तरदायित्व है। वह प्रेम को शब्दों में नहीं तौलती, बल्कि उसे जीवन के हर छोटे-बड़े क्षण में जीती है। उसकी उपस्थिति से रिश्तों में स्थिरता आती है। घर में संतुलन बना रहता है और जीवन की कठिनाइयां कुछ आसान लगने लगती हैं। स्त्री मन प्रेम में स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर देता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि वह स्वयं को भूल जाना चाहती है। स्त्री भी चाहती है कि उसके भावों को समझा जाए, उसकी चुप्पी को सुना जाए और उसकी थकान को पहचाना जाए।

प्रेम में स्त्री का अमूल्य योगदानः प्रेम के अवदान में स्त्री मन का योगदान अमूल्य होता है। वह प्रेम को जीती है, निभाती है और सहेजती है। वह प्रेम को केवल महसूस नहीं करती, बल्कि उसे रोजमर्रा की जिंदगी में उतारती है। स्त्री मन का प्रेम शोर नहीं करता, लेकिन उसकी उपस्थिति से जीवन में स्थिरता आती है। वह बिना कहे बहुत कुछ दे जाता है, और यही उसका सबसे बड़ा अवदान है, प्रेम को जीवन का आधार बना देना। a

जीवन को मानवीय बनाता है प्रेम

आज आवश्यकता इस बात की है कि स्त्री मन के प्रेम को केवल त्याग की कसौटी पर न परखा जाए। उसे साझेदारी, संवाद और समान भावनात्मक सहयोग की जरूरत है। प्रेम तब ही पूर्ण होता है, जब वह एकतरफा नहीं, बल्कि दो मनों की साझा यात्रा बन जाए। स्त्री मन का प्रेम शोर नहीं करता, वह दिखावा नहीं करता। वह चुपचाप जीवन को थामे रखता है। वही प्रेम रिश्तों को टूटने से बचाता है, वही प्रेम जीवन को मानवीय बनाता है। और यही स्त्री मन का सबसे बड़ा अवदान है कि वह प्रेम को जीने की कला सिखाता है, बिना शर्त, बिना अपेक्षा, बस पूरी आत्मीयता के साथ।

आप भी जरूर मनाएं प्रेम का यह उत्सव

अधिकांश मैरीड कपल्स मानते हैं कि वैलेंटाइन-डे का क्रेज शादी से पहले तक ही रहता है। जबकि आपसी जुड़ाव में प्रगाढ़ता लाने के लिए प्रेम का यह उत्सव हर दंपति को भी जरूर मनाना चाहिए।

दांपत्य

पूर्ति खरे

फरवरी माह की 14 तारीख यानी वैलेंटाइन-डे केवल लविंग कपल्स के लिए ही नहीं, पति-पत्नी के लिए भी किसी पर्व से कम नहीं है। वास्तव में पति-पत्नी का रिश्ता गहरा, मजबूत और जीवन भर का बंधन होता है, जो प्रेम, विश्वास और आपसी समझ पर ही आधारित होता है। यह रिश्ता न केवल दो लोगों को जोड़ता है, बल्कि दो परिवारों को भी एक साथ लाता है। इसलिए इस खास दिन आप अपने प्यार और विश्वास को एक-दूसरे के प्रति व्यक्त कर सकते हैं। इसके लिए आप कुछ तरीके अपना सकते हैं।

रोमांटिक डिनरः पति-पत्नी इस अवसर पर एक साथ रोमांटिक डिनर का आनंद ले सकते हैं। आप अपने पसंदीदा रेस्टोरेंट में जा सकते हैं या घर पर ही रोमांटिक डिनर अरेंज कर सकते हैं।

लवली ट्रिपः वैलेंटाइन-डे को स्पेशल बनाने के लिए कहीं बाहर ऐसी जगह घूमने जा सकते हैं, जहां बस आप दोनों हों। इसके लिए किसी सुंदर नेचुरल प्लेस को चुनें, जैसे कि समुद्र तट, हिल स्टेशन या नेशनल पार्क या ऐसी ही कोई जगह। रोजमर्रा की जिम्मेदारियों से दूर एक-दूजे के साथ बिताया गया यह समय न केवल प्यारा अहसास देगा, आपके लिए हमेशा के लिए यादगार बन जाएगा।

मूवी नाइटः पति-पत्नी प्यार के इस खास अवसर पर एक साथ मूवी नाइट का आनंद ले सकते हैं। आप अपनी कोई पसंदीदा मूवी अपने लाइफ पार्टनर के साथ देख सकते हैं। साथ में बैठकर पॉपकॉर्न का आनंद लेते हुए फिल्म देखना आपको बहुत खुशी देगा। निश्चित तौर पर साथ बिताया यह समय आपके रिश्ते को एक नई उमंग से भर देगा।

म्यूजिक कॉन्सर्टः किसी म्यूजिक कॉन्सर्ट में जाकर पति-पत्नी एक साथ इस खास दिन संगीत का आनंद ले सकते हैं। आप चाहें तो अपने घर पर ही अपने पसंदीदा रोमांटिक गीतों को सुन सकते हैं और साथ में डांस भी कर सकते हैं। यकीन मानिए प्रेम भाव से भरे हुए गाने आप दोनों के भीतर प्यार का नया अहसास भर देंगे।

इनका भी रखें ध्यानः आप वैलेंटाइन-डे के अवसर पर यहां बताए गए आइडियाज पर तो अमल करें ही साथ ही कुछ और बातों का भी हमेशा यानी हर रोज ध्यान रखें तो आपका प्यार कभी कमजोर नहीं होगा।

- पति-पत्नी को हर रोज एक-दूसरे को कुछ समय जरूर देना चाहिए। आप एक-दूसरे के साथ समय बिताने के दौरान अपने विचारों और मन की बातों को साझा कर सकते हैं।
- आत्मीय बातचीत के दौरान पति-पत्नी को केवल अपनी बात कहनी ही नहीं चाहिए पार्टनर की बात सुननी भी चाहिए। आप एक-दूसरे की समस्याओं को न केवल ध्यान से सुनें, उसका समाधान निकालने का भी प्रयास जरूर करें।
- एक-दूसरे को अगर आप प्यार करते हैं तो अपने जज्बात बयां करने से भी नहीं नहीं झिझकें। अपनी भावनाएं बयां करने से प्यार और प्रगाढ़ होता है।
- पति-पत्नी को एक-दूसरे का साथ हर जगह देना चाहिए। एक-दूसरे की जरूरतों को पूरा करने की भी हर संभव कोशिश करें।
- रोजमर्रा के कामों में गलतियां सभी से होती रहती हैं। ऐसे में पति-पत्नी को एक-दूसरे को माफ करना भी आना चाहिए। इससे अपने जीवनसाथी के प्रति मन में सम्मान बढ़ता है। इसलिए एक-दूसरे की छोटी-छोटी कमियों को नजरअंदाज करें और प्यार के इस रिश्ते को प्रगाढ़ करने की दिशा में आगे बढ़ें। a

दमकेगा आपका ऐसा रूप पार्टनर हो जाएंगे फिदा

मेकअप

निधि गोयल

वैलेंटाइन-डे के खास मौके पर आप जरूर चाहेंगी कि आपका लुक स्पेशल नजर आए, आपके पार्टनर आप पर फिदा हो जाएं तो इसके लिए आपको यहां बताए जा रहे मेकअप के स्टेप्स फॉलो करने होंगे। इससे आपका मेकअप अट्रैक्टिव के साथ ग्लोइंग भी नजर आएगा। आइए जानते हैं, आप किस तरह अपने मेकअप को परफेक्ट लुक दे सकती हैं।

स्किन को करें क्लीनः सबसे पहले जरूरी है कि आप अपनी स्किन को अच्छे फेसवॉश से क्लीन करें। इसके बाद मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करें, जिससे आपकी स्किन हाइड्रेट रहे क्योंकि स्किन का सॉफ्ट और हाइड्रेट रहना भी बेहद आवश्यक है। इसके बाद प्राइमर का इस्तेमाल करें, जिससे आपका मेकअप ज्यादा समय तक टिका रहेगा और स्किन स्मूद और क्लीन नजर आएगी।

फाउंडेशन का करें यूजः क्लीनिंग के बाद आपको अपनी स्किन टोन से मैच करते हुए फाउंडेशन का इस्तेमाल करें। फाउंडेशन को स्पंज या ब्रश की सहायता से ब्लेंड करें, जिससे यह स्किन पर अलग से लगा हुआ नजर नहीं आएगा। इससे आपकी स्किन को ग्लोइंग लुक मिलेगा।

नेचुरल कलर का ब्लशरः फेस स्किन पर फाउंडेशन का इस्तेमाल करने के बाद गालों पर ब्लश अप्लाई करें। इसके लिए पिंक और पीच कलर के ब्लश का इस्तेमाल करें क्योंकि इससे गालो को नेचुरल लुक मिलेगा और आपका मेकअप भी ग्लोइंग नजर आएगा। ब्लशर में आप क्रीमी ब्लश का इस्तेमाल करें क्योंकि इससे स्किन को बेहद ताजगी भरा लुक मिलता है।

ऐसे करें आइज मेकअपः आंखों का मेकअप जब भी करें तो ध्यान रखें कि आपको बहुत ज्यादा हैवी मेकअप नहीं करना है क्योंकि दिन में आप किसी पार्टी में या अपने पार्टनर के साथ घूमने जा रही हैं तो थोड़ा सॉफ्ट मेकअप ही अट्रैक्टिव लगता है। इसके लिए आपको आंखों पर लाइट कलर के आईशैडो का इस्तेमाल करना सही रहेगा। आंखों पर अपनी ड्रेस से मैच करते हुए शेड का इस्तेमाल आप कर सकती हैं। साथ ही आईलाइनर को डिफरेंट तरीके से लगा सकती हैं। इसके बाद मस्कारा या काजल का इस्तेमाल भी करें।

लिक्विड हाइलाइटरः मेकअप पूरा होने के बाद हाइलाइटर का इस्तेमाल जरूर करें। इससे स्किन पर ग्लो आता है। हाइलाइटर का इस्तेमाल करें तो उसे गालों, नाक की हड्डी और माथे पर लगाएं, जिससे आपको नेचुरल ग्लोइंग लुक मिलेगा। परंतु ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा मात्रा में हाइलाइटर नहीं लगाएं।

होंठों को दें ग्लॉसी लुकः जब आप मेकअप कंप्लीट कर लेती हैं, तो बारी आती है होंठों को अट्रैक्टिव बनाने की। इसके लिए आप होंठों पर ग्लॉस का इस्तेमाल करें, क्योंकि नेचुरल कलर के ग्लॉस ज्यादा अच्छा लुक देते हैं। इन्हें लगाने से आपका पूरा मेकअप निखर जाएगा। a

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

गिफ्ट के जरिए हम अपने किसी प्रिय को अपनी फीलिंग्स प्रकट करते हैं। बात जब वैलेंटाइन-डे पर गिफ्ट देने की हो तो यह और भी मायने रखता है। इसीलिए हम कुछ यूनीक गिफ्ट आइटम्स के बारे में बता रहे हैं।

आपके पार्टनर को आएंगे पसंद ये अट्रैक्टिव-यूनीक गिफ्ट्स

सजेशन

मनोज अग्निहोत्री

किसी भी खास अवसर पर हम गिफ्ट देकर अपने प्रिय को स्पेशल फील करा सकते हैं। आने वाले वैलेंटाइन-डे पर आप भी अपने पार्टनर को जरूर कोई प्यारा सा गिफ्ट देना चाहेंगे। गिफ्ट देते समय आपको अपने पार्टनर की पसंद के साथ ही उसके लुक, उसके यूज और उससे जुड़ी अपनी फीलिंग्स का ध्यान रखना चाहिए। अगर आपको यह समझ नहीं आ रहा है कि ऐसा क्या दिया जाए जो आपके पार्टनर को तो पसंद आए ही उनके लिए उपयोगी भी हो, तो हम आपको ऐसे ही कुछ बेहतरीन और यूनीक गिफ्ट ऑप्शंस के बारे में बता रहे हैं। इनमें से किसी को भी आप अपने प्रियजन को दे सकते हैं और इस वैलेंटाइन-डे को यादगार बना सकते हैं।

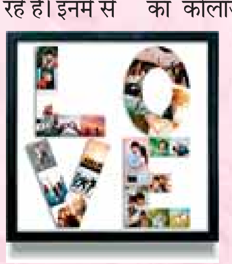

कस्टमाइज ज्वेलरीः आप अपने पार्टनर को स्पेशल फील करवाने के लिए उनके नाम से कस्टमाइज करवाकर रिस्ट वॉच, इयर रिंग्स, कफलिंग्स, रिंग्स या लॉकेट वाली चेन आदि दे सकते हैं। कम दाम में भी ऐसे गिफ्ट्स मिल जाएंगे।

फोटो एल्बम या फोटो कोलाजः साथ बिताए पलों को और अपने पार्टनर के अलग-अलग फोटोज को आप बहुत खूबसूरत से फोटोफ्रेम में कैप्चर करके उन्हें प्रेजेंट कर सकते हैं। इसी तरह आप कई प्यारी सी तस्वीरों का कोलाज भी बनवा कर उनको गिफ्ट कर सकते हैं। यह यूनीक और अनमोल तोहफा आपके पार्टनर को जरूर पसंद आएगा।

हैंड रिटेन लैटरः मोबाइल और डिजिटल दुनिया के इस दौर में आप एक खूबसूरत से लैटर पैड पर अपने प्रिय के प्रति अपनी भावनाओं को कविता या पत्र के माध्यम से लिखकर सुंदर से लिफाफे में रखकर गिफ्ट कर सकते हैं। पेन और पेपर से व्यक्त की गईं आपकी भावनाएं आपके पार्टनर को अवश्य पसंद आएंगी। आपकी फीलिंग्स से भरे इन शब्दों को वे कभी नहीं भूल पाएंगे।

होम मेड आइटम्सः आप घर पर ही हार्ट शेप की कुकीज, केक्स, नानखटाई या चॉकलेट्स बनाकर उसे गिफ्ट पेपर में रैप करके भी गिफ्ट कर सकती हैं। बाजार की रेडीमेड वस्तुओं की जगह ये हैंडमेड आइटम्स आपके पार्टनर को आपके प्यार की ऊष्मा का अहसास कराएंगी।

प्यारे से प्लांट्सः यदि आपके पार्टनर नेचर लवर हैं, तो आप उनको जेड, एडेनियम, गुलाब, पाम या क्रोटन जैसे पौधों को सुंदर गमले में लगाकर गिफ्ट दे सकते हैं। जो आपके प्यार की ही भांति धीरे-धीरे बढ़ेगा। इन पौधों को जब भी आपका पार्टनर देखेगा, आपको याद किए बिना नहीं रह सकेगा।

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्सः अगर आपके पार्टनर टेक्नोलवर हैं तो उनको आप स्मार्ट वॉच, वायरलेस इयर फोंस, टैब या एयरफ्रायर जैसा होम एप्लाइंस भी गिफ्ट कर सकते हैं। गिफ्ट खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखें-

- गिफ्ट खरीदते समय अपने पार्टनर की उम्र और रुचि का अवश्य ध्यान रखें ताकि गिफ्ट उनके लिए उपयोगी रहे।
- पहले अपना बजट निर्धारित करें और उसी के अनुसार गिफ्ट का चयन करें।
- अकसर ऑफलाइन की अपेक्षा ऑनलाइन गिफ्ट आइटम्स में अधिक वैरायटीज और क्वालिटी मिल जाती हैं। आप अपने बजट के अनुसार वहां से भी गिफ्ट खरीद सकते हैं।
- गिफ्ट चाहे छोटे आकार का हो या बड़ा उसे गिफ्ट पेपर में अच्छी तरह रैप करके ही प्रेजेंट करें। इससे गिफ्ट की सुंदरता और अधिक बढ़ जाती है। a

स्कॉटलैंड का एसोसिएट टीमों में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाकर रचा कीर्तिमान

स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रन से हराया, जॉर्ज मुन्से का अर्धशतक

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

टी20 विश्व कप के इतिहास में स्कॉटलैंड ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। एसोसिएट देश के रूप में स्कॉटलैंड ने टी20 विश्व कप की एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने की उपलब्धि यूएसए को पीछे छोड़ते हुए अपने नाम कर ली है। कोलकाता के ईडन गार्डन में सोमवार को हुए मुकाबले में स्कॉटलैंड ने इटली के खिलाफ टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 207 रन बनाए।

टी20 विश्व कप में किसी भी एसोसिएट देश का एक पारी में बनाया गया यह सबसे बड़ा स्कोर है। पूर्व में यह रिकॉर्ड यूएसए के नाम था। टी20 विश्व कप 2024 में यूएसए ने कनाडा के खिलाफ दूसरी पारी में 3 विकेट पर 197 रन बनाकर जीत हासिल की थी। इसी मैच में कनाडा ने पहली पारी में 194 रन बनाए थे। इटली को टी20 विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में 73 रन से हार का सामना करना पड़ा है। स्कॉटलैंड के दिए 208 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी इटली 16.4 ओवर में 134 पर आउट हो गई।

इटली ने 17 गेंदों पर गंवाए आखिरी पांच विकेट

208 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इटली की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और पहली ही गेंद पर जस्टिन मोस्का का विकेट गिर गया। इसके बाद विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे। इटली ने अपने आखिरी 5 विकेट 17 गेंद के अंदर गंवाए। कप्तान वेन मैडसेन इंजरी की वजह से बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। इटली के लिए हैरी मैनेंटी ने 25 गेंद पर 3 छक्कों और 1 चौके की मदद से 37 रन बनाए, जबकि बेन मैनेंटी ने 31 गेंद पर 1 छक्का और 5 चौकों की मदद से 52 रन की पारी खेली। इन दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 73 रन की साझेदारी हुई थी। स्कॉटलैंड के लिए माइकल लिस्क सफलतम गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 17 रन देकर 4 विकेट लिए। मार्क वाट ने 4 ओवर में 24 रन देकर 2 विकेट लिए। ब्रैड करी, ब्रैड व्हील, और ओलिवर डेविडसन ने 1-1 विकेट लिए।

लिस्क को प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब

इसके पहले टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 4 विकेट पर 207 तक रन बनाए थे। स्कॉटलैंड के लिए जॉर्ज मुन्से ने बेहतरीन अर्धशतक लगाया। वह 54 गेंद पर 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 84 रन की पारी खेलकर आउट हुए। माइकल जोंस 30 गेंद पर 37 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा मैकमुलेन ने 18 गेंद पर 4 छक्कों की मदद से नाबाद 41 और लिस्क ने 5 गेंद पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से नाबाद 22 रन बनाए थे। माइकल लिस्क प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

आठवां मुकाबला

जिम्बाब्वे ने ओमान को 8 विकेट से हराया, बेनेट की शानदार बल्लेबाजी

कोलंबो। जिम्बाब्वे ने सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में सोमवार को खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के आठवें मुकाबले में ओमान के विरुद्ध 8 विकेट से जीत दर्ज की। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ओमान की टीम 19.5 ओवरों में 103 रन पर सिमट गई। कप्तान जतिंदर सिंह 1 चौके के साथ 5 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद टीम ने 27 के स्कोर तक अपने 5 विकेट खो दिए। यहां से विनायक शुक्ला ने सुफयान महमूद के साथ छठे विकेट के लिए 43 गेंदों में 42 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस साझेदारी के टूटते ही ओमान एक बार फिर से लड़खड़ा गई। विनायक 28 रन बनाकर आउट हुए, जबकि महमूद ने 25 रन की पारी खेली। इनके अलावा, नदीम खान ने 20 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से रिचर्ड नगारवा, ब्लेसिंग मुजारबानी और ब्रैड इवांस ने 3-3 विकेट हासिल किए। एक विकेट सिकंदर रजा के हाथ लगा।

जिम्बाब्वे ने बल्ले और गेंद से किया कमाल

इसके जवाब में जिम्बाब्वे ने 13.3 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। दिवानाशे मारुमानी और ब्रायन बेनेट ने पहले विकेट के लिए 3.1 ओवरों में 30 रन जुटाए। मारुमानी 11 गेंदों में 5 चौकों के साथ 21 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद डायोन मायर्स (0) बल्लेबाजी के लिए उतरे, लेकिन अपनी दूसरी गेंद पर ही विकेट गंवा बैठे। जिम्बाब्वे की टीम 30 के स्कोर पर 2 विकेट खो चुकी थी। यहां से ब्रायन बेनेट ने ब्रेंडन टेलर के साथ 56 गेंदों में 68 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया। टेलर 30 गेंदों में 3 चौकों के साथ 31 रन बनाकर रिटायर्ड आउट हुए, जबकि बेनेट ने 36 गेंदों में 7 चौकों के साथ नाबाद 48 रन बनाकर टीम को आसान जीत दिलाई। विपक्षी खेमे से दोनों विकेट सुफयान महमूद ने हासिल किए। उन्होंने 3 ओवरों में महज 12 रन दिए, लेकिन टीम को शर्मनाक हार से बचा नहीं सके।

खबर संक्षेप

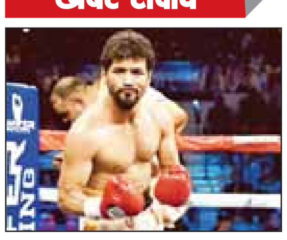

25 से इंडिया नॉकआउट नाइट्स, गोयत ने मिलाया आईआईएस से हाथ

नई दिल्ली। अनुभवी भारतीय पेशेवर मुक्केबाज नीरज गोयत ने देश के मुक्केबाजों के लिए 'इंडिया नॉकआउट नाइट्स' शुरू करने के इरादे से बेल्लारी स्थित इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट (आईआईएस) के साथ हाथ मिलाया है। यह प्रतियोगिता 25 फरवरी से शुरू होगी। तीन बार के डब्ल्यूबीसी एशियाई खिताब विजेता गोयत को इस पहल के लिए विश्व चैंपियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता निशांत देव का समर्थन मिला है, जो अब पेशेवर सर्किट में खेलते हैं।

सूर्यकुमार का कप्तान होना भारत के लिए सौभाग्य

नई दिल्ली। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सूर्यकुमार यादव की 'संयमित नेतृत्व क्षमता' की तारीफ करते हुए कहा कि टी20 प्रारुप में कप्तान के तौर पर वह सभी कसौटी पर खरे उतरते हैं और इससे उनका दबाव भरा काम थोड़ा आसान हो जाता है। गंभीर ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज का कप्तान होना भारत के लिए सौभाग्य की बात है।

रणजी ट्राफी : कर्नाटक की सेमीफाइनल में एंट्री 42 बार की चैंपियन मुंबई बाहर, राहुल ने ठोका शतक

एजेंसी ▶▶| मुंबई

लोकेश राहुल के 24वें प्रथम श्रेणी शतक की बदौलत कर्नाटक ने 42 बार के चैंपियन मुंबई को चार विकेट से हराकर रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। राहुल ने 182 गेंद में 14 चौकों और एक छक्के से 130 रन की पारी खेली, जिससे कर्नाटक ने 325 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए छह विकेट पर 325 रन बनाकर जीत दर्ज की । बेंगलुरु में अगले हफ्ते होने वाले सेमीफाइनल में कर्नाटक की भिड़ंत अब उत्तराखंड से होगी।

राहुल को रविचंद्रन स्मरण (नाबाद 83, 123 गेंद, 11 चौके) के रूप में उम्दा जोड़ीदार मिला। दोनों ने मैच के चौथे दिन चौथे विकेट के लिए 147 रन की साझेदारी करके कर्नाटक की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राहुल की पारी की बदौलत आठ बार का चैंपियन कर्नाटक लंच तक तीन विकेट पर 265 रन बनाकर बेहद मजबूत स्थिति में था। राहुल हालांकि लंच के तुरंत बाद तुषार देशपांडे का शिकार बने। देशपांडे और तनुष कोटियान ने इसके बाद कर्नाटक का स्कोर छह विकेट पर 285 रन कर दिया। बाइस साल के स्मरण ने इसके बाद अपना विकेट बचाने को तरजीह जबकि विद्याधर पाटिल ने 30 गेंद में चार चौकों और एक छक्के से नाबाद 31 रन की पारी खेलकर कर्नाटक को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इससे पहले राहुल ने अपनी पारी के दौरान काफी धैर्य दिखाया और कोटियान की गेंद पर चौके के साथ शतक पूरा किया।

मप्र को हराकर जम्मू कश्मीर पहली बार सेमीफाइनल में

इंदौर। तेज गेंदबाज आकिब नबी के करियर के सर्वश्रेष्ठ 12 विकेट से जम्मू कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मैच के चौथे दिन सोमवार को यहां मध्य प्रदेश को 56 रन से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। पहली पारी में सात विकेट चटकाने वाले 29 साल के नबी ने दूसरी पारी में पांच विकेट झटके, जिससे जीत के लिए 291 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही 2021-22 की चैंपियन मध्य प्रदेश की टीम 234 रन पर आउट हो गई। जम्मू कश्मीर के सामने सेमीफाइनल में बंगाल और आंध्र के बीच खेले जा रहे क्वार्टर फाइनल से आगे बढ़ने वाली टीम की चुनौती होगी। दूसरे सेमीफाइनल में उत्तराखंड की टक्कर कर्नाटक से हागी। आकिब ने बीते दिन 23 रन देकर तीन विकेट लिए थे, जिससे मध्य प्रदेश का स्कोर दूसरी पारी में पांच विकेट पर 84 रन था।

आकिब ने मैच के चौथे दिन रामवीर गुर्जर (11) और फिर मध्य प्रदेश की आखिरी उम्मीद सारांश जैन (81 गेंद में 64 रन) को आउट कर मैच में दूसरी बार पांच विकेट झटकने का कारनामा पूरा किया। आर्यन पांडे (22) आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे। इससे पहले दिन की शुरुआत में टीम ने अभी 20 रन ही जोड़े थे कि अनुभवी वेंकटेश अय्यर (17) सुनील कुमार की गेंद को विकेटकीपर के हाथों में खेल गये।

एशियन राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप

शूट-ऑफ में गोल्ड से चूकीं मनु, ईशा ने जीता ब्रॉन्ज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर स्वर्ण पदक जीतने के बेहद करीब पहुंचकर रोमांचक शूट ऑफ में पिछड़ गईं, जिससे उन्हें एशियाई चैंपियनशिप की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि उनकी साथी भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह को कांस्य पदक मिला। महाद्वीपीय प्रतियोगिता के मौजूदा सत्र के सबसे करीब मुकाबले में से एक में स्वर्ण पदक विजेता एनगुयेन थुय ट्रेंग और मनु दोनों ने फाइनल में समान 35 का स्कोर किया। इसके बाद मुकाबला शूट ऑफ में खिंचा, जिसमें वियतनाम की खिलाड़ी ने बाजी मार ली। फाइनल में पूर्व एशियाई एयर पिस्टल चैंपियन ट्रेंग, मनु, ईशा और ओलंपियन रिदम सांगवान सभी स्वर्ण के लिए एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे थे।

ईशा ने पहली सीरीज में परफेक्ट पांच अंक से की शुरुआत

ईशा ने पहली सीरीज में परफेक्ट पांच अंक से शुरुआत की जबकि मनु और ट्रेंग ने चार-चार अंक के निशाने लगाए। हर सीरीज के बाद पदक की दौड़ में स्थिति बदल रही थी लेकिन छठी सीरीज में परफेक्ट पांच के साथ वियतनाम की खिलाड़ी ने दो अंक की बढ़त बना ली। मनु और ईशा ने ट्रेंग की खराब सातवीं सीरीज का फायदा उठाया, जिसमें वह सिर्फ एक निशाना लगा पाईं, जिससे अंतर कम हो गया। आठवीं सीरीज के आखिर में 30 के स्कोर के साथ आगे चल रही ईशा नौवीं सीरीज में अपने सभी शॉट चूक गईं और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। अंतिम सीरीज में मनु ने तीन निशाने लगाए जबकि ट्रेंग दो की निशाने लगा पाईं, जिससे दोनों का कुल स्कोर 35 हो गया और मुकाबला शूट ऑफ में खिंचा इससे पहले ईशा ने 'प्रिसिन' और 'ड्यूलिंग' चरण के क्वालीफिकेशन दौर में 589 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके बाद मनु (584) रहीं। रिदम ने भी फाइनल में जगह बनाई, जिससे आठ में से तीन निशानेबाज भारतीय थे।

इटली को झटका, कप्तान मेडसन चोटिल, विश्वकप से हुआ बाहर

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

इटली के मुख्य कोच जॉन डेविसन ने कहा है कि कप्तान वेन मेडसन का टीम के टी20 विश्व कप पदार्पण मैच में स्कॉटलैंड के खिलाफ 73 रन की हार के दौरान कंधा खिसकने के कारण लीग चरण के बाकी मुकाबलों में खेलना संदिग्ध है।

डेविसन ने कहा कि अनुभवी कप्तान अब भी टीम के साथ यात्रा कर सकते हैं और 'कोचिंग स्टाफ' के रूप में डगआउट में शामिल हो सकते हैं। मेडसन स्कॉटलैंड की पारी के चौथे ओवर में मिडविकेट पर बाउंड्री रोकने के प्रयास में चोटिल हो गए थे। वह सख्त अभ्यास पिच पर गिरे और तुरंत अपना कंधा पकड़ लिया। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया। मेडसन बाद में मुकाबले से बाहर हो गए। फिजियो ने इसे वापस जगह पर कर दिया है लेकिन उन्हें यह देखने के लिए और स्कैन करवाने होंगे कि यह कितना गंभीर है।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उनका खेलना संदिग्ध होगा।

भारत को बड़ा झटका, बीडब्ल्यूएफ ने घटाई टूर्नामेंट व मैच की संख्या

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) के सोमवार को घोषित भविष्य के कार्यक्रम में भारत को बड़ा झटका लगा है क्योंकि देश में होने वाले आयोजनों की संख्या चार से घटकर दो कर दी गई है, जिसमें इस साल आयोजन संबंधी समस्याओं के बावजूद इंडिया ओपन ने अपना सुपर 750 दर्जा बरकरार रखा है लेकिन सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 का दर्जा घटाकर सुपर 100 कर दिया गया। विश्व टूर कार्यक्रम से जिन टूर्नामेंटों को हटाया गया है उनमें गुवाहाटी और ओडिशा में आयोजित सुपर 100 टूर्नामेंट शामिल हैं। इन टूर्नामेंटों को 2023 में शुरू किया गया था। लखनऊ में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय का आयोजन राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन सैयद मोदी की स्मृति में होता है। यह साल 2018 से विश्व टूर सुपर 300 स्तर का टूर्नामेंट रहा है। 2009 में ग्रां प्री टूर्नामेंट के रूप में शुरू हुआ यह आयोजन अब अगले सत्र से सर्किट में शामिल आठ सुपर 100 टूर्नामेंटों में से एक होगा।

बीडब्ल्यूएफ ने हटाने का कारण नहीं किया स्पष्ट

बीडब्ल्यूएफ ने सैयद मोदी टूर्नामेंट के स्तर को कम करने या ओडिशा और गुवाहाटी के टूर्नामेंटों को कैलेंडर से हटाने के पीछे के कारण स्पष्ट नहीं किए हैं। दिल्ली में आयोजित होने वाले इंडिया ओपन को 2023 में सुपर 750 का दर्जा दिया गया था। वह अपनी ग्रेड दो, लेवल तीन स्थिति बनाए रखेगा और 2027-30 के नए चक्र में भी पांच सुपर 750 टूर्नामेंटों में शामिल रहेगा। इस साल इंडिया ओपन विवादों में भी रहा था। कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने साफ-सफाई सहित आयोजन की अन्य खामियों की ओर इशारा किया था।

सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट: इंटर मिलान ने बनाई बढ़त, सासुओलो को हराया

एजेंसी ▶▶| रोम

इंटर मिलान ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे सासुओलो को 5-0 से हराकर सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में अपनी बढ़त आठ अंक कर ली। यान बिसेक और मार्कस थुराम ने इंटर के लिए पहले हाफ में जबकि लोटारो मार्टिनेज, मैनुअल अकांजी और लुइ हेनरिक ने दूसरे हाफ में गोल दागे। इस जीत से इंटर मिलान के 24 मैच में 58 अंक हो गए हैं। एसी मिलान की टीम 23 मैच में 50 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। टीम मिलाना कोर्टिना ओलंपिक के कारण इस सप्ताहांत नहीं खेली। इंटर मिलान की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार पांचवीं जीत है। अन्य मुकाबलों में चौथे स्थान पर मौजूद यूवेंटस ने आठवें स्थान पर मौजूद लाजियो से 2-2 से ड्रॉ खेला जबकि पार्मा ने बोलोगना को 1-0 से हराया। लीस ने उडिनेस को 2-1 से शिकस्त दी।

इंग्लिश प्रीमियर लीग : मैनचेस्टर सिटी ने लिवरपूल को दी शिकस्त, हैलेंड ने दागे गोल

एजेंसी ▶▶| लंदन

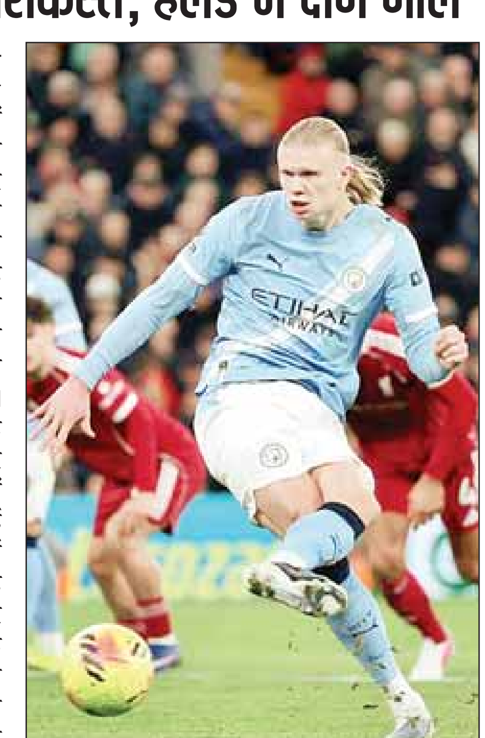

एर्लिंग हैलेंड के अंतिम लम्हों में पेनल्टी पर दागे गोल की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में लिवरपूल को 2-1 से हराकर खिताब की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। नॉर्वे के हैलेंड ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। मैनचेस्टर सिटी की टीम 25 मैच में 50 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। अब उसके और शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल के बीच छह अंक का अंतर है। लीवरपूल को 74वें मिनट में डोमीनिक जोबोज्लाई ने बढ़त दिलाई थी, जिसके 10 मिनट बाद बर्नार्डो सिल्वा ने स्कोर 1-1 कर दिया। हैलेंड ने इसके बाद पेनल्टी पर गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। एक अन्य मुकाबले में क्रिस्टल पैलेस ने ब्राइटन को 1-0 से हराकर 12 मैच से चले आ रहे जीत के इंतजार को खत्म किया।

एशियाई चैंपियंस लीग टू : अल-नासर को रोनाल्डो की वापसी की उम्मीद

एजेंसी ▶▶| रियाद

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी अरब आने के बाद अब तक कोई बड़ा खिताब नहीं जीता है लेकिन उनके क्लब अल-नासर को उम्मीद है कि 41 साल का यह दिग्गज बुधवार को मैदान पर वापसी कर अपनी टीम को ट्रॉफी के करीब पहुंचाने में मदद करेगा। अल-नासर का मुकाबला एशियन चैंपियंस लीग टू के क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की करने के लिए तुर्कमेनिस्तान के अर्कादाग से होगा। पुर्तगाल के फुटबॉल खिलाड़ी रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग में अल-नासर के पिछले दो मैचों में नहीं खेले। कुछ खबरों के मुताबिक वह क्लब की फंडिंग व्यवस्था से खुश नहीं थे। वह पिछले महीने ट्रांसफर विंडो में प्रतिद्वंद्वी अल-हिलाल से करीम बेंजेमा को मिले करार के मुद्दे पर खुश नहीं है। अल-नासर, अल-हिलाल, अल-इत्तिहाद और अल-अहली क्लब सऊदी अरब के सरकारी निवेश फंड के तहत आते हैं।

VEHICLE AVAILABLE for SALE
Maruti Dzire VXI
Model 2024
MP20-ZN-4794
"as is where is condition"
Contact within 7 days at
M/s Sundaram Finance Ltd.
II Floor, Digamber Tower 936, Wright Town, Jabalpur- 482002
0761-2451218, 9425600590

वार्ड पुनर्सीमांकन को चुनौती देने वाली याचिका निरस्त

हाईकोर्ट ने दमोह नगर पालिका के वार्ड घटाने पर लगाई मुहर

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने दमोह नगर पालिका के वार्ड पुनर्निर्धारण को चुनौती देने वाली याचिका निरस्त कर दी। नगर पालिका अध्यक्ष मंजू राय और शैलेन्द्र सिंह की ओर से याचिका दायर की गई थी। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने साफ किया कि 39 वार्डों को घटाकर 29 करने की पूरी प्रक्रिया प्रविधानों के अनुरूप पूर्णतया वैधानिक है। इसमें किसी प्रकार की वैधानिक त्रुटि नहीं पाई गई है।

राज्य शासन की ओर से शासकीय अधिवक्ता प्रभांशु शुक्ला ने याचिका का विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि पूरी प्रक्रिया मप्र नगर पालिक निगम अधिनियम, 1961 की धारा 29 के तहत शुरू की गई। कलेक्टर के आदेशों के बाद राजस्व व पंचायत अमले से आंकड़े जुटाए गए, प्रारंभिक अधिसूचना जारी की गई और आम जनता से आपत्तियां आमंत्रित की गईं। आपत्तियों पर विधिवत विचार करने के बाद ही आगे की कार्रवाई की गई। याचिकाकर्ताओं ने वार्डों के फिर से सीमांकन के सम्बन्ध में 15 दिसंबर, 2025 के प्रस्ताव और 17 दिसंबर, 2025 के नोटिस पर सवाल उठाये थे। पुनर्सीमांकन के तहत कुछ वार्डों का विलय किया गया, कई सीमाएं बदली गईं और लगभग आसपास के 12 गांवों को नगर पालिका में शामिल किया गया। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि यह कार्रवाई विहित नियम का उल्लंघन है। उनका कहना था कि नोटिस सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी नहीं किया गया और वार्ड नंबर-दो सहित कुछ वार्डों में जनसंख्या असंतुलन गंभीर है। हाई कोर्ट ने अभिलेखों का परीक्षण करके पाया कि नोटिस जारी करने से पहले सक्षम अधिकारी की स्वीकृति ली गई थी।

स्लाटर हाउस के ताले खुलें, तो आवेदन देकर बताएं

हाईकोर्ट ने कहा, गोमांस को लेकर चर्चित हुए भोपाल के स्लाटर हाउस का मामला

जिला प्रशासन ने सील करने की जानकारी पेश की

जबलपुर। गोमांस को लेकर पिछले दिनों चर्चित हुए राजधानी भोपाल स्थित लाइव स्टाक फूड प्रोसेसर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित स्लाटर हाउस के मामले की हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान जिला प्रशासन भोपाल की ओर से चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच को अवगत कराया कि स्लाटर हाउस को सील कर दिया गया है। कोर्ट ने इस जानकारी को रिकार्ड पर लेते हुए मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को नियत कर दी। इसके साथ ही जनहित याचिकाकर्ता को यह स्वतंत्रता दी है कि यदि मामले के विचाराधीन रहने के दौरान स्लाटर हाउस के ताले खुलें, तो अर्जेंट हियरिंग का आवेदन दायर किया जा सकता है। जनहित याचिकाकर्ता दयोदय महासंघ, भोपाल के अशोक कुमार जैन, राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ के राकेश जैन गोहिल और जन जागृति समिति के रंधीर कुमार पटेल की ओर से पक्ष रखा गया। दलील दी गई कि भोपाल के जिन्सी क्षेत्र में मैदा मिल रोड पर में लाइव स्टाक फूड प्रोसेसर प्राइसवेट लिमिटेड द्वारा स्लाट रहाउस का संचालन अवैध रूप से किया जा रहा है। इससे न केवल पर्यावरण प्रदूषण बढ़ा रहा है बल्कि जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन गया है। यही नहीं स्लाटर हाउस से निकलने वाला गंदा पानी और वायु प्रदूषण आसपास के जलस्त्रोतों और वायु गुणवत्ता को दूषित कर रहा है।

पीसीबी की रिपोर्ट में कमियां रेखांकित

मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जांच के बाद हाई कोर्ट के पटल पर अपनी रिपोर्ट रखी। जिसमें साफ हुआ कि स्लाटर हाउस में बाउंड्री का होना आवश्यक है। साथ ही निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगने चाहिए। भविष्य में इस स्लाटर हाउस को कहीं और शिफ्ट करना भी जरूरी होगा। इस रिपोर्ट को रिकार्ड पर लेकर हाई कोर्ट ने पीसीबी द्वारा बताई गईं कमियों को पूरा करने के निर्देश स्लाटर हाउस संचालक कंपनी को दे दिए।

रंगदारी वसूलने चाकू मारा

जबलपुर। गोरखपुर थानांतर्गत बाजार क्षेत्र में स्कूटी सवार 3 लड़कों ने एक युवक के साथ मारपीट कर शराब पीने के लिए 1 हजार मांगे, मना करने पर चाकू से वार कर दिया। घटना के संबंध में गोरखपुर थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार जवाहरनगर अधारताल निवासी स्कूटी से खरीददारी करने गोरखपुर बाजार गया था जहां शाम 7.30 बजे एक सफेद रंग की स्कूटी से आये 3 लड़कों ने चाकू से हमला किया और भाग गये। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ धारा 119 (1), 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

तहसील का घेराव जिला मुख्यालय घेरने की चेतावनी

धान उपार्जन : भुगतान अटकने से भड़के किसान

हरिभूमि जबलपुर।

मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में धान उपार्जन के दौरान सामने आए कथित फर्जीवाड़े की जांच के चलते रुके भुगतान को लेकर किसानों में भारी आक्रोश देखने को मिला। सोमवार को मझौली में भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में किसानों ने ट्रैक्टर रैली निकालते हुए तहसील कार्यालय का घेराव किया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बड़ी संख्या में पहुंचे किसानों ने तत्काल भुगतान की मांग करते हुए चेतावनी दी कि समस्या का समाधान नहीं होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार मझौली ब्लॉक स्थित श्री जी वेयरहाउस में धान उपार्जन के दौरान अनियमितताओं का मामला सामने आया था। इस मामले की जांच के चलते करीब 100 किसानों का भुगतान रोक दिया गया है। किसानों का कहना है कि उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया के तहत धान बेच दिया, लेकिन भुगतान लंबित होने से उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि फर्जीवाड़े में जिनकी भूमिका है, उन पर कार्रवाई होना चाहिए, लेकिन इसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

किसानों को हो भुगतान

प्रदर्शन के दौरान किसानों ने ट्रैक्टर रैली के माध्यम से अपनी नाराजगी जताई और तहसील कार्यालय पहुंचकर प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। किसानों ने कहा कि कृषि कार्यों के लिए उन्हें तत्काल धन की आवश्यकता है और भुगतान में देरी से खेती-किसानी की व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उधर, जिला प्रशासन की जांच के बाद वेयरहाउस प्रबंधन से जुड़े पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। इसके बावजूद किसानों का भुगतान अब तक नहीं हो सका है, जिससे असंतोष बढ़ता जा रहा है। किसानों के समर्थन में भाजपा विधायक अजय विश्नोई ने भी कलेक्टर को पत्र लिखकर भुगतान जल्द जारी कराने की मांग की है।

जिला मुख्यालय घेरने की चेतावनी

प्रदर्शन कर रहे किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि 48 घंटे के भीतर भुगतान की व्यवस्था नहीं की गई तो वे जिला मुख्यालय का घेराव करेंगे। वहीं प्रशासन की ओर से किसानों को जल्द समाधान का आश्वासन दिया गया है, लेकिन भुगतान को लेकर स्थिति फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। कुल मिलाकर धान उपार्जन भुगतान का यह मामला अब तूल पकड़ता नजर आ रहा है। किसानों की नाराजगी और प्रशासनिक जांच के बीच समाधान कब तक निकलता है, इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

बुलेरो वाहन में ढुल रही थी अवैध शराब

जबलपुर। पाटन थाने की नुनसर चौकी पुलिस ने एक बुलेरो वाहन में ढोकर ले जाई जा रही अवैध शराब ग्राम मनगुड़िया रोड पर जब्त की है। पुलिस ने इस वाहन से 260 पाव देशी शराब एवं शराब परिवहन में प्रयुक्त बुलेरो वाहन को जब्त कर लिया है। पाटन पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मनगुड़िया रोड में बुलेरो वाहन क्रमांक एमपी 20 सीके 0227 के में शराब का परिवहन कर रहे ग्राम बेनीखेड़ी पाटन निवासी 50 वर्षीय बुलेरो चालक संदीप झारिया को गिरफ्तार कर उसके पास से 260 पाव देशी शराब एवं शराब परिवहन में प्रयुक्त महिन्द्रा बुलेरो कार जप्त करते हुये आरोपी के विरूद्ध 34(1) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी। बताया गया है कि भगवती मानव संगठन द्वारा पुलिस को इसकी सूचना दी गई थी, उसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की।

पिस्टल कारतूस के साथ पकड़ा गया आरोपी

जबलपुर। माढ़ोताल पुलिस ने औरिया मटर मंडी के सामने हनुमान मंदिर के बाजू से हाईवे सर्विस रोड में अपराध करने की नीयत से पिस्टल खोसे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से एक पिस्टल और एक कारतूस जब्त किया है। माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार औरिया मटर मंडी के सामने हनुमान मंदिर के बाजू से हाईवे सर्विस रोड में पिस्टल खोसे पड़वार तिरहा सूरतलाई कटंगी रोड माढ़ोताल निवासी 36 वर्षीय नीरज जैन को गिरफ्तार कर उसके पास से एक देशी पिस्टल और एक लोडेड कारतूस जब्त करते हुए आरोपी के विरूद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये मामला जांच में लिया है। उल्लेखनीय है कि पकड़े गए आरोपी नीरज जैन के विरूद्ध जुआ, आबकारी एक्ट के पूर्व से 3 अपराध पंजीबद्ध है।

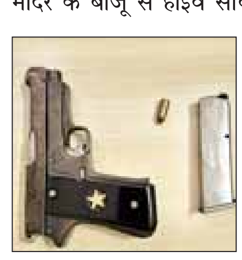

हाईकोर्ट का लोक स्वास्थ्य एवं मेडिकल एजुकेशन विभाग के आयुक्त को निर्देश

डिप्टी रजिस्ट्रार, अस्पताल प्रबंधक और जैव रसायन अभियंता की नियुक्ति नियमों संबंधी शिकायत का करो निराकरण

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने प्रदेश के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में डिप्टी रजिस्ट्रार, अस्पताल प्रबंधक और जैव रसायन अभियंता जैसे पदों पर नियुक्ति नियमों संबंधी शिकायत का निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस एमएस भट्टी की सिंगल बेंच ने लोक स्वास्थ्य एवं मेडिकल एजुकेशन विभाग के आयुक्त को यह निर्देश दिए। इसके लिए 15 दिन की मोहलत दी गई है।

सतना निवासी नरेंद्र सिंह सहित अलग-अलग जिलों के सरकारी अस्पतालों में डिप्टी रजिस्ट्रार, अस्पताल प्रबंधक और जैव रसायन अभियंता के पदों पर कार्यरत 28 याचिकाकर्ताओं ने यह याचिका दायर की है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने दलील दी कि सेवा शर्तों के अनुसार वेतन में 2 प्रतिशत की वृद्धि होनी चाहिए, लेकिन नए विज्ञापन में वेतन वृद्धि के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) का प्रावधान हटा दिया गया है। कोई नए नियम नहीं बनाए गए हैं, बल्कि 2018 के नियमों का पालन नहीं किया गया है।

6 नकबजनों से 8 लाख का माल बरामद

जबलपुर। गोहलपुर पुलिस ने 6 शातिर नकबजन को गिरफ्तार कर 3 नकबजनी और 2 चोरी की वारदातों का खुलासा कर सोने चांदी के जेवर, 1 एक्सेस वाहन, 1 ई रिक्शा बरामद किया। गोहलपुर थाना प्रभारी रीतेश पाण्डेय ने बताया कि गोहलपुर थाना क्षेत्र में हुई वारदातों की विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी मोहम्मद एहफाज, आरएफ अली, मनू सिंह, कालू अलावा को गिरफ्तार कर इनसे सूने मकानों में चोरी किये गये जेबरात बरामद किये गये वहीं एक ई रिक्शा भी बरामद किया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। जब्त की गई सामग्री की कीमत 8 लाख बताई गई है।

गोहलपुर पुलिया बन रही हादसों का सबब

कार नाले में गिरी बड़ा हादसा टला

जबलपुर। गोहलपुर थाने का पुल पहले ही जानलेवा था. लेकिन जब से दमोहनाका फ्लाईओवर शुरु हुआ उसके बाद से यह पुल और भी अधिक खतरनाक हो गया है. पूरा शहर परेशान है, लेकिन इस सबसे अधिक पुल को बनाने की रफ्तार चौकाने वाली है. यहां हादसों के बढ़ते क्रम में गत देर देर रात एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। थाने के समीप स्थित पुल के नीचे एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और समय रहते चालक व उसका साथी सुरक्षित बाहर निकल गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना अचानक हुई। बताया जा रहा है कि कार तेज गति से पुल के पास से गुजर रही थी, तभी चालक का वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया और कार रेलिंग के समीप से फिसलते हुए सीधे नाले में जा गिरी। आसपास मौजूद लोगों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

हादसे के तुरंत बाद कार में सवार चालक और उसका साथी बाहर निकल आए, लेकिन पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही वाहन को वहीं छोड़कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर गोहलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने क्रेन की सहायता से वाहन को नाले से बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू की। कार के नंबर के आधार पर वाहन मालिक और चालक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रारंभिक स्तर पर यह जांच की जा रही है कि दुर्घटना तेज रफ्तार या लापरवाही के कारण हुई अथवा इसके पीछे कोई तकनीकी खराबी जिम्मेदार रही। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गालियां देने से मना किया तो चाकू से कर दिया जानलेवा वार

जबलपुर। गोरखपुर थाना अतंर्गत ककरैया तलैया के पास गालियां देने से मना करने की बात पर एक बदमाश ने एक युवक पर चाकू से प्राणघातक हमला कर घायल कर दिया। घायल को उपचार के लिए मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोरखपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार हाथीताल गोरखपुर निवासी 35 वर्षीय मोहित ठाकुर गत शाम लगभग 6.30 बजे महानद्दा तरफ से ककरैया तलैया लक्ष्मी कालोनी जा रहा था तभी शुभम यादव उसे देखकर गालीगलौज करने लगा, मना करने पर चाकू से उस पर जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296(बी), 109(1), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240